दिनमान | तापमान

सूर्योदय 5.27 | सूर्यास्त 5.53 | अधिकतम 39° | न्यूनतम 26°

वर्ष 17, अंक 298 पृष्ठ 10
कोलकाता, गुरुवार, 3 अप्रैल 2025
चैत्र, शुक्लपक्ष, षष्ठी, वि.सं. 2081

मूल्य: ₹3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक

युवा शक्ति

कोलकाता संस्करण

www.yuvashaktinews.com

पंचम स्कन्दमाता

सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकद्वया.
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी..

मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता कहा जाता है. ये भगवान स्कन्द 'कुमार कार्तिकेय' के नाम से भी जाने जाते हैं. इन्हीं भगवान स्कन्द अर्थात कार्तिकेय की माता होने के कारण मां दुर्गा के इस पांचवें स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है. इनकी उपासना नवरात्रि पूजा के पांचवें दिन की जाती है इस दिन साधक का मन विशुद्ध चक्र में स्थित रहता है. इनका वर्ण शुभ्र है. ये कमल के आसन पर विराजमान हैं. इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है. इनका वाहन भी सिंह है. नवरात्रि पूजन के पांचवें दिन का शास्त्रों में पुष्कल महत्व बताया गया है. इस चक्र में अवस्थित रहने वाले साधक की समस्त बाह्य क्रियाएं एवं चित्र वृत्तियों का लोप हो जाता है.

लोकसभा में पास हुआ वक्फ संशोधन बिल

समर्थन में 288 और विरोध में 232 वोट पड़े

नई दिल्ली: लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर वोटिंग हुई. स्पीकर ओम बिरला ने बताया कि इस बिल के समर्थन में 288 और 232 वोट विरोध में पड़े. केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, आप कहते हैं कि हमारे देश में माइनॉरिटी सेफ नहीं हैं. मैं कहता हूं कि इस देश से ज्यादा माइनॉरिटी और कहीं सुरक्षित नहीं है. 1959 में चीन-तिब्बत में समस्या हुआ, उनका कहां आना हुआ, हमारे यहां आकर बैठे हैं. म्यांमार-बांग्लादेश से लोग यहां पर आए. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ये बिल पूरी तरह से संवैधानिक है. हम सभी मुस्लिमों को एक करने की कोशिश कर रहे हैं. केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, कुछ सदस्यों ने तर्कहीन मुद्दे उठाए. ये बिल पूरी तरह से संवैधानिक है. वक्फ लूटिशी अगर किसी ने कहा कि ये जमीन ऐसे इस्तेमाल होता था, तो वक्फ बोर्ड कहने पर ऐसा कर देता है, तो इसके लिए प्रमाण करिए. जब इल्जाम लगाते हैं तो बिना किसी तर्क के इल्जाम नहीं लगाना चाहिए. केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में चर्चा का जवाब दिया. उन्होंने कहा, हम कई सवालों का जवाब दे चुके हैं. चर्चा के लिए सदस्यों का आभार. बिल पर सभी सदस्यों ने अपनी-अपनी बातें रखी. हर जमीन देश का है. इसको आप इस्लाम या मुसलमान के खिलाफ कैसे बता सकते हैं.

इससे पहले लोकसभा में वक्फ संशोधन बिल पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विपक्ष के तमाम आरोप पर करारा पलटवार किया. इस दौरान उन्होंने इस बिल को लेकर फैलाए जा रहे सभी भ्रम को एक-एक करके दूर भी किया. अपने संबोधन के शुरुआत में उन्होंने कहा कि वक्फ के खिलाफ भ्रम फैलाया गया, कई सदस्यों के मन में वक्फ बिल पर भ्रांतियां है. गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा- वक्फ शब्द का अर्थ अल्लाह के नाम पर संपत्ति का दान है, वक्फ परिषद और वक्फ बोर्ड 1995 से है, लेकिन वोट बैंक के लिए विपक्ष वक्फ बिल का विरोध कर रहा है. गृह मंत्री ने साफ-साफ कहा कि, वक्फ बोर्ड में एक भी गैर मुस्लिम नहीं आएगा. गृह मंत्री ने आगे कहा कि- अगर 2013 में संशोधन नहीं होता तो ये बिल नहीं आता. उस दौरान संशोधन करके दिल्ली के लुटियंस की 125 संपत्तियां वक्फ को दे दीं गई.

अमित शाह ने कहा कि, वक्फ बोर्ड में जो संपत्तियां बेच खाने वाले, सौ-सौ साल के लिए औने-पौने दाम पर किराए पर देने वाले लोग है, वक्फ बोर्ड और वक्फ परिषद उन्हें पकड़ने का काम करेगा. उन्होंने आगे बताया कि 1913 से 2013 तक वक्फ के पास 18 लाख एकड़ जमीन थी. 2013 से 2025 के बीच 21 लाख एकड़ भूमि बढ़ गई. अब 39 लाख एकड़ भूमि है. कई संपत्तियां बेच दी गईं, लेकिन किसकी इजाजत से?

गृह मंत्री ने कहा- वक्फ बिल वक्फ की जमीन के रख-रखाव के लिए है. अगले चार साल सभी मुस्लिम समझ जाएंगे इस बिल का क्या फायदा होगा. लेकिन विपक्ष इस बिल को लेकर अफवाह फैला रहा है. इस बिल को लेकर मुस्लिम भाइयों डराया जा रहा है. इस दौरान फिर गृह मंत्री अमित शाह ने कहा- अपनी संपत्ति का दान किया जाता है, सरकारी जमीन का नहीं, मंदिर या मस्जिद और चर्च सरकारी जमीन पर नहीं बन सकते हैं. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में कहा कि मैं वक्फ संशोधन बिल के सपोर्ट में खड़ा हुआ हूं. मुझे लगता है कि या तो निर्दोष भाव से या राजनीतिक कारणों से ढेर सारी भ्रांतियां सदस्यों के मन में हैं और इन्हें फैलाने का प्रयास भी हो रहा है. मैं कुछ बातों को स्पष्ट करने का प्रयास करूंगा. उन्होंने कहा कि दान अपनी संपत्ति का कर सकते हैं, सरकारी जमीन का नहीं. उन्होंने कहा कि वक्फ एक प्रकार का चैरिटेबल एंडोरमेंट है. इसमें व्यक्ति पवित्र दान करता है. दान उसी चीज का किया जा सकता है जो हमारा है. मैं सरकारी संपत्ति या किसी दूसरे की संपत्ति का दान नहीं कर सकता. ये सारी बहस इसी बात पर है. यही नहीं शाह ने अपनी बात रखते हुए दो टूक कहा कि संसद का कानून है सबको स्वीकार करना पड़ेगा. शाह ने आगे कहा कि हम मुतवल्ली को छू नहीं रहे हैं. ये कह रहे थे कि कोई गड़बड़ियां नहीं हुईं, अगर कांग्रेस 2013 में अन्यायी कानून लेकर नहीं आती तो ये बिल भी नहीं आता. इसी दौरान विपक्षी सांसदों ने कुछ टिप्पणी की, जिस पर अमित शाह ने दो टूक जवाब दिया. उन्होंने कहा कि मैं बंगाल आकर सीना ठोककर ये बात कहूंगा. इस दौरान सदन में हंगामे जैसी स्थिति हो गई. टीएमसी सांसदों के हंगामे पर अमित शाह ने कहा कि ये 2026 को लेकर डरे हुए हैं, चुनाव है न भाई.

वक्फ संशोधन बिल का समर्थन, बांटी मिठाइयां

मुंबई के बोरीवली में मुस्लिमों ने मनाई खुशी

मुंबई: वक्फ संशोधन बिल बुधवार को लोकसभा में पेश हुआ. सदन में इस बिल पर चर्चा चल रही है तो कई जगह पर मुस्लिम समाज के लोग बिल के समर्थन में सड़क पर उतरे. मुंबई के बोरीवली के मुस्लिमों ने सड़कों पर 'वक्फ संशोधन बिल' के समर्थन में मिठाई बांटी. उन्होंने इस बिल को मुस्लिम समाज के लिए जरूरी बताया. मिठाई बांटने वालों में शामिल याकूब शेख ने कहा कि बुधवार को वक्फ बोर्ड का बिल पास होने वाला है. यह पहले ही हो जाना चाहिए था. कई भू-माफिया वक्फ की संपत्ति पर कब्जा किए हुए हैं, अब उनसे कब्जा छीना जाएगा. मुस्लिम समाज को इसका सीधा फायदा होगा. हमें एक और तोहफा मिलने जा रहा है. वक्फ डेवलपमेंट कमिटी के सदस्य वसीम खान ने कहा कि 'वक्फ संशोधन बिल' पहले ही संसद से पास हो जाना चाहिए था. वक्फ की संपत्ति गरीब मुस्लिमों के लिए थी. कुछ भू-माफिया इन संपत्तियों के ठेकेदार बने हुए हैं, जो बिल्कुल गलत है. किसी गरीब मुस्लिम को वक्फ से फायदा नहीं हो रहा है. जो लोग दरगाहों, मस्जिदों और कब्रिस्तानों के छीनने की बात करके बिल का विरोध कर रहे हैं, वे पूरी तरह से गलत हैं. पीएम मोदी मुसलमानों के हित के लिए काम कर रहे हैं.

बंगाल की सड़कों पर उतरेंगे 1.5 करोड़ सनातनी हिंदू

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, और चुनाव को लेकर राजनीतिक दल अपने-अपने स्तर पर तैयारी में जुट गए हैं. चुनाव से पहले वहां पर धार्मिक स्तर पर भी हलचल बढ़ती जा रही है. रामनवमी को लेकर हिंदूवादी संगठनों ने काफी तैयारी की है. इस बीच, पश्चिम बंगाल में बीजेपी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि रामनवमी (6 अप्रैल) के दिन राज्यभर में कई जगहों पर रैलियां निकाली जाएंगी जिसमें करीब 1.5 करोड़ हिंदू भाग लेंगे.मध्य कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी के स्टेट ऑफिस के बाहर बीजेपी युवा मोर्चा की रैली में शुभेंदु अधिकारी ने हिंदुओं से अपने घरों से बाहर निकलने और हिंदू पहचान जाहिर करने पर जोर देने के लिए जय श्री राम का नारा लगाते हुए जुलूस में शामिल होने का अनुरोध किया.

उन्होंने लोगों से आह्वान करते हुए कहा, रामनवमी के पवित्र दिन पर कम से कम 1.5 करोड़ हिंदू लोग सड़कों पर उतरेंगे. घर पर बेकार न बैठे रहें. आप अपनी ताकत दिखाएं. साथ ही यह भी दिखाएं कि हिंदू एकजुट हैं. यह स्वामी विवेकानंद, स्वामी रामकृष्ण और मां

शारदा की धरती है. हम रामनवमी का पर्व शांतिपूर्वक मनाएंगे. अधिकारी ने इससे पहले यह अनुमान लगाया था कि राज्यभर में करीब 2,000 रैलियों में एक करोड़ हिंदू भाग लेंगे, लेकिन आज बुधवार को उन्होंने आंकड़े में बदलाव कर दिया और इसे संशोधित करते हुए 1.5 करोड़ कर दिया.

विरोध करने के लिए सीपीएम पर तीखा हमला करते हुए अधिकारी ने दावा किया, सीपीएम को हिंदू हितों और पहचान की रक्षा करने में कोई दिलचस्पी नहीं है. साथ ही उन्होंने रामनवमी कार्यक्रमों का विरोध करते हुए फिलिस्तीन के मुद्दे पर रैली आयोजित करने के लिए सीपीएम की आलोचना की. उन्होंने कहा, पिछले चुनावों में 9 सीटें हासिल करने के बाद सीपीएम जल्द ही पश्चिम बंगाल के राजनीतिक परिदृश्य से गायब हो जाएगी. बीजेपी के वरिष्ठ नेता अधिकारी ने पूरे विश्वास के साथ यह भी भविष्यवाणी की कि 2026 के विधानसभा चुनावों में सीपीएम नेताओं के परिवार के सदस्यों के वोट बीजेपी के खाते में आ जाएंगे. पार्टी के नेता भले ही अपनी विचारधारा के प्रति वफादार रहें, लेकिन उनके परिवार के सदस्यों पर ऐसी कोई बाध्यता नहीं है.

'हिंदीभाषी हिंदू वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश कर रही तृणमूल सुप्रीमो'

कोलकाता: पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो हिंदीभाषी हिंदू मतदाताओं और पूर्वी पाकिस्तान से आए पिछड़ी जाति के बंगाली हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने की साजिश कर रही हैं. अधिकारी ने यह बयान बुधवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए दिया. अधिकारी ने कहा कि ममता बनर्जी ने यह अभियान नेताजी इंडोर स्टेडियम में अपनी पार्टी की सार्वजनिक सभा के बाद से तेज कर दिया है. उन्हें लग रहा है कि अगर 2026 में निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव हुए तो तृणमूल को हार का सामना करना पड़ेगा. भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री विशेष रूप से बड़ाबाजार, बर्दवान-असनसोल क्षेत्र, बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र, भद्रेश्वर-लिलुआ बेल्ट और हावड़ा क्षेत्र में रहने वाले हिंदीभाषी हिंदुओं के नाम मतदाता सूची से हटवाने की कोशिश कर रही हैं. अधिकारी ने यह भी दावा किया कि तृणमूल विभाजन के दौरान और उसके बाद भारत आए पिछड़ी जाति के बंगाली हिंदू मतदाताओं को भी सूची से हटाने की साजिश कर रही है. वे चुनाव आयोग पर दबाव डाल रहे हैं ताकि इन वास्तविक नागरिकों को मतदान के अधिकार से वंचित किया जा सकेय़

ममता बनर्जी ने भाजपा पर लगाया रामनवमी के दौरान दंगा भड़काने की साजिश का आरोप

कोलकाता: पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर रामनवमी के मौके पर दंगा भड़काने की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि भाजपा राज्य में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है, लेकिन बंगाल के लोग किसी भी हाल में दंगे को बर्दाश्त नहीं करेंगे.

ममता बनर्जी ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बंगाल की संस्कृति शांति और सद्भाव का संदेश देती है. हम रामकृष्ण परमहंस को मानते हैं, लेकिन 'जुमला पार्टी' को नहीं. उन्होंने साफ कहा कि राज्य में किसी भी तरह की सांप्रदायिक हिंसा की कोशिश सफल नहीं होने दी जाएगी.

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में बंगाल में ईद का त्योहार पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ. इसी तरह आने वाले रामनवमी और अन्नपूर्णा पूजा जैसे त्योहारों को भी शांति से मनाया जाना चाहिए. उन्होंने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा, धर्म का राजनीतिकरण मत करिए. मैं 'जुमला पार्टी' से कहूंगी कि वे बसंती पूजा और अन्नपूर्णा पूजा करें, धर्म का मतलब कर्म होता है. मानवता को अपनाइए, दानवता को नहीं. ममता बनर्जी ने भाजपा पर सीधा निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी योजनाबद्ध तरीके से रामनवमी के दौरान दंगे भड़काने की साजिश कर रही है. उन्होंने कहा, लोगों के बीच फूट डालने और दंगे भड़काने के लिए ये लोग एक नया धर्म लेकर आए हैं. यह धर्म रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, तपोवन, वेद और उपनिषदों का धर्म नहीं है.

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा राज्य में रामनवमी के नाम पर सांप्रदायिक माहौल बनाने का प्रयास कर रही है. इसके लिए पूरे प्रदेश में करोड़ों रुपये खर्च कर पोस्टर और बैनर लगाए जा रहे हैं. गेरुआ खेमे की योजना रामनवमी के मौके पर एक करोड़ लोगों को सड़कों पर लाने की है. ममता बनर्जी ने गांधी जी का जिक्र करते हुए कहा, महात्मा गांधी ने देश की आजादी से पहले दंगों को रोकने के लिए अनशन किया था. क्या हम उस इतिहास को भूल जाएंगे? उन्होंने दावा किया कि भाजपा सोची-समझी रणनीति के तहत बंगाल की शांति भंग करने की कोशिश कर रही है, लेकिन उनकी सरकार ऐसा नहीं होने देगी.

13 साल बाद पाकिस्तानी विदेश मंत्री का बांग्लादेश दौरा

इस्लामाबाद/ढाका: मोहम्मद यूनुस के कार्यकाल में बांग्लादेश की पाकिस्तान से नजदीकियां बढ़ती ही जा रही है. सोमवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मोहम्मद यूनुस से फोन पर बात की और ईद की शुभकामनाएं दी. इस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की. इस दौरान शरीफ ने यूनुस को पाकिस्तान आने का निमंत्रण दोहराया और प्रसिद्ध गायिका रूना लैला सहित बांग्लादेशी सांस्कृतिक मंडली को पाकिस्तान में प्रस्तुति देने का निमंत्रण दिया.पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार 22 अप्रैल से 24 अप्रैल तक बांग्लादेश का दौरा करेंगे.

कौन बनेगा बीजेपी का नया अध्यक्ष?

लॉकेट चटर्जी और अग्निमित्रा पॉल बड़े दावेदारों में

रामनवमी के आसपास बीजेपी अध्यक्ष का ऐलान संभव

कोलकाता: बिहार विधानसभा चुनावों के बाद अगले साल की शुरुआत में पश्चिम बंगाल में चुनावी दंगल होगा. ऐसे में बीजेपी राज्य की कमान किसे सौंपेगी? इस पर सभी की नजरें लगी हुई हैं. प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी अभी सुकांत मजूमदार के पास है. वह 2021 में पश्चिम बंगाल बीजेपी के चीफ बने थे. सुकांत अभी केंद्र सरकार में मंत्री हैं. सुकांत से पहली पश्चिम बंगाल में पार्टी की कमान दिलीप घोष के पास थी. सूत्रों की मानें तो संसद का बजट सत्र खत्म होते ही पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष का ऐलान हो सकता है. प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी के लिए दो महिलाएं दौड़ में हैं. राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि बिहार में बीजेपी

की जीत मिली तो बंगाल का चुनाव और भी ज्यादा हाईप्रोफाइल हो सकता है. इसके संकेत केंद्रीय गृह अमित शाह दे चुके हैं. पूर्व सांसद लॉकेट चटर्जी और बंगाल विधायक अग्निमित्रा पॉल का नाम इस पद के लिए सबसे आगे माना जा रहा है. दोनों महिला नेता अपने तेजतर्रार अंदाज के लिए जानी जाती हैं. सूत्रों से संकेत मिलता है कि पार्टी वर्तमान प्रमुख सुकांत मजूमदार की जगह दो प्रमुख महिला नेताओं पर विचार कर रही है. राज्य में नेता विपक्ष अभी शुभेंदु अधिकारी हैं. वह कभी ममता बनर्जी के बेहद निकट होते थे. चर्चा यह भी है कि बीजेपी दीदी के महिला कार्ड को कमजोर करने के लिए इस बार महिला को प्रदेश अध्यक्ष की कुर्सी दे सकती है. अगर ऐसा होता है तो शुभेंदु अधिकारी काफी मजबूत हो जाएंगे. अग्निपॉल मित्रा और लॉकेट चटर्जी दोनों के शुभेंदु अधिकारी से अच्छे रिश्ते हैं.

नक्सलियों ने सरकार से की संघर्ष विराम की मांग

कहा : हम बातचीत के लिए तैयार

जगदलपुर: छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों की लगातार कार्रवाई के बाद अब नक्सलियों ने संघर्ष विराम की मांग की है. पत्र जारी कर कहा गया है कि सरकार अगर ऑपरेशन बंद करने का ऐलान करती है तो नक्सली बात करने को तैयार हैं. दरअसल बीते कुछ महीनों से सुरक्षाबलों की टीमें लगातार ऑपरेशन चला रही हैं जिसमें कई बड़े खूंखार नक्सलियों को जवानों ने ढेर कर दिया है. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नक्सल प्रभावित बस्तर के दौरे से पहले नक्सलियों ने तत्काल युद्ध विराम और सशर्त शांति वार्ता की मांग की है. नक्सलियों के प्रवक्ता अभय की ओर से जारी बयान में केंद्र सरकार से एंटी नक्सल ऑपरेशन को रोकने का आग्रह किया गया है. इसके साथ ही सुरक्षाबलों की वापसी और माओवादी विरोधी अभियानों को रोकने की मांग की गई है. छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्यों

में नक्सलियों को लग रहे तगड़े झटकों के बीच वे शांति वार्ता के लिए तैयार हो गए हैं. नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी की बैठक के बाद नक्सलियों के प्रवक्ता ने एक पर्चा जारी कर सरकारों से शांति वार्ता की पहल की है. नक्सलियों की सेंट्रल कमेटी ने कहा कि 15 महीने में हमारे 400 साथियों को मारा गया है. केंद्र और राज्य सरकारें ऑपरेशन रोकें तो हम बात करेंगे.

नक्सलियों के प्रवक्ता अभय ने हिंदी और तेलगू दोनों भाषा में प्रेस रिलीज जारी केंद्र और राज्य सरकार से नक्सल विरोधी अभियान को रोकने के लिए अनुरोध किया है. इसके साथ ही सुरक्षा बल के जवानों को कैंप में ही रहने और नये कैंप नहीं खोलने की बात कही है. उसने प्रेस विज्ञप्ति में आगे लिखा है कि 24 मार्च को नक्सलियों के संगठन की हैदराबाद में एक बैठक हुई थी. इसमें यह तय हुआ था कि वो बिना किसी शर्त के बातचीत और शांति वार्ता कर1ने के युद्ध विराम की घोषणा कर देंगे. आगे लिखा है कि छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा ने भी नक्सलियों से आग्रह किया था कि वो हथियार छोड़ मुख्यधारा में शामिल हो जाए. हथियार छोड़ दें. यदि ऐसा नहीं करेंगे तो जवान नक्सलियों से सख्ती से निपटेंगे और और उनका खात्मा कर देंगे.

फिर विवादों में घिरे असित मजूमदार

हुगली : अपने बड़बोलेपन को लेकर अक्सर विवादों में रहने वाले तृणमूल नेता और चुंचुड़ा के विधायक असित मजूमदार एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं.दरअसल बुधवार को विधायक का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें विधायक तृणमूल कर्मियों से कह रहे हैं कि कर्मी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं तो कुछ भाजपा से पैसा ले लेते हैं. उनको चिन्हित करना होगा. दुष्ट गाय से बिना गाय का ग्वाला ठीक होता है. इसके अलावा वायरल वीडियो में विधायक कह रहे है कि इंद्रनील सेन, बेचाराम मन्ना और स्नेहाशीष चक्रवर्ती मंत्री बन गए है. मैने राजनीति में इनको जन्म दिया. बेचाराम मन्ना तो सीपीएम करते थे. वे इंडिया जुट मिल में काम करते थे.बहरहाल, वीडियो वायरल होने के बाद विधायक ने बुधवार को सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा है कि वे पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा रहे थे. सूत्रों की माने तो विधायक के बयानों से तृणमूल कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व नाराज है और पार्टी के अनुशासन समिति की उन पर नजर है.

गृहिणी की गोली मारकर हत्या की कोशिश

सिलीगुड़ी : नक्सलबाड़ी में मंगलवार रात किराना दुकान के सामने खड़ी एक गृहिणी की गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया गया है. घटना नक्सलबाड़ी थाना क्षेत्र के तोताराम जोत के नूरी चौक इलाके में घटी है. इस घटना में इलाके के जाने-माने अपराधी मोहम्मद शफीक का नाम सामने आया है. गृहिणी को कोई नुकसान नहीं हुआ लेकिन वह डरी हुई है. हालात से निपटने के लिए पुलिस के साथ-साथ रेफ को इलाके में तैनात किया गया है.स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, घटना मंगलवार रात करीब 8:30 बजे की है. जब दुकान के सामने खड़ी गृहिणी रेशमा खातून के सीने पर मोहम्मद शफीक ने अचनाक देशी कट्टा सटा दिया जिससे महिला घबरा गई. मोहम्मद शफीक के ट्रिगर दबाने से पहले गृहिणी के साथ हाथापाई शुरू हो गया. जिससे ज़मीन पर गोलियां चल गई. घटना के समय रेशमा के साथ उनके दो बच्चे भी थे.इधर, गोलियों की आवाज से पूरे इलाके में दहशत फैल गई. स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना नक्सलबाड़ी पुलिस को दी. मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचा और जांच शुरू की.महिला से पूछताछ के बाद आरोपित मोहम्मद शफीक की तलाश के लिए छापेमारी की गई. आरोपित के घर पर भी छापेमारी की गई. खबर लिखे जाने तक अपराधी मोहम्मद शफीक पुलिस की पकड़ से बाहर है. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि गृहिणी को मोहम्मद शफीक ने क्यों गोली मारने की कोशिश की है. घटना के बाद से आरोपित फरार है. पुलिस ने आरोपित की तलाश शुरू कर दी है.

मालदा-मुर्शिदाबाद को केंद्र शासित बनाने की राह पर बढ़ रहा है केंद्र : विधायक

मुर्शिदाबाद : रामनवमी के दिन मुर्शिदाबाद में हिंसा होने की आशंका है. अगर वक्फ विधेयक पारित हो गया तो मुर्शिदाबाद में आग लग सकती है. मुर्शिदाबाद के भाजपा विधायक गौरीशंकर घोष ने भी ठीक यही आशंका व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में हिंदू अल्पसंख्यक हैं. वे अस्थायी तौर पर विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं. लेकिन उन्हें आत्मसमर्पण करना पड़ेगा. भाजपा विधायक ने यह भी दावा किया कि केंद्र सरकार मालदा-मुर्शिदाबाद को केंद्र शासित बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है.विधायक गौरीशंकर घोष ने कहा कि हिंदू समुदाय के लोग डरे हुए हैं. सोशल मीडिया पर विभिन्न पोस्ट देखने के बाद हमें डर है कि मुर्शिदाबाद में रामनवमी या वक्फ बिल को लेकर फिर से अशांति हो सकती है. लोग झूठे उकसावे में आकर फिर से हिंसा में शामिल हो रहे हैं. हम मुर्शिदाबाद में अल्पसंख्यक हैं.उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में सिर्फ़ 27 प्रतिशत हिंदू हैं. वे लड़कर ज़िंदा नहीं रह पाएंगे. हम अस्थायी तौर पर विरोध कर सकते हैं. लेकिन एक समय हमें

आत्मसमर्पण करना होगा मुर्शिदाबाद-मालदा को बचाने के लिए केंद्र सरकार से अपील की जा रही है.विधायक ने कहा कि उन्होंने पहले ही पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मालदा-मुर्शिदाबाद को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाए या सुरक्षा सुनिश्चित की जाए. उन्होंने कहा, हमने बार-बार अनुरोध किया है कि इन्हें केंद्र शासित बनाया जाए. सुरक्षा के लिए इन दोनों जिलों को केंद्र शासित प्रदेश बनाया जाना चाहिए. हमारे पास खबर है कि आने वाले दिनों में इन दोनों जिलों का केंद्र शासित बनाना असंभव नहीं है. मैं केंद्र सरकार को फिर से लिखूंगा.इस बीच भरतपुर से तृणमूल विधायक हुमायूं कबीर ने कहा कि उन्होंने एक बार केंद्र सरकार को पत्र लिखा था. गृह मंत्रालय को. वे हर महीने केंद्र को एक दर्जन पत्र भेजें, लेकिन केंद्र उनके पत्रों को कोई महत्व नहीं देता. कोई उन्हें डराता या धमकाता नहीं है. गौरी का डर निराधार है. जिले के लोग धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते हैं. भले ही यह मुस्लिम बहुल क्षेत्र है, लेकिन प्रणब मुखर्जी जैसे लोग यहां से सांसद बनते हैं, अधीर रंजन चौधरी, प्रमोदेश मुखर्जी लंबे समय तक यहां सांसद रहे हैं, गौरी घोष जैसे लोग विधायक बनते हैं. इसलिए डर निराधार है.

सड़क दुर्घटना में चार की मौत

मुर्शिदाबाद : मुर्शिदाबाद जिले के शमशेरगंज थाना इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 12 पर चार लोगों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई. मंगलवार रात करीब आठ बजे न्यू डाक बंगला-जामिया काटान इलाके में यह हादसा तब हुआ, जब मोटरसाइकिल पर सवार चार लोग सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे एक कंटेनर ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी.

तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग को गंभीर हालत में नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया.

जंगीपुर पुलिस जिला अधीक्षक आनंद रॉय के अनुसार, प्रारंभिक जांच में पता चला कि कंटेनर ने टक्कर मारने के बाद मालदा की ओर भागने की कोशिश की,

लेकिन पुलिस ने इसे जब्त कर लिया. मृतकों में से एक की पहचान एजाज शेख के रूप में हुई है, जो उत्तर महादेवनगर इलाके का रहने वाला था. बाकी मृतकों के शिनाख्त की कोशिश

की जा रही है.इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और पुलिस को शव हटाने से रोक दिया. लोगों का आरोप है कि इस इलाके में पुलिस और सिविक वॉलेंटियर अक्सर वाहनों से अवैध वसूली करते हैं, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है. उनका कहना है कि कंटेनर चालक के भागने की कोशिश में यह हादसा हुआ. रात नौ बजे तक राजमार्ग अवरुद्ध रहा, जिससे दोनों ओर यातायात जाम हो गया.जंगीपुर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को शांत करने की कोशिश की और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बातचीत की.

पेड़ से टकराई बाइक ,दो युवकों की मौके पर ही मौत

बांकुरा : बाइक दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई. मंगलवार देर शाम को दो युवक बांकुड़ा से बाजार कर छतना के लिए रवाना हुए . तभी रास्ते में यह दुर्घटना हुई. बांकुड़ा के नमो अंचुरी के पास बाइक सवार एक पेड़ से जोरदार टकरा गया. हादसे में बाइक सवार और उसके पीछे बैठा दूसरे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई . दो मृत बाइक सवारों में से एक शेख सिराज (18) निवासी गुरपुट और दूसरा चतना निवासी शाहिद खान (18) है. प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि बाइक बहुत तेज गति से छतना की ओर जा रही थी, तभी किसी कारणवश बाइक का नियंत्रण खो गया और वह एक पेड़ से जा टकराई. प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. इस घटना से इलाके में भारी हड़कंप मच गया.

एशियन हाईवे पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन घायल, एक की हालत गंभीर

जलपाईगुड़ी : एशियन हाईवे 31डी नेशनल हाईवे पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. घटना के बाद कुछ देर के लिए सड़क पर यातायात ठप रहा. जानकारी के अनुसार बेलाकोबा क्षेत्र में दस दरगाह मोड़ पर अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती रहती हैं. स्थानीय लोगों की शिकायत है कि प्रशासन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहा है. कल रात फिर दस दरगाह मोड़ पर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए. इनमें से दो की हालत गंभीर है. घटना की खबर मिलते ही स्थानीय निवासी घटनास्थल पर पहुंचे और तीनों घायलों को तुरंत बाहर निकाला

तथा जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल पहुंचाया.घटना के बाद स्थानीय लोग एकत्र हो गए और सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया. विरोध प्रदर्शन के कारण राजमार्ग पर कुछ देर तक यातायात बाधित रही .घटना के तुरंत बाद जलपाईगुड़ी कोतवाली पुलिस स्टेशन से बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा. इसके बाद पुलिस ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू कराया.राष्ट्रीय राजमार्ग यातायात प्रभारी जॉय सरकार ने बताया कि एक मोटरसाइकिल बेलाकोबा से दस दरगाह मोड़ होते हुए जलपाईगुड़ी की ओर जा रही थी, तभी जलपाईगुड़ी से दस दरगाह की ओर जा रही एक अन्य मोटरसाइकिल ने उससे टक्कर मार दी. घायलों को जलपाईगुड़ी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भेजा गया है.

गंगा से वृद्ध महिला का अर्धनग्न शव बरामद

पूर्व बर्दवान : पूर्वस्थली -1 ब्लॉक के जहांनगर पंचायत के बरिसाल पाड़ा इलाके में मुरीगंगा नदी से बुधवार को एक वृद्ध महिला का अर्धनग्न शव बरामद होने से सनसनी फैल गई. स्थानीय निवासियों ने नदी में शव को तैरता हुआ देखा और तुरंत नादनघाट पुलिस थाने को सूचित किया. पुलिस ने आकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

नाबालिग लकड़ी की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : नाबालिग लकड़ी की हत्या के मामले में एनजेपी थाने की पुलिस ने दो को गिरफ्तार किया है. जिनमें एक का नाम रोहित राय है. जबकि दूसरा नाबालिग है. दोनों आरोपित नाबालिग के दोस्त है. इस बीच, भाजपा नेतृत्व ने घटना के आरोपितों के लिए अनुकरणीय सजा की मांग करते हुए एनजेपी पुलिस थाने के सामने बुधवार दोपहर विरोध प्रदर्शन किया. थाने का घेराव करने के साथ ही सड़क जाम कर विरोध प्रकट किया. बाद में पुलिस ने स्थिति को सामान्य किया.उल्लेखनीय है कि मंगलवार दोपहर एनजेपी थाना क्षेत्र के शांतिपाड़ा की रहने वाली नाबालिग दीया मजूमदार घर से निकली थी. इसके कुछ देर बाद नाबालिग की हत्या कर दी गई. नाबालिग के दोस्त रोहित ने नाबालिग के परिजन को फोन कर बताया कि वह झाड़ियों में बेहोशी की हालत में मिली है. हालांकि बाद में रोहित के इलाके के कुछ लोगों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम करीब पांच बजे रोहित नाबालिग को बेहोशी की हालत में घर से बाहर लेकर निकला था. उस वक्त जब रोहित से पूछा गया तो उसने बताया अधिक नशा करने से वह बेहोश हो गई है. बाद में जब नाबालिग को सिलीगुड़ी जिला अस्पताल ले जाया गया तो चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद अस्पताल में तनाव का माहौल देखा गया था. घटना की रात परिवार की ओर से एनजेपी थाने में हत्या का लिखित शिकायत दर्ज करायी गयी. जिसके बाद पुलिस ने रोहित सहित दो को गिरफ्तार कर लिया.

पटरी पर बाइक छोड़कर भागने वाला गिरफ्तार

कोलकाता : कानून तोड़ने वालों की तलाश जारी है. जो लोग बाइक, टोटो, ऑटो या किसी भी सड़क वाहन से अनाधिकृत रूप से रेलवे ट्रैक पार कर रहे हैं और खुद के साथ-साथ हजारों रेल यात्रियों की जान को खतरे में डाल रहे हैं, उन्हें पकड़ा जाएगा और उन पर मुकदमा चलाया जाएगा. सोनारपुर और चंपाघाटी के बीच रेलवे लाइन पार करते समय पटरी पर ही बाइक छोड़कर भागने वाले बाइक सवार को गिरफ्तार कर लिया गया है. रेलवे लाइन पार करने की हाल की घटनाओं को देखते हुए पूर्व रेलवे इस मामले को गंभीरता से ले रहा है. सोनारपुर-कैनिंग सेक्शन में हाल ही में मोटरसाइकिल से रेलवे ट्रैक पार करने की ऐसी ही एक गैरजिम्मेदाराना हरकत हुई, जिसके अपराधी को पकड़ लिया गया है. कुछ दिन पहले सियालदह डिवीजन के सोनारपुर-कैनिंग सेक्शन में सोनारपुर और चंपाहाटी के बीच एक घटना घटी,

जहां एक बाइक सवार ने जानबूझकर अपनी मोटरसाइकिल को सामने से आ रही ट्रेन के सामने खड़ा कर दिया और भाग गया, जिससे ट्रेन और बाइक में टक्कर हो गई, जिससे यात्रियों को काफी परेशानी हुई और वे परेशान हो गए. इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) सियालदह डिवीजन ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी युवक को पकड़ लिया. आरोपी की पहचान सुदीप्त मिस्त्री (पुरुष-23) के रूप में हुई है, जो संजय मिस्त्री का बेटा है और पूर्बा माली पुकुरिया, पीएस-सोनारपुर, जिला दक्षिण 24 पीजी (एस), पश्चिम बंगाल का रहने वाला है. उसे रेलवे अधिनियम की धारा 174 (बी), 153 और 147 के तहत गिरफ्तार किया गया है. यह घटना बेहद गंभीर है और रेलवे अधिकारियों ने इसे यात्रियों की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना है. इस तरह की हरकतों से न केवल जान-माल का नुकसान होता है,

बल्कि रेलवे सेवाएं भी बाधित होती हैं, जिससे हजारों यात्रियों को परेशानी होती है. पूर्वी रेलवे ने लोगों से अपील की है कि वे अपनी जान जोखिम में डालने से बचें और किसी भी तरह से रेलवे ट्रैक को बाधित न करें. रेलवे ट्रैक सार्वजनिक संपत्ति है और इसका दुरुपयोग करना कानूनी अपराध है. ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी. यह घटना इस बात की याद दिलाती है कि इस तरह के गैरजिम्मेदाराना व्यवहार से कितने गंभीर परिणाम हो सकते हैं. मंडल रेल प्रबंधक, सियालदह दीपक निगम ने भी लोगों से भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया.

न्यूज़ कॉर्नर

सड़क दुर्घटना में दो की मौत

पश्चिम बर्दवान : पश्चिम बर्दवान जिले के कांकसा में बिरुडीहा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर बुधवार सुबह तकरीबन 10 बजे हुई एक दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया.प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक चार पहिया वाहन ने नियंत्रण खो दिया और लगातार दो मोटरसाइकिलों से टकरा गया. इस हादसे में तीन बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से दो की मौत हो गई. मृतक पानागढ़ के निवासी बताए जा रहे हैं.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तेज गति से आ रही एक छोटी कार ने पहले दो बाइक सवारों को टक्कर मारी, जिससे वे सड़क किनारे गिर गए. इसके बाद कार ने 100 मीटर दूर एक अन्य बाइक को भी टक्कर मार दी.एक प्रत्यक्षदर्शी रवि नायक ने बताया कि इस हादसे में एक गाड़ी ने दूसरी गाड़ी को पीछे से टक्कर मारी, जिसके बाद यह श्रृंखलाबद्ध टक्कर हुई. घटना की सूचना मिलते ही कांकसा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया. घायलों को तुरंत दुर्गापुर महकमा अस्पताल ले जाया गया, जहां दो बाइक सवारों को मृत घोषित कर दिया गया, जबकि तीसरे घायल व्यक्ति का इलाज चल रहा है.

नकली नोटों के साथ पकड़ाये युवक को जेल, पुलिस लगा रही हैं नेटवर्क का पता

जमशेदपुर : जमशेदपुर में नकली नोटों के जरिए ठगी करने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें एक युवक पैसे ठगने और आकर्षक ब्याज के नाम पर नकली नोट खपाने का काम कर रहा था. यह मामला सीतारामडेरा थाना क्षेत्र के भुइयांडीह के रहने वाले युवक ने उजागर किया है. युवक ने तमाम धमकियों के बावजूद एक आरोपी युवक को कपाली के डोबो से धर दबोचा और सोमवार देर रात उसे सीतारामडेरा थाना पुलिस के हवाले कर दिया. बुधवार को पुलिस ने बताया कि युवक को जेल भेज दिया गया है. अब पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खंगाल रही है. सूत्र बताते हैं कि पुलिस को पता चला है कि नकली नोटों के जरिए ठगी करने वाले इस गिरोह के कई सदस्य जमशेदपुर में हैं. आरोपी युवक का नाम फैज मोहम्मद है, जो मानगो के ओल्ड पुरुलिया रोड का रहने वाला है. फैज के पास से पुलिस ने चिल्ड्रन बैंक लिखा हुआ पांच-पांच सौ रुपये के सैकड़ों नकली नोट बरामद किए. पूछताछ के दौरान फैज ने बताया कि वह इन नकली नोटों को रांची से लेकर आ रहा था और लोगों को आकर्षक ब्याज के नाम पर रिटर्न देने का लालच देकर असली पैसे लेकर नकली नोटों का लेन-देन कर रहा था. युवक को दबोचने वाले का नाम अमित चौहान है. उसने बताया कि उसे युवक ने दो लाख रुपये के बदले 10 लाख रुपये देने का वादा किया था. अमित ने छानबीन की तो पता चला कि फैज फ्राड कर नकली नोट दे देता है. नोटों की गड्डियों के ऊपर पांच सौ रुपये का असली नोट रहता है और बाकी नोट नकली होते हैं. यह नकली नोट वह हैं जिन्हें बच्चे खेलने के लिए इस्तेमाल करते हैं. इसके बाद अमित चौहान ने फैज को दबोच कर सीतारामडेरा पुलिस को सौंपा.

फैक्ट्री में चोरी करते हुए पकड़े जाने पर एक व्यक्ति को बिजली के खंभे से बांध कर की धुनाई

हावड़ा : एक व्यक्ति को फैक्ट्री में चोरी करते हुए पकड़े जाने पर बिजली के खंभे से बांध दिया गया. घटना हावड़ा के जगतबल्लभपुर बरगछिया के मानसिंहपुर इलाके की है. बीती रात जगतबल्लभपुर का एक व्यक्ति सिंगापुर इलाके में स्थित फैक्ट्री में चोरी करने आया और इसकी तस्वीर मोबाइल में कैद हो गई. आज सुबह चोर की पहचान कर ली गई और उसे वापस लाकर बिजली के खंभे से बांधकर उसकी अच्छी तरह पिटाई की गई तथा जगतबल्लभपुर पुलिस थाने को इसकी सूचना दी गई. पुलिस पहुंची और चोर को बचाया.

बंगाल : रेजिनगर में बांस के बगीचे से सॉकेट बम बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मुर्शिदाबाद : रेजिनगर थाने की पुलिस ने गुप्त सूत्र से सूचना मिलने के बाद नाजिरपुर पश्चिमपाड़ा में एक बांस के बगीचे में पर छापा मारा. अभियान के दौरान एक बैग और कई बिखरे हुए सॉकेट बम बरामद किए गए.घटना के तुरंत बाद बम निरोधक दस्ते को सूचित किया गया. सुरक्षा कारणों से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है. बम निरोधक दस्ते के घटनास्थल पर पहुंचने पर बरामद बमों को निष्क्रिय कर दिया गया .पुलिस ने कहा कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है और वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि विस्फोटक किसने जमा किया था. स्थानीय लोगों को सुरक्षित रहने की सलाह दी गई है.

पर्यटन केंद्र में भीषण आग लगने से हड़कंप

कोलकाता : झाड़खालीपर्यटन केंद्र में भीषण आग लग गई, जिससे पर्यटकों और स्थानीय लोगों में दहशत देखी जा रही है . घटना बुधवार दोपहर को झाड़खाली पर्यटन केंद्र से सटे एक बहुराष्ट्रीय कंपनी के रिसॉर्ट के पीछे घटित हुई. आग तेजी से जंगल की आग की तरह फैल गई. भयानक आग में कई मैंग्रोव और पेड़ जल गए. आग की प्रचंड लपटों में एक के बाद एक मैंग्रोव जलने लगे. पर्यटक क्षेत्र काले धुएं से ढक गए हैं. खबर मिलते ही झाड़खालीतटीय पुलिस स्टेशन से पुलिस मौके पर पहुंची. आग पर काबू पा लिया गया है. लेकिन इतनी भयानक आग कैसे लगी ? पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है. हालाँकि, पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है किपर्यटकों की बीड़ी या सिगरेट की आग से ऐसी भयानक आग लगने की घटनाएं होती रही हैं.

रेलवे न्यूज

बारासात स्टेशन पर स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम

कोलकाता : पूर्व रेलवे स्टेशनों पर स्वच्छ और स्वास्थ्यकर वातावरण बनाए रखने के लिए समर्पित है. इस प्रयास में, सियालदह डिवीजन के पर्यावरण और हाउसकीपिंग प्रबंधन और स्वास्थ्य विभाग ने रेलवे सुरक्षा बल के सहयोग से आज बारासात स्टेशन पर एक दिवसीय स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया. यात्रियों, विक्रेताओं और रेलवे उपयोगकर्ताओं को स्वच्छता, उचित अपशिष्ट निपटान और रेलवे परिसर में थूकने पर रोक के बारे में परामर्श दिया गया. उनसे आग्रह किया गया कि वे पटरियों या स्टेशन क्षेत्रों में कचरा न फेंकें. 'गुलाब अभियान' के तहत, विक्रेताओं और फेरीवालों को स्वच्छता बनाए रखने में उनकी भूमिका के प्रतीकात्मक अनुस्मारक के रूप में गुलाब भेंट किए गए. हालांकि उल्लंघन के लिए दंड अभी भी है, लेकिन यह पहल सकारात्मक सुदृढीकरण के माध्यम से जागरूकता को बढ़ावा देती है. रेलवे कर्मचारियों ने यात्री क्षेत्रों और दुकानों का निरीक्षण किया और स्वच्छता मानकों को बनाए रखने वालों को गुलाब दिए. इसका उद्देश्य जिम्मेदार तरीके से कचरा निपटान की आदतों को प्रोत्साहित करना है. पूर्व रेलवे ने सभी यात्रियों से अपील की है कि वे कूड़ा-कचरा न फैलाएं या थूकें नहीं, क्योंकि ऐसी प्रथाएं स्टेशन की स्वच्छता को खराब करती हैं और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करती हैं. रेलवे के स्वच्छ वातावरण को सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयास महत्वपूर्ण है.

तीन साल के बाद छह अप्रैल से फिर दौड़ेगी हिमगिरी एक्सप्रेस

कोलकाता/रुड़की : यह खबर शहर, देहात और यहां से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी है क्योंकि छह अप्रैल से हिमगिरी एक्सप्रेस का ठहराव रुड़की रेलवे स्टेशन पर शुरू हो जाएगा. अब यात्रियों को जम्मूतवी और हावड़ा के बीच पड़ने वाले स्टेशनों पर जाने के लिए राहत मिलेगी. करीब तीन साल से हिमगिरी एक्सप्रेस का ठहराव रुड़की में बंद था. रुड़की रेलवे स्टेशन ए श्रेणी में दर्ज है. केंद्र सरकार की अमृत रेलवे स्टेशन योजना का भी रुड़की हिस्सा बना है. मुरादाबाद मंडल के अंतर्गत आने वाले इस स्टेशन से होकर करीब 40 से अधिक जोड़ी ट्रेन चलती हैं. यहां से करीब दो हजार किलोमीटर तक का सफर किया जा सकता है.पूर्व से ही जम्मू और हावड़ा के लिए भी काफी यात्री हैं लेकिन सियालदह व पंजाब मेल एक्सप्रेस में टिकट फुल होने पर यात्री सफर नहीं कर पाते थे. त्योहार सीजन और धार्मिक स्थल के अलावा कामकाजी लोग भी इन रूट पर निरंतर आवागमन करते हैं. मांग उठी थी कि हिमगिरी एक्सप्रेस का संचालन फिर से शुरू कर दिया जाए.हिमगिरी एक्सप्रेस का संचालन होने से यात्रियों को काफी राहत मिलेगी. इसके बाद अब हिमगिरी एक्सप्रेस को रुड़की में ठहराव को हरी झंडी मिली. वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आदित्य गुप्ता के मुताबिक हिमगिरी एक्सप्रेस का संचालन छह अप्रैल से रुड़की होते हुए शुरू हो रहा है. ठहराव का आदेश नई दिल्ली मुख्यालय से जारी हुआ है.इन स्टेशनों से होकर गुजरेगी ट्रेनजम्मूतवी, पठानकोट, जालंधर, फगवाड़ा, लुधियाना, अंबाला, यमुनानगर, सहारनपुर, बरेली, सुल्तानपुर, वाराणसी जंक्शन, बक्सर, पटना और हावड़ा आदि स्टेशन के यात्रियों को राहत मिलेगी. सप्ताह में तीन दिन ट्रेन का संचालन अप डाउन रहेगा. ट्रेन जम्मूतवी और हावड़ा तक करीब दो हजार किलोमीटर का सफर तय करेगी.

नई ऊंचाइयों की ओर पूर्व रेलवे की माल ढुलाई

कोलकाता : पूर्व रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में पहली बार 100 मिलियन टन माल लदान को पार करते हुए ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की. मुख्य रूप से यात्री ले जाने वाली रेलवे होने के बावजूद, पूर्व रेलवे ने 2024-25 के लिए कठिन लोडिंग लक्ष्य को हासिल किया और 100.87 मिलियन टन माल का परिवहन किया, जो पिछले वित्तीय वर्ष (2023-24) में परिवहन किए गए 86.88 मिलियन टन से 16.1% अधिक है.उल्लेखनीय है कि इस वर्ष (2024-25) भारतीय रेलवे में पूर्व रेलवे ने 52% वृद्धिशील माल लदान साझा किया है, जिससे भारतीय रेलवे के माल परिवहन परिदृश्य के संबंध में अग्रणी क्षेत्र का दर्जा प्राप्त हुआ है. माल ढुलाई लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में पूर्व रेलवे टीम की निरंतर दृढ़ता के कारण यह शानदार प्रदर्शन संभव हो पाया है. पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक श्री मिलिंद देऊस्कर ने माल परिवहन को बढ़ाने के लिए पूर्व रेलवे टीम को लगातार प्रेरित किया है. माल यातायात की नई किस्मों की खोज, माल टर्मिनलों का आधुनिकीकरण, नए माल शेड खोलना आदि ने पूर्व रेलवे में माल लदान की इस आश्चर्यजनक वृद्धि को प्राप्त करने में सहायता की है.माल ढुलाई से होने वाली आय में भी पूर्व रेलवे की वृद्धि सभी क्षेत्रीय रेलों में सबसे अधिक है. 2024-25 में पूर्व रेलवे की माल ढुलाई से होने वाली आय 9273.74 करोड़ रुपये दर्ज की गई, जो पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में अर्जित 7635.06 करोड़ रुपये की तुलना में 21.5% अधिक है. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ, पूर्व रेलवे माल परिवहन क्षेत्र में भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की दिशा में अग्रसर है.

परिंदों के लिए लगाए कृत्रिम घोंसले

सिलीगुड़ी : हर इंसान खुद के रहने के लिए बड़ी शिद्दत से आशियाना बनाता है. लेकिन बढ़ते औद्योगीकरण और जनसंख्या दबाव के कारण कॉलोनियों की हो रहे विस्तार में धड़ल्ले से जंगलों को काटा जा रहा है. जंगलों को काटने से पशु-पक्षियों के प्राकृतिक आवास खत्म होते जा रहे हैं. ऐसे में सिलीगुड़ी ट्वेल्व स्टेप फाउंडेशन ने एक ऐसा बीड़ा उठाया है जिससे विलुप्त हो रही पक्षियों को आसरा मिलेगा.ट्वेल्व स्टेप फाउंडेशन ने कृत्रिम घोंसलों को पेड़ों और थानों पर लगाने का काम शुरू किया है. यहां तक गर्मियों में पक्षियों के पीने के लिए पानी का इंतजाम भी कर रहा है. ताकि पक्षी जीवित रह सकें और पर्यावरण का संतुलन बनाए रख सकें. संगठन ने भविष्य में अन्य जगहों पर भी पक्षियों के घोंसले बनाने का निर्णय लिया है.

सीए छात्रों को बैंक ऑडिट की जटिलताओं और नियामक पहलुओं की दी गयी जानकारी

जमशेदपुर : बुधवार को आईसीएआई (द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया) की जमशेदपुर शाखा के अंतर्गत आनेवाली सीआईसीएएसए (सेंट्रल इंडिया चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स एसोसिएशन) द्वारा रूसी मोदी सेंटर फॉर एक्सीलेंस (आरएमसी) ऑडिटोरियम, जुबली पार्क में बैंक ऑडिट 2025 पर सेमिनार का आयोजन किया गया. जिसमें चार्टर्ड अकाउंटेंसी के छात्रों को बैंक ऑडिट की जटिलताओं और नियामक पहलुओं की महत्वपूर्ण जानकारी दी गयी. इसका लाभ शहर के लगभग 100 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स स्टूडेंट्स ने उठाया. इसका नेतृत्व कोलकत्ता से आए प्रतिष्ठित सीए (डॉ.) तुलसी राम टिबरेवाला ने किया, जो लेखा परीक्षा और वित्त के क्षेत्र में एक प्रसिद्ध विशेषज्ञ हैं. उन्होंने अनुपालन, जोखिम मूल्यांकन और बैंक ऑडिट में तकनीकी विकास के महत्व पर जोर दिया. उन्होंने कहा कि बैंक ऑडिट केवल अनुपालन के बारे में नहीं है; यह वित्तीय प्रणाली की स्थिरता सुनिश्चित करने के बारे में है. तकनीक लेखा परीक्षा को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और विश्वसनीय बना रही है. सीए चेतन अग्रवाल, सिकासा अध्यक्ष जमशेदपुर ब्रांच ऑफ़ आईसीएआई ने वक्ता और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए लेखा परीक्षा क्षेत्र में सतत शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया. सीए कौशलेंद्र दास (शाखा अध्यक्ष) ने कहा कि आज प्राप्त किया गया ज्ञान कल के ऑडिटर्स को आकार देगा, जिससे एक मजबूत और अधिक जवाबदेह वित्तीय क्षेत्र सुनिश्चित होगा. इसे सफल बनाने में सीए कौशलेंद्र दास, सीए चेतन अग्रवाल, सीए ऋषि अरोड़ा, सीए आनंद अग्रवाल का योगदान रहा.

न्यूज़ कॉर्नर

वोटर लिस्ट विवाद पर भाजपा की रैली को कलकत्ता हाईकोर्ट की सशर्त अनुमति

कोलकाता: पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रस्तावित रैली को कलकत्ता हाईकोर्ट ने शर्तों के साथ मंजूरी दे दी है. अदालत के आदेशानुसार, भाजपा समर्थकों को मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी कार्यालय से वाई चैनल तक रैली निकालने की अनुमति दी गई है. भाजपा ने अदालत से मांग की थी कि उन्हें मुरलीधर सेन लेन स्थित पार्टी कार्यालय से चुनाव आयोग के दफ्तर से 200 मीटर पहले तक रैली ले जाने की अनुमति दी जाए. इसके विपरीत, राज्य सरकार ने सुझाव दिया था कि रैली मुरलीधर सेन लेन से शुरू होकर सुबोध मलिक स्क्वायर तक जाए, और वहां से एक प्रतिनिधिमंडल आयोग के दफ्तर जाकर ज्ञापन सौंपे. हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुनाया कि रैली वाई चैनल तक जाएगी, जिसके बाद भाजपा का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग के दफ्तर जाकर अपनी मांगों को सौंपेगा. कोर्ट के आदेशानुसार, रैली शाम 4 बजे से 6 बजे तक आयोजित की जा सकेगी और इसमें अधिकतम हजार लोग शामिल हो सकते हैं.

विहिप ने राम नवमी जुलूस की अनुमति के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

कोलकाता: विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ में याचिका दायर कर पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के सालतोड़ा में राम नवमी के अवसर पर जुलूस निकालने की अनुमति मांगी है. विहिप का कहना है कि जिला पुलिस ने छह अप्रैल को प्रस्तावित इस जुलूस की अनुमति देने से इनकार कर दिया है. न्यायमूर्ति तिर्थंकर घोष की पीठ ने याचिका स्वीकार कर ली है और मामले की सुनवाई गुरुवार को होगी. विहिप के अनुसार, जिला पुलिस ने सालतोड़ा में जुलूस की अनुमति देने से इनकार करते हुए कहा है कि उसी दिन उसी स्थान पर अन्य जुलूस भी प्रस्तावित हैं. इस मुद्दे पर गुरुवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी, जहां राम नवमी के दो अन्य जुलूसों को लेकर पुलिस के इनकार पर भी चर्चा होगी. राज्य पुलिस ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी राम नवमी जुलूस में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को हथियार ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. इसी बीच, राज्य में इस मुद्दे पर राजनीतिक घमासान मच गया है. तृणमूल कांग्रेस के विधायक मदन मित्रा ने एक विवादास्पद बयान देते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति राम नवमी के नाम पर अशांति फैलाने की कोशिश करता है, तो वह बिना पिटे घर नहीं लौट पाएगा. उन्होंने कहा कि यदि आप इस पवित्र अवसर को बदनाम करने की कोशिश करेंगे, तो जनता आपको बिना सबक सिखाए घर नहीं जाने देगी. इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि अपनी ताकत दिखाने के लिए राम नवमी का दिन न चुनें. मित्रा के इस बयान पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद दिलीप घोष ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि पहले तृणमूल कांग्रेस नेता को सीधा खड़ा होना सीखना चाहिए, फिर इस तरह की धमकियां देनी चाहिए. उन्होंने कहा, मैं भी देखूंगा कि कौन मुझे घर में रहने के लिए मजबूर कर सकता है.

किडनी तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, आरोपितों की संपत्ति जब्त करने की तैयारी

कोलकाता: पुलिस ने किडनी तस्करी से जुड़े एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है. इस मामले में दो मुख्य आरोपितों, विकास घोष उर्फ शीतल और गुरुपद जाना उर्फ अमित की संपत्ति की जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. पुलिस ने दोनों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और उनकी तेजी से बढ़ी संपत्ति की जांच शुरू कर दी है. शीतल और अमित ने पिछले तीन-चार वर्षों में किडनी तस्करी के जरिए बेहिसाब संपत्ति अर्जित की. शीतल ने अशोकनगर में महंगे मार्बल से बना दो मंजिला मकान तैयार किया और लाखों रुपये के गहने खरीदे. उसकी कुल संपत्ति करोड़ों रुपये में आंकी गई है. वहीं, अमित ने पूर्व मेदिनीपुर में 50 लाख रुपये की जमीन खरीदी. पुलिस सूत्रों के अनुसार, यदि इन संपत्तियों का संबंध किडनी तस्करी से साबित होता है और आरोपित इसका सही हिसाब नहीं दे पाते, तो पुलिस उनकी संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर सकती है. फिलहाल, अशोकनगर थाना इस दिशा में कार्रवाई कर रहा है. इस मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी उस व्यक्ति को नोटिस भेजा है, जिसे किडनी प्रत्यारोपित की गई थी. इसके अलावा, अन्य राज्यों के किडनी प्राप्तकर्ताओं का भी पता लगाया गया है. पुलिस यह जांच कर रही है कि इन लोगों का गिरोह से कैसे संपर्क हुआ और किडनी खरीदने के लिए उन्होंने कितनी रकम चुकाई. सूत्रों के अनुसार, गिरोह विदेशों तक फैला हुआ था और वहां भी ग्राहक बनाए गए थे. पुलिस जल्द ही गिरफ्तार किए गए आरोपितों से पूछताछ कर इस नेटवर्क की पूरी जानकारी जुटाएगी. मंगलवार को पांच आरोपितों को अदालत में पेश किया गया, जहां से शीतल को दो दिन की न्यायिक हिरासत में और अमित समेत चार अन्य को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया. पुलिस ने इस गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों की तलाश भी तेज कर दी है. पुलिस की इस कार्रवाई से किडनी तस्करी के बड़े रैकेट का खुलासा हुआ है, जिससे इस गिरोह पर लगाम लगाने की उम्मीद जताई जा रही है.

12वीं कक्षा के अंग्रेजी का परिवर्तित पाठ्यक्रम डाउनलोड करके पढ़ना होगा : परिषद

कोलकाता: पश्चिम बंगाल उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद ने कक्षा 12 के अंग्रेजी पाठ्यक्रम में हुए मामूली बदलावों के लिए एक व्यावहारिक समाधान प्रस्तुत किया है. बारहवीं के छात्रों को नई अंग्रेजी पाठ्यपुस्तकें नहीं दी जाएंगी और उन्हें 11वीं कक्षा की पुस्तकों का ही उपयोग करना होगा. परिषद ने घोषणा की है कि परिवर्तित पाठ्यक्रम की सामग्री उनकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगी. छात्र इसे वहां से डाउनलोड कर सकते हैं और अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं. परिषद के अध्यक्ष चिरंजीव भट्टाचार्य के अनुसार, यह परिवर्तित पाठ्यसामग्री, जिसमें दो नई कहानियां और एक नाटक शामिल हैं, ऑनलाइन अपलोड की जाएगी, जिससे छात्रों को इसे प्राप्त करने में सुविधा होगी. हालांकि, यह समाधान सभी के लिए समान रूप से सुलभ नहीं हो सकता. कुछ छात्रों और शिक्षकों के लिए इंटरनेट की उपलब्धता या डाउनलोड करने की क्षमता एक चुनौती हो सकती है. अभिभावकों ने यह भी बताया कि बाजार में प्रकाशकों की सहायक पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिनमें नई कहानियां और नाटक शामिल हैं. यह एक वैकल्पिक रास्ता हो सकता है, लेकिन हर परिवार के लिए अतिरिक्त किताब खरीदना आर्थिक रूप से संभव नहीं है. ऐसे में, जो छात्र सहायक पुस्तकें नहीं खरीद सकते, उनके लिए वेबसाइट से सामग्री डाउनलोड करना ही प्राथमिक विकल्प रहेगा. इसके अलावा, परिषद या स्कूलों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए जा सकते हैं कि सभी छात्रों तक नई सामग्री पहुंचे. उदाहरण के लिए, स्कूल शिक्षकों को डाउनलोड की गई सामग्री की मुद्रित प्रतियां उपलब्ध कराने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं, ताकि जिनके पास इंटरनेट सुविधा नहीं है, वे भी प्रभावित न हों. यह शिक्षकों और अभिभावकों की चिंता को कम करने में मदद करेगा. संस्कृत की पुस्तकों के संबंध में, परिषद के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि ये किताबें इस महीने की शुरुआत तक बाजार में उपलब्ध होंगी. हालांकि, देरी के कारण छात्रों में असंतोष है, और यह सवाल बना हुआ है कि प्रकाशन प्रक्रिया को तेज करने के लिए और क्या किया जा सकता है.

भाजपा ने घोषित किये आठ और जिलाध्यक्षों के नाम

कोलकाता: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को आठ नए संगठनात्मक जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, अलीपुरद्वार, बहरमपुर, डायमंड हार्बर, हावड़ा ग्रामीण, मेदिनीपुर, बिष्णुपुर, बोलपुर और बीरभूम संगठनात्मक जिलों के अध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई है. इनमें से ध्रुव साहा को बीरभूम, श्यामपद मंडल को बोलपुर, सुजीत अगस्ती को बिष्णुपुर, देबाशीष सामंत को हावड़ा ग्रामीण, मलय महाजन को बहरमपुर, सोमा घोष को डायमंड हार्बर, समित मंडल को मेदिनीपुर और मिठू दास को अलीपुरद्वार का अध्यक्ष चुना गया है. इससे पूर्व गत 14 मार्च को 43 संगठनात्मक जिलों में से 25 के लिए जिलाध्यक्षों के नामों की घोषणा की गई थी.

रामनवमी पर सात दिनों के लिए पुलिस की छुट्टियां रद्द, अधिसूचना जारी

कोलकाता: पहली बार रामनवमी के अवसर पर आगामी 7 दिनों के लिए सभी पुलिस छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं. 2 अप्रैल से 9 अप्रैल तक सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द रहेगी. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस तरह के नोटिस दुर्गा पूजा या गंगासागर मेले के दौरान जारी किए जाते हैं. यदि कोई राजनीतिक कार्यक्रम या विशेष सभा हो तो सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी जाती हैं. लेकिन पहली बार रामनवमी से पहले बुधवार से लगातार सात दिनों के लिए सभी पुलिस कर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं. केवल अत्यंत आपातकालीन स्थिति में ही किसी पुलिस अधिकारी को छुट्टी दी जा सकती है, यदि विभाग ऐसा आवश्यक समझे. इसके अलावा सभी पुलिस कर्मियों को 9 अप्रैल तक यानी अगले सप्ताह के बुधवार तक लगातार काम करना होगा. इस रविवार को रामनवमी है. अन्नपूर्णा पूजा शनिवार को है. हालांकि, शुक्रवार से प्रत्येक मोहल्ले में रामनवमी जुलूस के इर्द-गिर्द छोटे-छोटे जुलूस निकलने शुरू हो जाएंगे. मूलतः, अगले सप्ताह रविवार से बुधवार तक पूरे राज्य में 2000 से अधिक रामनवमी जुलूस निकाले जाएंगे. खुफिया एजेंसियों ने पहले ही राज्य के नौ जिलों को विशेष अलर्ट पर रखा है. संबंधित जिले हैं - हावड़ा, हुगली, उत्तर 24 परगना, उत्तर दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बांकुरा, पश्चिम और पूर्वी मिदनापुर. राज्य पुलिस के एडीजी (कानून-व्यवस्था) जावेद शमीम, आईजी (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार और डीआईजी (प्रेसिडेंसी रेंज) आकाश मघारिया ने भबानी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर आम जनता से रामनवमी के अवसर पर किसी भी उकसावे में न आने की अपील की. कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने स्पष्ट किया है कि कोलकाता पुलिस रामनवमी जुलूस को लेकर विशेष सतर्क है. यदि कोई भी व्यक्ति गड़बड़ी फैलाने की कोशिश करेगा तो पुलिस सख्त कार्रवाई करने को मजबूर होगी. खुफिया रिपोर्टों में सुझाव दिया गया है कि प्रत्येक रामनवमी जुलूस को पहले से ही पुलिस द्वारा सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए. हावड़ा सहित उन जिलों में जुलूस मार्ग के किनारे विभिन्न घरों की छतों पर पुलिस कर्मियों को तैनात करने की सलाह दी गई है, जहां रामनवमी जुलूस के कारण गड़बड़ी हो सकती है. इतना ही नहीं, पुलिस को कैमरे भी रखने का सुझाव दिया गया है ताकि रामनवमी जुलूस के दौरान कोई गड़बड़ी होने पर उपद्रवियों की शीघ्र पहचान की जा सके. ड्रोन के माध्यम से निगरानी के अलावा, विभिन्न सड़कों पर यातायात बिंदुओं पर स्थापित क्लोज-सर्किट कैमरों से फुटेज एकत्र करने का भी सुझाव दिया गया है. कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा ने कहा कि कोलकाता पुलिस ने पहले ही विभिन्न हितधारकों के साथ बैठक की है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रामनवमी जुलूस के दौरान कोई गड़बड़ी न हो. उन्हें उम्मीद है कि रामनवमी जुलूस सुचारू रूप से संपन्न हो जाएगा. हालांकि, पिछले वर्ष के अनुभव के आधार पर, कोलकाता और हावड़ा पुलिस के साथ-साथ प्रत्येक जिले के राज्य पुलिस अधिकारी रामनवमी जुलूस के आसपास निगरानी में कोई भी कमी नहीं छोड़ना चाहते हैं. इस धार्मिक त्यौहार के दौरान शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए नबान्न के बाद से ही प्रत्येक जिले को पहले से ही चेतावनी दी गई है. इसलिए, दुर्गा पूजा और गंगासागर मेले की तरह रामनवमी के जुलूस के दौरान अशांति को रोकने के लिए सभी पुलिस छुट्टियों को 7 दिनों के लिए रद्द कर दिया गया है. इसका उद्देश्य एक ही धार्मिक कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि बंगाल की भूमि को कोई नुकसान न पहुंचे. अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं. इसलिए राज्य सरकार ने पुलिस अधिकारियों को रामनवमी जुलूस के दौरान किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश भी दिए हैं. हर जिले में पुलिस ने सजना-संवरना शुरू कर दिया है. हाल ही में बंगाल में ईद का त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया. इस बार रामनवमी जुलूस राज्य पुलिस बल के लिए बड़ी चुनौती है. इस बीच, विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी ने स्पष्ट कर दिया है कि रामनवमी के अवसर पर कम से कम 2,000 जुलूस निकाले जाएंगे. आम लोग सड़कों पर उतर आएंगे. इस कार्यक्रम में इतने लोग भाग लेंगे कि प्रशासन के लिए किसी भी नागरिक स्वयंसेवी पुलिस बल के साथ इसे संभालना मुश्किल हो जाएगा. पूरे शहर में पोस्टर और बैनर लगाने का कार्यक्रम शुरू हो गया है. रामनवमी जुलूस की उल्टी गिनती जोरों पर शुरू हो गई है. पूरे देश की नजर इस बात पर है कि क्या राज्य का पुलिस बल, जो दुर्गा पूजा के दौरान यातायात को संभालने में सक्षम नहीं है, रामनवमी के जुलूस और कार्यक्रमों को बिना किसी परेशानी के संपन्न करा पाता है. बांग्लादेश में वर्तमान स्थिति को देखते हुए, राज्य और कोलकाता पुलिस इस वर्ष रामनवमी जुलूस के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था बना रही है.

रामनवमी की शोभायात्रा में शस्त्र ले जाने की इजाजत नहीं

कोलकाता: कोलकाता में रामनवमी की शोभायात्रा में हथियार ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी. कोलकाता पुलिस के आयुक्त मनोज वर्मा की ओर से जारी निर्देशिका में कहा गया है कि यदि शोभायात्रा में कोई भी व्यक्ति हथियार लेकर शामिल होगा तो उसके खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी. पुलिस आयुक्त ने सभी पुलिस थानों के ओसी को निर्देश देते हुए कहा कि कोलकाता शहर में लंबे समय से डीजे पर प्रतिबंध लगा हुआ है. इसलिए इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि रामनवमी की शोभायात्रा के दौरान डीजे न बजाया जाए. मोटरसाइकिल पर रामनवमी की शोभायात्रा नहीं निकाली जा सकेगी. यदि कोई भी व्यक्ति जबरदस्ती मोटरसाइकिल पर सवार होकर शोभायात्रा में शामिल होने की कोशिश करेगा तो उसे जब्त कर लिया जाएगा. मनोज वर्मा के निर्देश के बाद, रामनवमी जुलूस के आयोजकों को विशिष्ट पुलिस थानों में बुलाया गया और उन्हें कलकत्ता उच्च न्यायालय के दिशा-निर्देश दिए गए हैं.

बेलघरिया में तृणमूल नेता की गोली मारकर हत्या

कोलकाता : तृणमूल नेता इनायतुल्ला उर्फ रोहन (38) का शव सुबह सात बजे कमरहाटी नगरपालिका के वार्ड 35 के बेलघरिया राजीव नगर इलाके में मिला. ऐसा संदेह है कि पिछले मंगलवार की देर रात जब वह अपने घर के पास शराब पी रहे थे, तभी पीछे से गोली मारकर उनकी हत्या कर दी गई. सुबह जब स्थानीय लोगों ने उसे देखा तो उसे सागरदत्त मेडिकल कॉलेज व अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. बेलघरिया पुलिस स्टेशन से बड़ी संख्या में पुलिस बल घटनास्थल पर मौजूद था. पुलिस को पता चला है कि रोहन इलाके में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस का सक्रिय सदस्य था और वार्ड नंबर 35 में विभिन्न जगहों पर पार्टी का प्रचार करता था. हालांकि, पुलिस इस बात की तलाश कर रही है कि शराब पार्टी में रोहन के साथ और कौन-कौन था. पुलिस इस घटना में अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है. इलाके में तनाव के कारण पुलिस ने नाकाबंदी कर दी है. हालांकि, स्थानीय सूत्रों का मानना है कि यह हत्या प्रमोटरों और भूमि दलालों के बीच शेयरों के बंटवारे को लेकर हुए विवाद का नतीजा थी. पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. बेलघरिया थाना पुलिस ने पूरी घटना की जांच शुरू कर दी है.

अदालत ने भाजपा नेता अर्जुन सिंह को दंडात्मक कार्रवाई से मौखिक संरक्षण प्रदान किया

कोलकाता : कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अर्जुन सिंह की एक याचिका पर विचार करते हुए बुधवार को मौखिक रूप से पुलिस से कहा कि बृहस्पतिवार को होने वाली अगली सुनवायी तक वह उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करे. सिंह ने अपनी इस याचिका में बम विस्फोट के एक मामले में अपने खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया है. सिंह के वकील ने अदालत से गिरफ्तारी से संरक्षण और मामले के संबंध में पूर्व सांसद के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया. बैरकपुर अदालत ने पिछले सप्ताह उत्तर 24 परगना जिले के भाटपारा में भाजपा नेता सिंह के घर के पास फेंके गए बम के मामले में उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश मंगलवार को दिया था. न्यायमूर्ति सेनगुप्ता ने कहा कि सिंह की याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवायी की जाएगी. उन्होंने मौखिक रूप से पुलिस से कहा कि तब तक बैरकपुर लोकसभा क्षेत्र से पूर्व भाजपा सांसद के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न की जाए.

पूर्व जादवपुर में वृद्ध दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

कोलकाता: पूर्व जादवपुर थाना इलाके के मुकुंदपुर में बुधवार को तब हड़कंप मच गया जब पुलिस ने यहां के इमारत के कमरे से एक वृद्ध दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में शव पाया. प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का बताया जा रहा है, लेकिन कई सवाल खड़े हो रहे हैं. मृतकों की बेटी ने अपने भाई और भाभी पर हत्या का आरोप लगाया है, जिससे मामला और उलझ गया है. दंपति की पहचान 65 वर्षीय दुलाल पाल और 58 वर्षीय रेखा पाल के रूप में हुई है. पुलिस के अनुसार, दुलाल का शव घर के डाइनिंग रूम में फंदे से लटका मिला, जबकि उनकी पत्नी रेखा का शव बेडरूम में झूलता पाया गया. घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है. परिवार की विवाहित बेटी ने जब अपने माता-पिता को फोन किया और कोई जवाब नहीं मिला, तो उन्होंने पड़ोसियों से घर जाकर देखने को कहा. तभी यह चौंकाने वाली घटना सामने आई. दंपति अपनी बहू और बेटे के साथ ही मुकुंदपुर के इस घर में रहते थे. बेटी का आरोप है कि उसके माता-पिता की हत्या उसके भाई सौरव पाल और उसकी पत्नी कल्याणी मंडल ने की है. सौरव पेशे से एक फिजियोथेरेपिस्ट है, जबकि उसकी पत्नी एक निजी कंपनी में काम करती है. बेटी का दावा है कि मंगलवार रात भी उसके माता-पिता के साथ मारपीट की गई थी और पड़ोसियों ने घर से झगड़े की आवाजें सुनी थीं. मामले की जांच कर रही पुलिस के सामने कई सवाल हैं. अगर यह आत्महत्या थी, तो शव अलग-अलग कमरों में क्यों मिले? क्या पहले किसी एक की हत्या कर बाद में इसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई? सुसाइड नोट किसने लिखा? इन सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. फिलहाल, पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. वहीं, घटना के बाद से बेटा और बहू लापता हैं, जिनकी तलाश की जा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह आत्महत्या थी या सुनियोजित हत्या.

दक्षिण 24 परगना में अवैध पटाखा कारोबार पर बड़ी कार्रवाई

बजबज-नोदाखली से भारी मात्रा में पटाखे बरामद

कोलकाता: पाथरप्रतिमा के ढोलाहाट थाना क्षेत्र में अवैध पटाखा फैक्ट्री में हुए विस्फोट के बाद पुलिस एक्शन में आ गई है. इस विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई थी. घटना के बाद जिले में पुलिस ने सघन तलाशी अभियान शुरू कर दिया है. इस दौरान अलग-अलग इलाकों से तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है और भारी मात्रा में अवैध पटाखे और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है. डायमंड हार्बर पुलिस जिले के नोदाखली थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में छापेमारी कर दासपाड़ा से सौम्यदीप दास नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया. उसके पास से 46 किलोग्राम पटाखा बनाने की सामग्री और अन्य सामान बरामद हुए. वहीं, बजबज थाना क्षेत्र के चिंगड़ीपोता इलाके में भी छापेमारी कर पुलिस ने 40 किलोग्राम अवैध पटाखे जब्त किए. इसी तरह, महेशतला थाना क्षेत्र के पुटखाली बलरामपुर इलाके में भी छापेमारी कर 62 किलोग्राम पटाखे बरामद किए गए और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया. पुलिस सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपितों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में विस्फोटक अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है. आरोपितों को बुधवार को अलीपुर अदालत में पेश किया गया. डायमंड हार्बर जिला पुलिस का कहना है कि जिले में जहां-जहां अवैध पटाखा उद्योग चल रहा है, वहां इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी. इस बीच, पाथरप्रतिमा में हुए विस्फोट को लेकर इलाके में अब भी दहशत का माहौल बना हुआ है. विस्फोट स्थल को पुलिस ने घेर रखा है. घटना के बाद से ही पटाखा फैक्ट्री के मालिक चंद्रकांत बनिक और तुषार बनिक फरार थे. मंगलवार को पुलिस ने चंद्रकांत बनिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की और देर रात उसे गिरफ्तार कर लिया. तुषार बनिक की तलाश जारी है.

बारासात जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को मिला बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल, मचा हडकंप

कोलकाता: बारासात जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को मिला बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने के बाद हडकंप मच गया है. पुलिस के खोजी कुत्ते घटनास्थल पर हैं और सभी क्षेत्रों की जांच कर रहे हैं कि कहीं कोई बम तो नहीं रखा गया है. इमारत के अंदर हर जगह कारों की जाँच की जा रही है. मेल में बताया गया है कि जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में बम रखा गया है. जिला पुलिस अधीक्षक ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है. जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रवेश के लिए सुरक्षा व्यवस्था पहले ही कड़ी कर दी गई है. पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस घटना की प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और ईमेल की जांच की जाएगी.

दवा की कीमतों में वृद्धि के खिलाफ ममता बनर्जी ने की आंदोलन की घोषणा

कोलकाता: केंद्र सरकार के अधीन 'नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी' (एनपीपीए) ने 1 अप्रैल से देशभर में 748 आवश्यक दवाओं की कीमतों में वृद्धि को मंजूरी दी है. इस फैसले के खिलाफ पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कड़ा विरोध जताते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की है. ममता ने बुधवार को नवान्न में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 4 और 5 अप्रैल को राज्य के हर ब्लॉक और वार्ड में तृणमूल कांग्रेस इस फैसले के खिलाफ सभा और रैलियां करेगी. उन्होंने आम जनता से भी अपने-अपने स्तर पर इस मूल्यवृद्धि के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की. 748 दवाओं की नई कीमतें मंगलवार से लागू हो चुकी हैं. एनपीपीए ने इनकी 'अधिकतम खुदरा मूल्य' (एमआरपी) में 1.74 प्रतिशत की वृद्धि को मंजूरी दी है. इस सूची में कोलेस्ट्रॉल, ब्लड प्रेशर, बुखार और अन्य आवश्यक बीमारियों की दवाएं शामिल हैं. यहां तक कि आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली पैरासिटामोल भी महंगी हो गई है. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के इस फैसले से देश और राज्य के गरीब और मध्यमवर्गीय लोग सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे. उन्होंने कहा कि कुछ दवाओं की कीमत 31.8 प्रतिशत तक बढ़ी है, जबकि कुछ की कीमतें 115.8 प्रतिशत तक बढ़ा दी गई हैं. उन्होंने चिंता जताई कि जो लोग निजी अस्पतालों में महंगा इलाज नहीं करवा सकते, उनके लिए ये दवाएं जीवनरक्षक हैं.

पाथरप्रतिमा विस्फोट मामले में फैक्ट्री मालिक को सात दिन की पुलिस हिरासत

भीषण हादसे के बाद चंद्रकांत बनिक मानसिक ट्रॉमा जैसे हालात में

कोलकाता: दक्षिण 24 परगना जिले के पाथरप्रतिमा इलाके में हुए भयावह पटाखा विस्फोट मामले में पुलिस ने पटाखा फैक्ट्री मालिक चंद्रकांत बनिक को आज गिरफ्तार कर लिया है. वैसे स्थानीय लोगों की माने तो बनिक को पुलिस ने मंगलवार को ही दबोच लिया था. फैक्ट्री मालिक चंद्रकांत बनिक को काकद्वीप कोर्ट में बुधवार को पेश करने पर कोर्ट ने उसे सात दिन के लिए पुलिस हिरासत में रखने का निर्देश दिया है. बता दे कि जैसे ही आरोपी को पुलिस वैन से बाहर निकाला ताकि काकद्वीप अदालत में पेश किया जा सके, मीडिया कर्मियों ने उससे एक के बाद एक सवाल पूछना शुरू कर दिया. सवाल पूछे गए कि, क्या आपके पास लाइसेंस था? आपने घर पर पटाखे क्यों जमा कर रखा था? लेकिन धोलाहाट पटाखा कारखाने में विस्फोट की घटना में गिरफ्तार चंद्रकांत बानिक सवालों का कोई जवाब नहीं दे सका. उसके आंखों में आंसू सूख रहे थे और मुंह से लगातार अजीब सी बुदबुदाहट की आवाज़ आ रही थी. चंद्रकांत के कथित तौर पर इस तरह का व्यवहार पर वहां मौजूद लोगों का मानना है कि चंद्रकांता बनिक मानसिक आघात में है. कारण उसका पूरा परिवार एक झटके में उजड़ गया है. मामले पर एक मनोरोग विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसा हो सकता है. अगर किसी के घर के 8 लोग मर जाए तो आदमी मानसिक ट्रॉमा में हो सकता है. बहरहाल चंद्रकांत का भाई तुषार बनिक अब भी फरार है, जिसकी तलाश जारी है.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रूपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं. 4563-जीआरसी-सीई-सी-एचक्यू-11-2025, भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मुख्य अभियंता (निर्माण)/मुख्यालय/गार्डन रीच द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निम्नलिखित निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर अपलोड कर दी गई है। **कार्यों का संक्षिप्त विवरण:** ब्रिज सं. 57 (डाउन और मिडिल) और 57 (अप और चौथा) का पूर्ण पुनर्निर्माण जिसमें वायाडक्ट पर कोलाघाट स्टेशन शामिल है और ब्रिज सं. 58 और 59 (सभी 4 लाइनों) का पुनर्निर्माण, जिसमें एप्रोच शामिल है और ब्रिज सं. 51 (डाउन और मिडिल) का पुनर्निर्माण जिसमें इंजीनियरिंग, क्रय और निर्माण (ईपीसी) आधारित पर एप्रोच शामिल है, के लिए परियोजना प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने हेतु प्राधिकरण इंजीनियर की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) (ईपीसी अनुबंध के लिए)। **अनुमानित मूल्य:** रु.9.55 करोड़। **बोली प्रतिभूति:** रु.6,27,400/-, **सेवाओं के समापन के लिए अनुमानित अवधि:** निर्माण अवधि के लिए 36 माह एवं डिफेक्ट्स लायबिलिटी अवधि के लिए 24 माह। **अंतिम तिथि:** दिनांक 08.05.2025 को 12.00 बजे तक (आईएसटी)। **बोली पूर्व बैठक:** 15.04.2025, समय: 12.00 बजे। **स्थान:** मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) का कार्यालय, 11, गार्डन रीच रोड, कोलकाता-700043, इच्छुक निविदाकार निविदा के संपूर्ण विवरण/वर्णन/विनिर्देश के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देख सकते हैं एवं अपनी बोली ऑनलाइन जमा करें। किसी भी परिस्थिति में इन मदों के लिए मैनुअल निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएंगी। **द्रष्टव्य:** "प्रत्याशित बोलीदाता सभी अन्य निविदाओं में भाग लेने के लिए, **www.ireps.gov.in** नियमित रूप से देख सकते हैं।" **(PR-12)**

न्यूज कॉर्नर

निर्विरोध चुने गए उप मुखिया निशांत

युवा शक्ति दैनिक/ ब्यूरो चीफ

भोजपुर/ पीरो: भोजपुर जिले के पीरो प्रखंड के नारायणपुर पंचायत मे निर्विरोध निशांत कुमार उपाध्याय को उप मुखिया चुन लिया गया एवं उनको नारायणपुर पंचायत के मुखिया पद का प्रभार दिया गया, पीरो प्रखंड के शहीद भवन में नारायणपुर पंचायत के वार्ड सदस्यों की उपस्थिति में निर्वाचि पदाधिकारी सुनील कुमार गौतम ने निशांत कुमार उपाध्याय को उप मुखिया के चुनाव जीतने पर प्रमाण पत्र प्रदान किया. पंचायत नारायणपुर पंचायत के उपमुखिया के विरुद्ध पारित अविश्वास प्रस्ताव के बाद रिक्त उपमुखिया के पद पर निशांत कुमार उपाध्याय को चुना गया एवं पंचायत के खाली पड़े मुखिया का विधिवत रूप से प्रभार सौंपा गया,16 वार्ड सदस्य वाले पंचायत में 11 वार्ड सदस्यों ने अपना वोट देकर निशांत को उपमुखिया बना दिया. मुखिया एवम उपमुखिया के पद रिक्त होने के बाद पिछले कई महीने से विकास का काम बाधित था वही आज चुनाव में जीत के बाद शहीद भवन से निकलते ही समर्थकों ने फूल मालाओं से लाद दिया एवम जीत से उत्साहित समर्थकों ने होली और दीवाली एक साथ मनाई. वही जीत के बाद बातचीत के क्रम मे प्रभारी मुखिया निशांत कुमार उपाध्याय ने बताया कि काफी दिनों से पंचायत में विकास का कार्य ठप था वही आज उन्होंने विधिवत रूप से उप मुखिया का चुनाव जीत लिया है और मुखिया का पदभार भी उन्होंने ग्रहण किया है जिसमें हमारे सभी पंचायत के समस्त जनता का आशीर्वाद और सभी वार्ड सदस्यों का योगदान है. वही अब पंचायत में बंद पड़े विकास कार्यों को नए सिरे से चालू कराया जाएगा और पंचायत को पूरे प्रखंड में सबसे विकसित पंचायत बनाया जाएगा क्योंकि यह पंचायत अभी विकास के मामले में काफी पिछड़ा हुआ है. किसानो की समस्या सिंचाई से लेकर बिजली और पानी तक की समस्या का समाधान त्वरित तरीके से कराया जाएगा. वही गली नाली सड़क से लेकर पंचायत में लाइट की व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाएगा एवं पंचायत को मॉडल पंचायत बनाएंगे. मौके पर उपस्थित लोगों में नवीन उपाध्याय, रवि पांडे, अजीत पांडे, शाश्वत सिंह, परमजीत सिंह, छोटू सिंह, बबलू उपाध्याय, चिंटू राय, अरविंद सिंह, कृष्ण यादव, मनोज सिंह समेत सैकड़ो की संख्या में लोग उपस्थित है.

मां कुष्मांडा की अराधना से सुख प्राप्त होता है

युवा शक्ति दैनिक/ब्यूरो चीफ

आरा : नवरात्र के चौथे दिन मां कुष्मांडा की पुजा होती है, इनके अराधना से भौतिक सुख प्राप्त होता है,भगवान शिव कहते हैं कि पार्वती हीं कुष्मांडा है. इनके स्मरण करने पर सब प्राणियों का भय हर लेती हैं और स्वस्थ पुरुषों द्वारा चिन्तन करने पर परम कल्याणमयी बुद्धि प्रदान करती हैं. इनका मंत्र जाप देवी का कवच हीं है,जो गोपनीय से गोपनीय,पवित्र तथा सम्पूर्ण विश्व का उपकार करने वाला है, पाठ के माध्यम से महंत सुमन बाबा ने दरबार में आये हुए भक्तों को बताया कि आज प्रातः से पंचमी तिथी आने के कारण मां के पांचवा रूप स्कन्द माता का भी है जब देव और दानव के बीच संग्राम हुआ तब देवताओं की रक्षा कर विजयी बनाया था. छान्दोग्यश्रुती के अनुसार भगवती की शक्ति से उत्पन्न हुए सनत्कुमार का नाम स्कन्द है,उनकी माता होने से वो स्कन्द माता कहलाती हैं,संध्या आरती के आज के मुख्य यजमान डाक्टर मनोज कुमार सिंह,रोटी बैंक कुमार मोहित,महावीर मंदिर के संरक्षक सदस्य ठाकुर राजकिशोर सिंह,मधुसूदन वर्मा.कोषाध्यक्ष संजय राय, रामचंद्र प्रसाद,गोलूबाबा,उर्मिला सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे.

नित्यानंद कमिटी के अध्यक्ष व सुजीत रंजन मुखर्जी महानगर कमिटी के अध्यक्ष मनोनीत

धनबाद:झारखण्ड बांग्ला भाषा उन्नयन समिति बांग्ला समाज के युवा शक्ति को एक जुट करने की क़ायद में जुट गई है.इसी परिपेक्ष्य में बुधवार को समिति द्वारा धनबाद महानगर कमिटी के साथ -साथ प्रदेश युवा कमिटी का गठन किया गया.सर्व सम्मति से नित्यानंद मंडल को प्रदेश युवा कमिटी का अध्यक्ष तथा तमाल रॉय को प्रदेश महामंत्री एवं मनोनीत किया गया.झारखण्ड उन्नयन समिति के प्रदेश अध्यक्ष बेंगु ठाकुर ने बताया कि समिति 15 अप्रैल के बाद करकेंद में युवाओं का विशाल सम्मेलन कराने जा रही है.उन्होंने कहा कि पुरे झारखण्ड में हमारी आबादी 1.20 करोड़ है.दुर्भाग्य है कि बांग्ला भाषा भाषी को सम्मान नहीं मिल रही है.बांग्ला में पठन पाठन बांग्ला शिक्षक की नियुक्ति की मांग आजतक पूरी नहीं हुई. देश की आजादी में नेताजी सुभाष चंद्र बोस का अहम योगदान रहा.दुर्भाग्य है कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती 23 जनवरी को राष्ट्रीय अवकाश की घोषणा नहीं की जा रही है.इस मांग को लेकर 23 जनवरी से समिति बड़ा आंदोलन करेगी.

आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा देने को लेकर चर्चा

उधवा : प्रखंड के दक्षिण पियारपुर पंचायत में संचालित जामिया गफुरीया मदरसा में आधुनिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने को लेकर मंगलवार के शाम मदरसा प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई. बैठक में क्षेत्र के मौलाना,अनुभवी शिक्षक, प्रोफेसर, बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि आदि शामिल हुए. इस दौरान उपस्थित लोगों ने अपनी- अपनी बातों को रखा. बैठक के दौरान मदरसा के सेक्रेटरी मंसूर आलम ने कहा कि हमारा मदरसा पिछले 45 वर्षों से चल रहा है. यहां वास्तनीया तक की शिक्षा दिया जा रहा है. मदरसा में रियायती तालीम के साथ साथ दीनी तालिम भी दी जाएगी. कहा कि नए सत्र से मदरसा में मॉडर्न एजुकेशन दिया जाएगा. कहा कि भविष्य में इस मदरसा से डॉक्टर,इंजीनियर तक पढ़ाई होगी. इस दौरान मौलाना हफीजुर्रहमान ने बताया कि मदरसा में नया सेशन में हिंदी, अंग्रेजी, गणित,ईवीएस,एसएसटी विषय की शिक्षा दी जाएगी. साथ ही एक्टिविटी व खेलकूद व कंप्यूटर विज्ञान की शिक्षा दी जाएगी. मौके पर मुखिया संघ के अध्यक्ष सहीदुल रहमान,प्रोफेसर नसीब अहमद, शिक्षक शमशाद अहमद,सईद आलम,डॉ. सफीक आलम,रफीकुल आलम,तौहीद आलम, हबीबुर रहमान सहित दर्जनों लोग मौजूद थे.

बेगूसराय में हथियार के साथ दो कुख्यात अपराधी गिरफ्तार

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : लोहिया नगर थाना को बीते मंगलवार की रात्रि जिला आसूचना ईकाई बेगूसराय के माध्यम से एक सूचना मिली की 02 अपराधकर्मी हथियार के साथ मोटरसाईकिल से मंझौल से बेगूसराय की तरफ जा रहे है,

जिसमें एक ईनामी अपराधकर्मी संजीत महतो भी है. प्राप्त सूचना वरीय पुलिस पदाधिकारी को दिया गया तथा निर्देशानुसार अविलंब लोहिया नगर थानाध्यक्ष, सशस्त्र बल लोहिया नगर थाना एवं जिला आसूचना ईकाई बेगूसराय व चीता बल के द्वारा सूचनानुसार आनंदपुर के आसपास वाहन चेकिंग लगाया गया थोड़ी ही देर में एक मोटरसाईकिल पर सवार 02 व्यक्ति मंझौल की तरफ से आ रहे थे, जो अचानक पुलिस चेकिंग को देखकर मुख्य सड़क को छोड़कर आनंदपुर सड़क की ओर भागने लगे जिसे पुलिस टीम के द्वारा खदेड़कर पकड़ा गया. पुलिस टीम के द्वारा पकड़ाये दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर अपना-अपना नाम 01. संजीत महतो पिता-टुनलाल महतो ग्राम-मक्खाचक थाना-बखरी जिला-बेगूसराय 02. प्रियदर्शी कुमार यादव उर्फ दर्शन पिता -स्वर्गीय अरूण कुमार राय ग्राम लैलजी चैता थाना अंगार घाट जिला-समस्तीपुर बताया.

विधिवत तलाशी में 02 देशी कट्टा, 03 जिंदा कारतूस, 03 मोबाईल, एक बैग में 3.1 किलोग्राम गांजा जैसा पदार्थ, 01 जियो कंपनी का राउटर, 01 आधार कार्ड, 01 ड्राइविंग लाईसेंस एवं 01 मोटरसाईकिल बरामद हुआ.

बरामद सभी सामानों को विधिवत जप्त करते हुये पकड़ाये दोनों अपराध कर्मियों को गिरफ्तार किया गया. विधिसम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है.

गिरफ्तार दोनों अपराधी के खिलाफ बखरी और फुलवारी शरीफ थाना में अनेक आपराधिक मामला दर्ज है.

दो मोटरसाइकिल के आपस में टकराने से एक की मौत व दो घायल

तालझारी : प्रखंड जिरवाबाडी थाना क्षेत्र के जेल गेट के समीप बिते मंगलवार की सुबह दो मोटरसाइकिल आपस में टकराने से एक मोटरसाइकिल में तीन युवक सवार जिसमें एक युवक की मौत व दो युवक घायल हो गया.घायल युवक करणपुरा निवासी मो राजा अंसारी 24 वर्ष ने बताया कि मंगलवार की सुबह मो बिलाल 24 वर्ष, मो राज 15 वर्ष करणपुरा अपने घर से सदर अस्पताल पेट में दर्द था जिसका इलाज कराने के लिए मोटरसाइकिल से जा रहा था, अचानक मंडल कारा साहिबगंज गेट के समीप मंडल कारा की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल आमने-सामने से टक्कर हो गया. बताया जा रहा है कि उक्त मोटरसाइकिल किसी पुलिस वाला का था. आमने-सामने टक्कर होने से सड़क पर ही गीर गया. उक्त समय मो बिलाल को अंदुरूनी गंभीर चोटें आई, परन्तु उस वक्त उसे कुछ महसूस नहीं हुआ. लोगों ने आनन फानन में घायल मो राजा अंसारी एवं मो राज का इलाज सदर अस्पताल में कराया, जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए मो राज को बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर कर दिया. वहीं कुछ समय के बाद मो बिलाल को पेट में दर्द होने लगा, तब जाकर उनको इलाज के लिए सूर्या नर्सिंग होम ले जाया गया. जहां वहां के डाक्टर द्वारा पहले इलाज के लिए रूपए जमा करने को कहा. जहां कुछ रूपए कम रहने के कारण इलाज नहीं हो पाया. जहां परिजनों ने मो बिलाल का गंभीर स्थिति को देखते हुए एम्बुलेंस से इलाज के लिए भागलपुर ले जाने के क्रम में भागलपुर मायागंज गेट के पास मो बिलाल का मौत गया. मृतक के पिता मो. नईम ने प्रशासन से गुहार लगाते हुए उचित कार्रवाई करने को कहा.परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

शिक्षाविद चंद्रदेव झा के श्राद्धकर्म पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित

मंसूरचक/बेगूसराय(युवा शक्ति ब्यूरो) : मंसूरचक प्रखंड क्षेत्र के साठा गांव निवासी शिक्षाविद प्रखर प्रवक्ता 75 वर्षीय स्व.चंद्रदेव झा के श्राद्धकर्म पर मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई. तैलचित्र पर स्थानीय प्रखंड के अनेक जनप्रतिनिधियों एवं अन्य लोगों के द्वारा पुष्पांजलि अर्पित की गई. सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा के दौरान स्वर्गीय चंद्रदेव झा के तैलचित्र के समक्ष उनकी आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से प्रार्थना की गई. साथ ही कार्यक्रम के उपरांत उनके कृतित्व पर प्रकाश डालते हुये याद किया. उनके मृदुल स्वभाव एवं हर समय दूसरों की सेवा में तत्पर रहने की प्रवृत्ति ने आज उनकी याद में सबकी आंखें नम कर दिया. उक्त मौके पर बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता,ज्येष्ठ पुत्र अजीत कुमार झा, मिन्टू कुमार, डा.शंभू झा,सिन्टू कुमार,निरज झा, पूर्व डीएसपी सुनील कुमार, मंसूरचक थानाध्यक्ष रोहित गुप्ता, बछवाड़ा थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, भाजपा नेता विरेन्द्र झा, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुभाष कुमार, पार्श्व गायक विजय कपूर, पूर्व मुखिया श्रीराम राय, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी सुनील कुमार राय,सीओ हर्ष कुमार मोर्य,सत्यसंध भारद्वाज,देव नीति राय, रंजना लता, उमेश कुंवर,धीरज झा, गंगा झा, बिसंभर झा, मनीष पाठक आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित किया .

किराना दुकानदार के घर से जहरीला कोबरा बरामद

मालदा : ओल्ड मालदा के नवाबगंज इलाके में मंगलवार देर रात एक किराना दुकानदार के घर से एक जहरीला कोबरा बरामद किया गया. घटना को लेकर पुरे इलाके में उत्तेजना का माहौल है. ज्ञात हुआ कि यहाँ शंकर साहा नामक किराना व्यापारी का मकान है. उसके घर पर राजमिस्त्री का काम शुरू हो गया है. शंकर साहा ने हर दिन की तरह रात में खाने के बाद घर की छत पर गए. वहां उन्होंने सांप को देखा. घटना के प्रकाश में आने के बाद परिवार के सदस्य भयभीत हो गए. यह खबर सर्प विशेषज्ञ निताई हालदार तक पहुंची, जो तुरंत घर आए और सांप को बचाया. निताई हालदार ने बताया कि परिवार के लोगों ने मुझे इसकी सूचना दी और मैं सांप को बचाने के लिए दौड़ा.

बरहेट,सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का विजिट किया

साहिबगंज : बुधवार को डॉ सत्ती बाबू डाबडा जिला भीबीडी सलाहकार साहिबगंज के द्वारा मलेरिया के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरहेट, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंडरों विजिट किया गया.जिसमे उक्त स्वास्थ्य केन्द्रो में मलेरिया के समुचित ईलाज एवं रोकथाम से सम्बंधित जानकारी लिए. साथी ही मलेरिया के रोकथाम एवं त्वरित ईलाज हेतु सूक्ष्म कार्ययोजना बना कर सभी पहाड़ी क्षेत्रों में प्रत्येक दिन स्वास्थ्य शिविर, मलेरिया मास सर्वे एवं घर घर फीवर सर्वे करने का निर्देश दिए.सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बोरियों में ईलाज चल रहे एक गर्भवती महिला जो मलेरिया धनात्मक है का हाल चाल जाने एवं स्वास्थ्य सम्बंधित जानकारी लिए! प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र मंडरों में आईआरएस प्रथम चक्र कीटनाशी छिड़काव का मॉनिटरिंग भी किया गया एवं छिड़काव से सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए गुणवत्तापूर्ण छिड़काव करवाने को कहा गया.इस मौके पर डॉ रोहित कुमार गोंड चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ बिनोद कुमार चिकित्सा पदाधिकारी, बिष्णु कुमार भगत बीपीएम, मनोहर पंडित, फ्रांसिस टुडू, रंजन कुमार, मिठू कुमार, प्रमोद तुरी, मनीष कुमार फार्मासिस्ट आदि स्वास्थ्य कर्मी मौजूद थे.फोटो प 3

रामनवमी पर राम पूजा का होगा आयोजन

बालुरघाट : रामनवमी के अवसर पर बालुरघाट ब्लॉक के पारंपरिक बोल्हा इलाके में पहली बार राम पूजा का आयोजन किया गया है. बुधवार को श्री राम सेवा संघ द्वारा आयोजित ध्रुव पूजन के साथ महोत्सव की आधिकारिक शुरुआत हुई.आयोजको की ओर से शुवो प्रमाणिक ने कहा कि पारंपरिक धर्म बोल्हा के सभी अनुयायी इस महान पहल के लिए एकजुट हुए हैं. पहली बार आयोजित हो रही है.

साली के साथ यौन अपराध करने वाला जीजा गिरफ्तार

बलिया/बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : बलिया थाना अंतर्गत ग्राम भगतपुर में एक युवती के साथ हुई यौन अपराध मामले में संलिप्त आरोपी को पुलिस टीम के द्वारा ग्राम भगतपुर बलिया से किया गिरफ्तार कर लिया गया है. बलिया थाना को बीते रात्रि एक सूचना मिली की ग्राम भगतपुर में एक युवती के साथ उसके घर में चचेरा जीजा के द्वारा यौन अपराध की घटना की है. प्राप्त सूचना पर अविलंब बलिया थाने के पुलिस पदाधिकारी एवं सशस्त्र बल बलिया थाना के द्वारा सूचनानुसार ग्राम भगतपुर स्थित स्थल के पास पहुँचकर मामलें की जाँच / पड़ताल की.

आसपास उपस्थित स्थानीय लोगों एवं उपस्थित परिजनों से पुछताछ करने पर बताया गया की पीड़ित युवती दिनांक-01.04.25 को समय करीब-08:00 बजे (झच्) में घर पर थी उसी दौरान चचेरा जीजा रंजन पासवान पिता-बसंत पासवान ग्राम-पसराहा थाना-पसराहा जिला-खगड़िया के द्वारा घर पर पहुँचकर उसके साथ जबरदस्ती यौन अपराध किया गया. तत्पश्चात पुलिस टीम के द्वारा पीड़ित युवती का ईलाज / मेडिकल जाँच कराने हेतु महिला पुलिस पदाधिकारी के साथ सदर अस्पताल, बेगूसराय भेजा गया. बेगूसराय के एसपी मनीष ने घटित घटना को गंभीरता से लेते हुये निर्देशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बलिया के नेतृत्व में बलिया थाने के पुलिस टीम के द्वारा सभी पहलुओं पर छानबीन करते हुये घटना में संलिप्त व्यक्ति रंजन पासवान को भगतपुर, बलिया से गिरफ्तार किया गया. विधिसम्मत आवश्यक अग्रतर कार्रवाई की जा रही है. इस मामले में बलिया थाना में काण्ड संख्या-102/25 दिनांक-02.04.25 धारा-64 (1)/75(2) बीएनएस दर्ज किया गया है.

विधायक व थाना प्रभारी ने इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम का किया भव्य उद्घाटन

उधवा : आलम पेट्रोल पंप के समीप इतिका इवी सेंटर इलेक्ट्रिक बाइक शोरूम का उद्घाटन बुधवार को राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा व राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. इस दौरान विधायक एमटी राजा ने कहा कि बैटरी चलंत इलेक्ट्रिक बाइक स्वच्छ वातावरण पैदा करता है. इलेक्ट्रिक बाइक ध्वनि प्रदूषण व पॉल्यूशन मुक्त है. आने वाले समय में प्रत्येक घरों में इलेक्ट्रिक बाइक उपलब्ध हो जाएगा. उन्होंने कहा कि उधवा के लोगों के लिए बहुत बड़ी खुशी की बात है कि लोगों को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा. जो सुविधा लोगों को समय पर उपलब्ध नहीं हो रही थी वह सुविधा उधवा में ही अब मिल पाएगी. उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रिक बाइक जीरो मेंटेनेंस वाला बाइक है इसमें ना ही पेट्रोल ना ही मोबिल का झंझट है. मौके पर प्रोपराइटर रफीकुल आलम उर्फ टिंकू,चर्चित व्यवसायी महाताब आलम, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बबुआ,कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष मो.बदरुद्दीन, जिप सदस्य अब्दुल बारिक,वर्णवास सोरेन,ऐनुल हक अंसारी, काजू मल्लिक, मो. इब्राहिम,सुनील प्रमाणिक,कृष्णा घोष,सकल हेंब्रम,चंद्रराय सोरेन,दिलीप मंडल व हफीजुर रहमान सहित अन्य मौजूद थे.

अब ऑनलाइन हो सकेगी बंदियों से मुलाकात

धनबाद : अगर आपके कोई परिचित या रिश्तेदार जेल में बंद है तो अब उनसे मुलाकात करने के लिए आपको जेल गेट आने की जरूरत नहीं ऑनलाइन बंदियों से उनके परिजन मित्र मुलाकात कर सकते हैं. बातचीत कर सकते है,

आपके मुकदमे के अद्यतन स्थिति के विषय में भी पूरी जानकारी आप ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं. बुधवार को धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने सिविल कोर्ट धनबाद में ई सेवा केंद्र का उद्घाटन किया.

जो मिलेगी सुविधाएं ?इस मौके पर उन्होंने बताया कि व्यवहार न्यायालय, धनबाद मे बने ई-सेवा केंद्र (ई-एसके) के माध्यम से आमजन मामले की स्थिति, सुनवाई की अगली तारीख और अन्य विवरण के बारे में जानकारी, प्रमाण-पत्र की प्रतियां और अन्य फाइलिंग के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा,याचिकाओं की हार्डकॉपी स्कैन करने से लेकर ई-फाइलिंग की सुविधा,ई-हस्ताक्षर जोड़ना,उन्हें सीआईएस में अपलोड करना और फाइलिंग नंबर तैयार करना.ई-स्टाम्प पेपर/ई-भुगतान की ऑनलाइन खरीद में सहायता करना, आधार आधारित डिजिटल हस्ताक्षर के लिए आवेदन करने और प्राप्त करने में सहायता करना , एंड्रॉइड और आई.ओ.एस के लिए ई-कोर्ट्स के मोबाइल ऐप को डाउनलोड करने में प्रचार और सहायता करना, जेल में बंद रिश्तेदारों से मुलाकात के लिए ई-मुलाकात अपॉइंटमेंट की बुकिंग में सुविधा प्रदान करना, छुट्टी पर गए न्यायाधीशों के बारे में प्रश्नों की जानकारी ,विशेष न्यायालय के स्थान, उसकी वाद-सूची तथा मामला सुनवाई के लिए लिया गया है या नहीं, इन सब के बारे में प्रश्नों की जानकारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति और सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से निःशुल्क कानूनी सेवाएं प्राप्त करने के बारे में लोगों को मार्गदर्शन , वर्चुअल न्यायालयों में ट्रैफिक चालान के निपटान की सुविधा प्रदान तथा ट्रैफिक चालान और अन्य छोटे अपराधों के ऑनलाइन निपटारे की सुविधा प्रदान , ई-कोर्ट परियोजना के अंतर्गत डिजिटल रूप से उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में अन्य सभी प्रश्न और सहायता, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कोर्ट सुनवाई की व्यवस्था और संचालन की विधि की जानकारी , न्यायिक आदेशों/निर्णयों की सॉफ्ट कॉपी ईमेल, व्हाट्सएप या किसी अन्य उपलब्ध माध्यमों से उपलब्ध कराई जाएगी.

साहिबगंज डीएमयू,मेंटेनेंस शेड रेलवे का गौरव फिर लौटाने की तैयारी

साहिबगंज : साहिबगंज में डीएमयू मेंटेनेंस शेड रेलवे की पुरानी गौरवशाली पहचान फिर से लौटने लगी है. पहले यहां रेलवे का एक बड़ा लोको सेट हुआ करता था, जहां हजारों कर्मचारी कार्यरत थे.उस समय साहिबगंज की आर्थिक स्थिति काफी मजबूत थी, लेकिन समय के साथ रेलवे की स्थिति बिगड़ती गयी. हालांकि, पिछले छह वर्षों में रेलवे के विकास की नई लकीरें खींचने की कवायद शुरू हुई. इसके तहत झरना कॉलोनी में स्थित रेलवे की परती जमीन पर डीएमयू मेंटेनेंस शेड का निर्माण किया गया. साहिबगंज रेलवे स्टेशन से झरना कॉलोनी स्थित डीएमयू मेंटेनेंस शेड तक नई रेलवे लाइन बिछाई गयी, जिससे क्षेत्र में रेलवे के प्रति नई उम्मीद जगी. धीरे-धीरे रेलवे की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं साहिबगंज में आकार लेने लगीं. सबसे अहम रहा राजधानी एक्सप्रेस का परिचालन और उसका साहिबगंज में ठहराव, जिसे साहिबगंज के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना गया. अब, डीएमयू मेंटेनेंस शेड के विस्तारीकरण की योजना सामने आई है, जिससे रेलवे के विकास की संभावनाएं और भी बढ़ गयी हैं. बताया जा रहा है कि वर्तमान में 20 डब्बों की मेंटेनेंस क्षमता को बढ़ाकर 40 डब्बों तक किया जायेगा. इसके लिए पीट लाइन बढ़ाने का टेंडर जारी कर दिया गया है. साथ ही, मेंटेनेंस शेड के लिए बड़ा शेड, वाटरशेड और कई आधुनिक तकनीकी उपकरणों की स्थापना भी की जायेगी. जब यह पीट लाइन पूरी तरह तैयार हो जायेगी, तो साहिबगंज से नई ट्रेनों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा. फिलहाल, रेलवे आए दिन नई ट्रेनों की मांग को पीट लाइन की कमी का हवाला देकर टालता रहा है. लेकिन इस विस्तार कार्य के बाद रेलवे नई ट्रेनों के संचालन पर गंभीरता से विचार कर सकता है. रेलवे के तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि नई ट्रेनों के परिचालन के लिए साहिबगंज में मेंटेनेंस शेड का विस्तार अत्यंत आवश्यक है. इसका निर्माण पूर्ण होते ही, साहिबगंज से नई ट्रेनों की मांग पूरी होने की उम्मीद बढ़ जायेगी. इन सभी विकास योजनाओं से यह साफ है कि साहिबगंज में रेलवे का पुराना गौरव लौटने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है. मेंटेनेंस शेड के विस्तार और रेलवे स्टेशन के पुनर्निर्माण के साथ, साहिबगंज रेलवे हब के रूप में उभर सकता है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार और बेहतर यातायात सुविधाएं मिलेंगी. अमृत भारत योजना के तहत साहिबगंज रेलवे स्टेशन का नया स्वरूप रेलवे के विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम साहिबगंज रेलवे स्टेशन का पुनर्निर्माण है. इसे अमृत भारत योजना के तहत एक भव्य किले का रूप दिया गया है. रेलवे ने इस परियोजना पर करीब 26 करोड़ रुपये खर्च किए हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी तरह रेलवे की योजनाएं धीरे-धीरे साहिबगंज में लागू होती रहीं, तो साहिबगंज एक प्रमुख रेलवे हब के रूप में विकसित हो सकता है. साहिबगंज में रेलवे की पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जिस पर कई नई योजनाओं को क्रियान्वित किया जा सकता है. नवोदय विद्यालय के पास होगा मेंटेनेंस शेड का विस्तार डीएमयू मेंटेनेंस शेड के विस्तारीकरण के लिए रेलवे की टीम ने नवोदय विद्यालय के पास स्थित परती जमीन का निरीक्षण किया. चूंकि इसके ठीक पीछे पहले से मेंटेनेंस शेड संचालित है, इसलिए इसका विस्तार आसान होगा. रेलवे के पास साहिबगंज में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है, जहां भविष्य में कई औद्योगिक परियोजनाएं और कारखाने स्थापित किए जा सकते हैं. इसी कारण रेलवे ने विस्तारीकरण से जुड़ी कई योजनाओं के लिए पहले ही टेंडर जारी कर दिया है.

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | गुरुवार | 3 अप्रैल 2025

जल-थल में प्लास्टिक

तमाम नये राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय शोध-सर्वेक्षण चेतावनी दे रहे हैं कि हमारी सांसों, पेयजल व फसलों में घातक माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी है. विश्व की कई शोध पत्रिकाओं में छपे शोध-लेख समय-समय पर विभिन्न अध्ययनों के चेतावने वाले निष्कर्ष प्रकाशित करते रहते हैं. यह बात अलग है कि कई निष्कर्षों को लेकर विदेशी बाजार व कारोबारियों के लक्ष्य भी होते हैं. चिंता की बात यह भी है कि विकासशील देशों में सरकारें रोटी, कपड़ा व मकान जैसी मूलभूत सुविधाओं के जुगाड़ में लगे रहने और गरीबी की समस्या से जूझते हुए, स्वास्थ्य के उन उच्च गुणवत्ता मानकों को वरीयता नहीं दे पाती, जो अंतर्राष्ट्रीय मापदंडों के अनुरूप हों. ऐसा ही एक अध्ययन जर्मन ब्रिटिश अकादमिक कंपनी स्प्रिंग नेचर द्वारा एक पर्यावरण विषयक पत्रिका में प्रकाशित किया गया है. शोधकर्ताओं ने केरल में दस प्रमुख ब्रांडों के बोतलबंद पानी को अध्ययन का विषय बनाया है. अध्ययन का निष्कर्ष है कि प्लास्टिक की बोतल के पानी का इस्तेमाल करने वाले व्यक्ति के शरीर में प्रतिवर्ष 153 प्लास्टिक कण प्रवेश कर जाते हैं. निश्चय ही यह चिंता का विषय है. हालांकि, सर्वेक्षण के लिये केरल को ही चुनना और बोतलबंद पानी बेचने वाली भारतीय कंपनियों को चुनने को लेकर कई सवाल पैदा हो सकते हैं. दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बोतलबंद पानी बेचने का बड़ा प्रतिस्पर्धी कारोबार है. आम आदमी के मन में सवाल उठ सकता है कि कहीं भारतीय बोतलबंद पेय बाजार को तो निशाने पर नहीं लिया जा रहा है. दुनिया के बड़े कारोबारी देश भारत के बड़े उपभोक्ता बाजार पर ललचाई दृष्टि रखते हैं. इसके बावजूद मुद्दा गंभीर है और हमारी सरकारों को अपने स्तर पर गंभीर जांच-पड़ताल करनी चाहिए. इस दिशा में न केवल केरल बल्कि अन्य राज्यों में भी ऐसे ही अध्ययन होने चाहिए. वैसे तो एक खास वर्ग ही बोतलबंद पानी का उपयोग करता है, लेकिन पानी के अन्य स्रोतों का भी गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिये. इसमें सरकारी जल आपूर्ति को भी शामिल करना जरूरी है. हमारे जीवन में जहर घोल रहे माइक्रोप्लास्टिक के हवा व पेड़-पौधों पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर भी कई अध्ययन सामने आए हैं. पिछले दिनों एक अध्ययन में मनुष्य के मस्तिष्क में प्लास्टिक के नैनो कणों के पहुंचने पर चिंता जताई गई थी. दावा था कि प्रतिदिन सैकड़ों माइक्रोप्लास्टिक कण सांसों के जरिये हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं. सर्वविदित है कि देश के नीति-नियंताओं की कार्यस्थली दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी है. कमोबेश देश के कई अन्य शहर भी दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शामिल हैं. प्रदूषण के कारण प्लास्टिक कण हमारी जीवन प्रत्याशा को घटा रहे हैं और कैंसर जैसे कई घातक रोग साथ में दे रहे हैं. विडंबना देखिये न तो सरकारें इस गंभीर संकट के प्रति सचेत हैं और न ही अपने स्वास्थ्य के प्रति जनता जागरूक है. वहीं मुफ्त की रेवड़ियों की आस रखने वाले मतदाता इस गंभीर संकट को चुनावी मुद्दा बनाने की बात कभी नहीं करते. संकट तो यहां तक बढ़ गया है कि प्लास्टिक के कण पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को प्रभावित करने लगे हैं, जिससे खाद्य श्रृंखला में शामिल कई खाद्यान्नों की उत्पादकता में गिरावट आ रही है. ऐसा निष्कर्ष अमेरिका-जर्मनी समेत कई देशों के साझे अध्ययन के बाद सामने आया है. दरअसल, प्लास्टिक कणों के हस्तक्षेप के चलते पौधों के भोजन सृजन की प्रक्रिया बाधित हो रही है. इस तरह माइक्रोप्लास्टिक की दखल भोजन, हवा व पानी में होना मानव अस्तित्व के लिये गंभीर खतरे की घंटी ही है. जिसे बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए. ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि देश में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध के बावजूद ये खुलेआम बिक क्यों रहा है? दुकानदारों व उपभोक्ताओं को तो इसके उपयोग पर दंडित करने का प्रावधान है, लेकिन सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादित करने वाले उद्योगों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता? संकट का एक पहलू यह भी है कि लोग सुविधा को प्राथमिकता देते हैं,लेकिन प्लास्टिक के दूरगामी घातक प्रभावों को लेकर आंख मूंद लेते हैं. यह संकट हमारी जिम्मेदार नागरिक के रूप में भूमिका की जरूरत भी बताता है.

घंटों रील देखने की आदत से अंधेपन का खतरा

- क्रांति कुमार पाठक

आजकल लगभग सभी उम्र के लोगों में रील देखने की लत लग चुकी है. क्या बच्चे, क्या जवान, क्या बुढ़े, क्या स्त्री, क्या पुरुष सभी लत के शिकार हो चुके हैं. जबकि चिकित्सकों का कहना है कि इस लत जल्द ही लोगों की आंखें खराब हो सकती हैं और लोग असमय ही अंधेपन के शिकार हो सकते हैं. क्योंकि, इंस्टाग्राम, टिकटॉक, फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध रील देखने से सभी उम्र के लोगों, खासकर बच्चों और युवाओं में आंखों की दिक्कतें बढ़ती जा रही है. इस बात की चेतावनी हाल ही में यह बात यशोभूमि- इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी और ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसायटी की बैठक में आंख के विशेषज्ञ डॉक्टरों ने दी हैं. दरअसल, एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थैल्मोलॉजी (एपीएओ) 2025 कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. ललित वर्मा ने अत्यधिक स्क्रीन एक्सपोजर के कारण होने वाली 'डिजिटल आई स्ट्रेन की महामारी' के खिलाफ कड़ी चेतावनी देते हुए कहा, 'हम ड्राई आई सिंड्रोम, मायोपिया, आई स्ट्रेन के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी देख रहे हैं, खासकर उन बच्चों में जो घंटों रील देखते रहते हैं.' डॉक्टर ललित वर्मा ने बताया कि अभी 'हाल ही में एक छात्र लगातार आंखों में जलन और नजर के धुंधला होने की शिकायत लेकर हमारे पास आया था. जांच के बाद, हमने पाया कि घर पर लंबे समय तक स्क्रीन पर रील देखने के कारण उसकी आंखें पर्याप्त नमी नहीं बना पा रही थीं. उसे तुरंत आंखों में ड्रॉप्स दी गईं और 20-20-20 नियम का पालन करने की सलाह दी गई. यानी हर 20 मिनट में 20 सेकंड का ब्रेक लेकर 20 फीट दूर किसी चीज को देखना.' एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ आप्थैल्मोलॉजी योजन समिति के अध्यक्ष और ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. हरबंस लाल ने भी कहा कि यह मुद्दा बेहद गंभीर है. उन्होंने कहा कि छोटी और आकर्षक रील्स लंबे समय तक ध्यान खींचने और उसे बनाए रखने के लिए डिजाइन की गई हैं. उन्होंने कहा, 'हालांकि, लगातार स्क्रीन पर फोकस करने से पलक झपकने की दर 50 फीसदी कम हो जाती है, जिससे ड्राई-आई सिंड्रोम और एकोमोडेशन स्पाज्म (नजदीक और दूर की वस्तुओं के बीच फोकस बदलने में कठिनाई) की दिक्कत पैदा होती है. विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर इस आदत पर रोक नहीं लगाई गई तो इससे दीर्घकालिक दृष्टि रोग हो सकता है और यहां तक कि आंखों में स्थायी स्ट्रेन भी हो सकता है.' डॉ. हरबंस लाल ने आगे बताया कि जो बच्चे प्रतिदिन घंटों तक टीवी देखते रहते हैं, उनमें शुरुआती मायोपिया विकसित होने का खतरा होता है और इसके मामले पहले से कहीं तेजी से बढ़ते जा रहे हैं. युवाओं को भी फोन और अन्य डिजिटल उपकरणों की नीली रोशनी के कारण अक्सर सिरदर्द, माइग्रेन और नींद संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है. हाल की कई स्टडी में भी कहा गया है कि 2050 तक विश्व की 50 फीसदी से अधिक जनसंख्या निकट दृष्टिदोष से ग्रस्त होगी. यह अंधेपन का सबसे आम कारण है. कई शोध में देखा गया है कि छात्र, कामकाजी पेशेवर लंबे समय तक स्क्रीन के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनकी आंखों में तनाव बढ़ता जा रहा है और उनकी दृष्टि कमजोर होती जा रही है. डॉक्टरों का कहना है कि रील देखने से आंखों पर तनाव तो बढ़ता ही है साथ ही इससे सामाजिक अलगाव और मानसिक थकान भी बढ़ती है. एआईओएस के अध्यक्ष और वरिष्ठ नेत्र रोग चिकित्सक डॉ. समर बसाक ने कहा, 'हम एक चिंताजनक पैटर्न देख रहे हैं, जहां लोग रील देखने में इतने मग्न हो जाते हैं कि वे वास्तविक दुनिया की बातचीत को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे पारिवारिक रिश्ते खराब हो जाते हैं, शिक्षा और काम पर ध्यान कम हो जाता है.' वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ और एआईओएस के नए अध्यक्ष डॉ. पार्थ बिस्वास ने कहा, 'कृत्रिम प्रकाश, दृश्य में तेज बदलाव और लंबे समय तक नजदीकी फोकस के कारण आंखों पर ज्यादा असर हो रहा है. इससे एक ऐसी घटना हो रही है जिसे हम 'रील विजन सिंड्रोम' कहते हैं. इससे पहले कि यह एक बड़े स्वास्थ्य संकट में बदल जाए, हमें इसे गंभीरता से लेना चाहिए.' नेत्र रोग विशेषज्ञों ने रील देखने के दुष्प्रभावों से निपटने के लिए 20-20-20 नियम का पालन करने की सलाह देते हैं. पलक झपकाने की दर बढ़ाना, स्क्रीन देखते समय अधिक बार पलक झपकाने की कोशिश करना, स्क्रीन का कम से कम समय के लिए देखना और नियमित रूप से स्क्रीन ब्रेक लेना जैसे डिजिटल डिटॉक्स लेना आंखों को स्क्रीन से होने वाले असर को कम कर सकता है. डॉ. हरबंस लाल रील देखने वालों को चेतावनी देते हुए कहते हैं, 'रील भले ही छोटी हो, लेकिन आंखों की सेहत पर उनका प्रभाव जीवन भर बना रह सकता है.' *(उपसंपादक दैनिक एक संदेश)*

कर्म की सक्रिय व संयमित धारा यमुना

(3 अप्रैल 2025 को यमुना जयंती पर विशेष)

-अशोक प्रवृद्ध

भारत में प्रकृति के विभिन्न रूपों के पूजन की वृहत परंपरा रही है. यहां नदियों को भी माता कहकर देवी की भांति पूजा जाता है. उनकी जयंती मनाई जाती है. चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को यमुना का अवतरण इस भूमि पर होने की मान्यता होने के कारण इस दिन को यमुना जयंती के नाम से जाना जाता है. और इस दिन यमुना का जन्मोत्सव मनाया जाता है. इसे यमुना छठ भी कहा जाता है. चैत्र की सूर्य षष्ठी का पहला अर्ध्य भी इस दिन सायं काल में अस्ताचलगामी सूर्य को दी जाती है. इस दिन यमुना स्नान, यौगिक क्रिया, यमुना पूजन, यमुनार्चना, यमुना आरती, दीपदान आदि का विशेष महत्व माना जाता है. वैदिक मतानुसार पृथ्वी पृष्ठ पर भिन्न-भिन्न रूप और गति से बहने वाली नदियां मानव को लाभ पहुंचाने वाली हैं, उनसे लाभ होना चाहिए. वेदों में गंगा, यमुना, सरस्वती का उल्लेख अनेक स्थानों पर हुआ है, लेकिन इसे सिर्फ एक भौगोलिक नदी तक सीमित कर देखना ठीक नहीं, बल्कि इसकी व्यापकता और यौगिक अर्थों को समझने, जानने की आवश्यकता है. वेद और वैदिक साहित्य में गंगा, यमुना, सरस्वती और अन्य नदियों का उल्लेख प्रतीकात्मक रूप से हुआ है. यह नाम केवल भौगोलिक नदियों के संकेतक नहीं है, बल्कि गहरी आध्यात्मिक और प्रतीकात्मक अर्थ लिए हुए हैं. वेद में नदियों को मानव चेतना, शरीर और आत्मा के परिष्करण की धारा के रूप में प्रस्तुत किया गया है. ऋग्वेद में एक ही स्थान पर पृथ्वी पर बहने वाली दस नदियों का वर्णन शरीर में अवस्थित दस नाड़ियों के संदर्भ में किया गया है- *इमं मे गङ्गे यमुने सरस्वति शुतुद्रि स्तोमं सचता परुष्ण्या . असिक्न्या मरुद्वृधे वितस्तयार्जीकीये शृणुह्या सुषोमया..* - ऋग्वेद 10/75/5. अर्थात- हे गंगे, यमुने, सरस्वति, शुतुद्रि, परुष्ण, मरुद्वृधे, वितस्ता, असिक्नी और सुषोमा इनके साथ विद्यमान हे आर्जीकीये! तू हमारे इस स्तुतियोग्य वचन को श्रवण कर. इस मंत्र में गंगा आदि देहगत दस नाड़ियों का वर्णन है, उनका विशेष वर्णन है. इसमें आत्मा रूप नदी सिन्धु का वर्णन है. लोक में गंगा, यमुना, सरस्वती, परुष्णी, मरुद्वृधा, शुतुद्री, वितस्ता, असिक्नी, सुसोमा और आर्जिकीया ये सब नाम नदियों के प्रसिद्ध हैं. वेद में इन शब्दों का मुख्यार्थ नदियों के प्रति संगत न होने से ये शब्द नदीवाचक नहीं हैं. आध्यात्मिक दृष्टि से ये दस विशेष नाड़ियां हैं. उन नाड़ियों में व्याप्त आत्मशक्ति भी उसी -उसी नाम से पुकारी जाती है. इसे बृहदारण्यक में आत्मा कहकर अंकित इस वचन से भी समझ जा सकता है- *शृण्वन् श्रोत्रं भवत्ति मनो मन्वानो वाग् वदन् इत्यादि.* संगीतविषये केरललिप्यां हस्तलिखित पुस्तक में कहा गया है- *इड़ा च पिङ्गलाख्या च सुषुम्ना चास्थिजिह्विका . अलम्बुसा यथा पूषा गान्धारी शङ्खिनी कुहूः देहमध्यगता एता मुख्याः स्युर्दश नाडयः..* गंगा इड़ा नाड़ी है, वह आत्मा को ज्ञान प्राप्त कराती है, यमुना पिंगला है, जो देह के समस्त अंगों को सुव्यवस्थित करती और संयम में रखती है. सरस्वती सुषुम्ना, उसमें प्रशस्त ज्ञान-सुख का उद्भव होता है, परुष्णी का अर्थ करते हुए निरुक्त में कहा गया है- पर्ववती, भास्वती, कुटिलगामिनी. अर्थात- जो प्रतिपर्व पीठ के मोहरों में से नीचे तक गई है, वह वर्ण में चमकीली कुटिल मार्ग में गई है. असिक्नी का अर्थ करते हुए निरुक्त में कहा है- अशुक्ला, असिता सितमिति वर्गनाम तत्प्रतिषेधः. अर्थात- जो शुक्ल अर्थात चमकीली नहीं, उसमें जो रस बहता है उसका कोई रंग नहीं है. मरुद्वृधा का अर्थ करते हुए निरुक्त कहता है- सर्वा नद्यो मरुतः एनां वर्धयन्ति. अर्थात- जो और नाड़ियां है वे उसको बढ़ाती हैं, नाड़ी का वह अंश जहां अन्य सब मिल कर एक हो जाती हैं. अथवा मरुत्, देह के प्राण उसको और वह प्राणों को पुष्ट करते हैं. शुतुद्री का अर्थ करते हुए निरुक्तकार कहता है- शुद्राविणी, क्षिप्रद्राविणी, आशुतुन्ना इव द्रवति. अर्थात- जो वेग से गति करती, भरी-भरी चलती है. वितस्ता का अर्थ निरुक्त इस प्रकार करता है- विदग्धा, विवृद्धा, महाकुला. अर्थात- देह में वितस्ता वह नाड़ी है, जो देह में दाह अर्थात ताप को धारण करती है, वह बहुत व्यापक और त्वचा भर में व्याप्त है. देह ही देश के तुल्य क्षेत्र कहाता है. -सा मे आत्माभूत् इति सोमः. सोम मेरा अपना ही आत्मा है ऐसा ब्राह्मणप्रोक्त निर्वचन है, इससे सुषोमा स्वयं आत्मा रूप नदी है. आत्मा का नदीरूप से वर्णन करते हुए महाभारत में कहा गया है- आत्मा नदी संयम-पुण्यतीर्था, सत्योदका, शीलतटा दयोर्मिः. इत्यादि भिन्न- भिन्न स्थिति में यहां इन नामों से आत्मा को ही सम्बोधन किया गया है. ऋग्वेद 10/75/5 के मंत्र में गंगे यमुने सरस्वति इन तीन सम्बोधन शब्दों से गति, संयम व ज्ञान का प्रतिपादन है. गंगा शब्द गम् से और यमुना शब्द यम् से बना है. गंगा, अर्थात गति, क्रियाशीलता. अपनी तीव्र गति के कारण ही गंगा नदी का जल पवित्र है, क्रियाशीलता हमें भी पवित्र बनाती है. हमारे शरीर सदा क्रियाशील हों, तो मन संयम की भावना से ओत-प्रोत हो . यमुना, अर्थात यमन, संयम. हम मन को निरुद्ध करनेवाले हों. सरस्वती तो ज्ञान की अधिष्ठात्री है ही. हमारा मस्तिष्क ज्ञानान्वित हो. वस्तुतः मंत्र में क्रियाशीलता, संयम, ज्ञान, वासना-विद्रावण, शुभ भावनाओं का पूरण, विषयों से अबद्धता, प्राणशक्ति, रोग व राग-द्वेषादि अशुभः क्षय, स्वस्थता व सबलता और विनीतता आदि से युक्त बनने के लिए परमात्मा से स्तुति की गई है. इस प्रकार स्पष्ट है कि गंगा पवित्रता और चेतन की उर्ध्वगामी धारा है. गंगा शब्द का महत्व को दर्शाती है. ऊर्जा संतुलन, यमुना का प्रवाह रजोगुण का प्रतीक है, जो जीवन के कर्मशील पक्ष को जागृत करता है. गंगा यमुना संगम अर्थात इड़ा और पिंगला का मिलन. गंगा और यमुना का संगम प्रयाग में माना जाता है, परंतु वेदों में इसका प्रतीकात्मक अर्थ गहरी योग दर्शन से जुड़ा है. संगम गंगा (इड़ा) और यमुना (पिंगला) का मिलन सुषुम्ना नाड़ी में होता है. सुषुम्ना नाड़ी शरीर के मध्य में स्थित होती है और आध्यात्मिक जागरण के लिए महत्वपूर्ण है. योग साधना में जब इड़ा और पिंगला का संतुलन होता है, तब चेतना सुषुम्ना में प्रवाहित होती है. और साधक को आत्मज्ञान प्राप्त होता है. प्रतीकात्मक दृष्टि से संगम अर्थात शरीर मन और आत्मा का संतुलन गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन मानव चेतना की उच्चतम स्थिति का प्रतीक है. मोक्ष प्राप्ति का यही अर्थ है. यही वह तीर्थ है जहां स्नान अर्थात योग साधना करने से आत्मज्ञान और मोक्ष प्राप्त होता है. वस्तुतः यमुना कर्म की सक्रिय धारा है. पौराणिक मान्यतानुसार यमुना प्राकट्य रूप में भुवनभास्कर सूर्यदेव की पुत्री है. मृत्यु के देवता यमराज इनके अग्रज और शनिदेव अनुज हैं. यमुना भगवान श्रीकृष्ण की पटरानी थी. ब्रज क्षेत्र में यमुना को माता के समान मानकर इन्हें यमुना मैया कह कर संबोधित किया जाता है, पूजा जाता है. यमुना अपने भक्तों के पापों का

आर्जीकीया का अर्थ करते हुए निरुक्त में कहा है- ऋजूकप्रभवा वा, ऋजुगामिनी वा. अर्थात- ऋजूक से उत्पन्न, वा ऋजु जाने वाली, मस्तक में विशेष स्थान ऋजूक है. उससे निकली नाड़ी वितस्ता है. विपाट् का अर्थ निरुक्त में इस प्रकार किया गया है- *विपाटनाद्वा, विपाशनाद्वा, पाशा अस्यां व्यापाश्यन्त वसिष्ठस्य मूमूर्च्छतस्तस्माद् विपाट् उच्यते.* अर्थात- विपाट् वह नाड़ी है जहां विपाटन होता है, जिस के फटने पर प्राण देह को त्याग देते हैं और आत्मा देह से पृथक हो जाता है, उसी का प्राचीन नाम उरुंजिरा है. सुषोमा उत्तम प्रेरणा वाली अथवा उत्तम वीर्य वाली वीर्यवहा नाड़ी अथवा जो अंगों में शक्ति प्रदान करे. सिन्धु का अर्थ निरुक्त में इस प्रकार किया गया है- सिन्धुः यदेनामभिप्रसुवन्ति नद्यः. सिन्धुः स्यन्दनात्. अर्थात- सब नदियां जैसे सिन्धु में आती हैं, ऐसे समस्त प्राण जिसमें आकर लय हो जाते हैं वह आत्मा ही सिन्धु है. वह एक शरीर से दूसरे शरीर में, एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में जाते हुए महानद के समान जाता है. इसलिए सिन्धु कहाता है. यौगिक अर्थ है -गम् + गम्यते अर्थात जो गमन शील है, जो ऊपर की ओर प्रवाहित होती है. आध्यात्मिक दृष्टि से गंगा का संबंध इड़ा नाड़ी से है. योग शास्त्र में यह नाड़ी चंद्र ऊर्जा का प्रतीक है, जो शीतल, शांत और पवित्र चेतन की धारा है. यह नाड़ी शरीर के बाईं ओर प्रवाहित होती है और मानसिक स्थिरता एवं पवित्रता को बढ़ाती है. गंगा के गूढ़ तात्पर्य हैं -चेतना की शुद्धि. गंगा पवित्र जल की तरह मन और आत्मा की अशुद्धियों को दूर करती है. प्रकाश मय विचार लाती है. गंगा का प्रवाह सतोगुण का प्रतीक है. यह साधक को पवित्र चिंतन और आत्मिक शांति की ओर ले जाती है. यमुना शब्द का अर्थ हैं यम+ऊना अर्थात नियंत्रित प्रवाह. यह कर्म और ऊर्जा का प्रतीक है. आध्यात्मिक अर्थ में यमुना का संबंध पिंगला नाड़ी से है. यह सूर्य ऊर्जा का प्रतीक है, जो शरीर के दाहिने भाग में प्रवाहित होती है. यह नाड़ी कर्म, उत्साह और ऊर्जस्वित विचारों का संचार करती है. यमुना के गूढ़ तात्पर्य ,कर्म प्रधान जीवन, यमुना जीवन में प्रवाह और गतिशीलता का प्रतीक है. यह कर्म के नाश करके उन्हें निर्मल बना देती है. उत्तराखंड में यमुनोत्री से निकलकर ब्रजमंडल की नीलमणिमय मेखला (करधनी) की भांति सुशोभित होते हुए तीर्थराज प्रयाग तक प्रवाहित होने वाली यमुना नदी को यमुना देवी के रूप में पूजा जाता है. नदी के रूप में यमुना का उद्गम स्थल हिमालय के हिमाच्छादित शृंग बंदरपुच्छ में स्थित कालिंद पर्वत है. इसलिए यमुना को कालिंदजा अथवा कालिंदी भी कहा जाता है. यमुना स्नान, यौगिक क्रिया, यमुना पूजन, यमुनार्चना, यमुना आरती, दीपदान का विशेष महत्व माना जाता है. पौराणिक ग्रंथों में मानव व नदीवत दोनों ही रूपों में यमुना का वर्णन हुआ है. पुराण, संहिता ग्रंथ, रामायण, महाभारत आदि प्राचीन ग्रंथों में यमुना के माहात्म्य, प्राकट्य, यमुना जल के श्याम वर्ण होने, इसके प्रवाह क्षेत्र, यमुना के नाम, जप, स्मरण पूजन की महिमागान विस्तृत रूप में की गई है. गर्ग संहिता में यमुना के पचांग में पटल पद्धति, कवय, स्तोत्र, सहस्त्रनाम भी अंकित है.

आपका जन्मदिन मंगलमय हो — 3 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 3 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह बृहस्पति है. इस माह का अधिपति मंगल है. आप आजीवन मंगल एवं बृहस्पति ग्रह के सम्मिलित प्रभाव में रहेंगे. आपका जीवन सामान्य स्तर का होगा. आपकी महत्वकांक्षाएँ काफी ऊँची होगी. आप न तो किसी के कार्य में बाधा डालेंगे और न आप चाहेंगे कि कोई आपके कार्य में बाधा डाले. आप बाधाओं का धैर्यपूर्वक सामना करने के लिए तैयार रहेंगे. आपकी दूरदर्शिता और वाकपटुता सफलता में सहायक सिद्ध होगी. कलात्मक कृत्यों की ओर आपका रुझान अधिक रहेगा. आप विनोदी स्वभाव के होंगे. आप नवज्ञान प्राप्त करने को इच्छुक रहेंगे. धार्मिक-अध्यात्मिक कृत्यों में भी आपकी विशेष रूचि रहेगी. आप समयानुसार चलना पसन्द करेंगे. आपका मस्तिष्क क्रियाशील रहेगा. खाली हाथ बैठना आपके लिए अपमान जैसा होगा. आप मौज-मस्ती व स्वेच्छा पूर्ति हेतु जहाँ रहेंगे वहाँ का वातावरण अपने मनोनुकूल बना लेने में सक्षम होंगे. सजगता बरतें, कठिनाइयों के दौर में अपने इष्ट देवी देवता की अर्चना करें. अतएव सम्बन्धित ग्रह के निमित्त उपाय और उपचार करने पर परिस्थितियाँ सुधार पर होगी. अपने दैनिक जीवन में क्रीम व सफेद रंग की वस्तुओं का अधिकतम प्रयोग करें. वृहस्पति के दिन पीले रंग की वस्तुओं का दान करें. सुख-सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ बृं बृहस्पतये नम:	मास	:	मार्च, जुलाई एवं अक्टूबर
व्रत	:	बृहस्पतिवार	वर्ष	:	3, 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66
दिन	:	रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार	रंग	:	सफेद एवं क्रीम
दिनांक	:	3, 12, 21, 30	जन्मरत्न	:	पोखराज
अंक	:	1, 7	उपरत्न	:	सुनहला (गोल्डन टोपाज)

यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–19 फरवरी से 20 मार्च, 21 नवम्बर से 20 दिसम्बर

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेष : निराशा का समापन, व्यवसाय में विस्तार, नवपरिवर्तन की योजना फलीभूत, सफलता का सुयोग, सुसमाचार की प्राप्ति, आकस्मिक लाभ का सुयोग, सद्विचारों का उदय.

वृषभ : समझदारी से लिया गया निर्णय लाभप्रद, पारिवारिक कठिनाइयों में कमी, प्रतियोगिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि, मान-सम्मानपरक कृत्य सम्पन्न.

मिथुनः आज सायं 6/22 बजे तक समय अशुभ, समस्याओं से चिन्तित, स्वयं का निर्णय अहितकर, शेष समय संतोषजनक, कार्य-व्यवसाय में उन्नति, धर्म के प्रति रुचि.

कर्क : आज सायं 6/22 बजे तक समय शुभ, बकाए धन की प्राप्ति, आपसी सौहार्द, दाम्पत्य सुख, शेष समय संतोषजनक, परिवार में आपसी मतभेद, क्रोध की अधिकता.

सिंह : भाग्योदय का मार्ग प्रशस्त, व्यापारिक विस्तार, पुरातन विवाद का समापन, चित्त प्रफुल्लित, पारिवारिक कठिनाइयों में कमी, मानसिक शांति, यात्रा संतोषजनक.

कन्याः अभिलाषा की पूर्ति का सुयोग, पारस्परिक सम्बन्धों में सुधार, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, सुख शांति का वातावरण, परिवार में मंगल आयोजन सम्पादित, खुशी.

तुलाः आज सायं 6/22 बजे तक कठिनाइयां, व्यावसायिक असफलता, आरोग्य सुख में कमी, जोखिम से हानि, शेष समय अनुकूल, विचारित कार्यों में प्रगति.

वृश्चिक : आज सायं 6/22 बजे तक लाभ में सहायक, स्वयं का निर्णय हितकर, यात्रा सुखद, शेष समय निराशाजनक, प्रगति में अड़चनें, वाद-विवाद से तनाव, अशांति भी.

धनु : योजना की पूर्ति हेतु प्रयत्नशील, नवउत्तरदायित्व का निर्वाह, विनियोजित धन का प्रतिफल प्राप्त, आशानुकूल घटनाएँ घटित, दूर या समीप की यात्रा का प्रसंग.

मकरः दिनचर्या व्यवस्थित, निजी जिन्दगी में सुख के साधन सुलभ, पारिवारिक उत्तरदायित्व की पूर्ति, उच्चाधिकारियों से अपेक्षित सहयोग, लाभ का मार्ग प्रशस्त.

कुम्भः आज सायं 6/22 बजे तक समय अशुभ, जोखिम से हानि, योजना की पूर्ति में बाधा, पदोन्नति में व्यवधान, शेष समय बेहतर, परिश्रम के अनुरूप सफलता, दाम्पत्य सुख.

मीनः आज सायं 6/22 बजे तक प्रगति का मार्ग प्रशस्त, शारीरिक सुख की अनुभूति, प्रियजनों से सहयोग, व्यापार में धन निवेश, शेष समय असंतोषजनक, व्यर्थ भ्रमण.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

सुप्रसिद्ध पुरातत्वविद् की पुण्यतिथि (03 अप्रैल 1988) पर विशेष

हरिभाऊ वाकणकर : भीमबैठका और वैदिककालीन मानव सभ्यता के प्रमाण खोजे थे

-(रमेश शर्मा

डॉक्टर हरिभाऊ वाकणकर की गणना संसार के प्रमुख पुरातत्वविदों में होती है. उन्होंने भारत के विभिन्न वनक्षेत्र के पुरातन जीवन और भोपाल के आसपास लाखों वर्ष पुराने मानव सभ्यता के प्रमाण खोजे. भीमबैठका उन्हीं की खोज है. उनके शोध के बाद विश्व भर के पुरातत्वविद् भारत आये और डाक्टर वाकणकर से मार्गदर्शन लिया. उनका पूरा नाम श्रीविष्णु श्रीधर वाकणकर था लेकिन वे हरिभाऊ वाकणकर के नाम से प्रसिद्ध थे. उनका जन्म 4 मई 1919 को मध्यप्रदेश के नीमच नगर में हुआ. पिता श्रीधरजी वाकणकर वैदिक विद्वान थे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े थे. बड़े भाई लक्ष्मण वाकणकर बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से केमिकल इंजीनियर थे. उन्हें सिरेमिक कला में विशेषज्ञता प्राप्त थी. लिपियों के विकास विशेषकर देवनागरी के डिजिटलीकरण में विशेषज्ञ के रूप में उनकी ख्याति थी. हरिभाऊ जी की प्रारंभिक शिक्षा नीमच में ही हुई और उच्च शिक्षा केलिये बनारस गये. पारिवारिक पृष्ठभूमि ने उनके भीतर भारतीय संस्कृति के प्रति अटूट स्वाभिमान जागृत किया और राष्ट्रीय स्वयं सेवकसंघ से जुड़ने के लिये प्रेरित किया. वे बालवय में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गये थे. हरिभाऊ जी बहुत अध्ययन एवं कल्पनाशील थे, स्मरण शक्ति और स्वत्व वोध विलक्षण था. छात्र जीवन में अपनी कक्षा के साथियों और अन्य मित्रों से परस्पर चर्चा में तर्क सहित वे उन धारणाओं का खंडन करते थे जो विदेशी लेखकों ने भारतीय वाड्मय की गरिमा कम करने के लिये स्थापित की थीं. शिक्षा पूरी कर उन्होंने इसी दिशा में कदम बढ़ाये. उन्होंने भारतीय पुरातन साहित्य का विस्तृत अध्ययन किया और पुराणों कथाओं से संबंधित विवरणों के सजीव प्रमाण खोजे. अनेक उन तथ्यों को प्रमाणित किया जिन्हें मिथक कहकर नकारा जाता रहा था. इसमें वेद वर्णित सरस्वती नदी का अस्तित्व भी है. वाकणकर जी ने सरस्वती नदी की खोज के लिये विश्व इतिहास के इस तथ्य को आधार बनाया कि संस्कृतियों के विकास और इतिहास के प्रमाणीकरण में नदियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है. वाकणकर जी ने वैदिक साहित्य में वर्णित सरस्वती नदी की खोज आरंभ की. उन्होंने उपग्रह छवि से प्रमाणित किया कि सरस्वती नदी का प्रवाह हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात से होकर गुजरता है. आगे चलकर इस मार्ग के लिये एक परियोजना का गठन हुआ जिसके सलाहकार मंडल कै संयोजक वाकणकर जी बनाये गये. उन्होंने सिंधु घाटी सभ्यता को भी सरस्वती नदी से जुड़े होने के प्रमाण दिये. पुरातात्विक खोज के लिये उन्होने उन्होंने पूरे देश की यात्रा की. गंगा और नर्मदा के किनारे, विन्धय एवं सतपुड़ा पर्वत क्षणियों के मैदानों में लाखों वर्ष पुराने मानव सभ्यता के चिन्ह खोजे. पर उन्हें मालवा से बहुत लगाव था. इसलिये उन्होंने नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, कायथा, शाजापुर के साथ भोपाल, रायसेन, विदिशा आदि क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया और वनक्षेत्र में पदयात्राएँ कीं. उनके जीवनवृत के अध्ययन से लगता है कि प्रकृति से उन्हें कोई अतिरिक्त ऊर्जा प्राप्त थी. वे पुरातात्विक और खंडित प्रतिमाओं को इतने ध्यान से देखते थे कि लगता था उनसे बातें कर रहे हो. कई बार तो बैठे-बैठे उठकर किसी विशिष्ट स्थान की ओर

चल देते थे अथवा चलती ट्रेन में अपनी यात्रा अधूरी छोड़कर जंगल में उतर जाते थे और उन्हें वहाँ कुछ न कुछ पुरातात्विक खजाना मिल ही जाता था. मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग चालीस किलोमीटर दूर भीमबेटका के प्राचीन शिलाचित्रों की खोज वाकणकरजी ने की थी. भीमबैठका और भोजपुर के आसपास के कुछ चित्र तो लगभग पौने दो लाख वर्ष पुराने प्रमाणित हुये. इन सभी चित्रों का कार्बन-डेटिंग पद्धति से परीक्षण किया गया. इसका सत्यापन अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं ने किया . इसी शोध के चलते उन्हें 1975 में पद्मश्री अलंकरण मिला. वाकणकर जी उज्जैन के सिंधिया ओरियंटल इंस्टीट्यूट से जुड़े थे और भारतीय कला मंदिर उनकी साधना स्थली था. वे न केवल पुरातत्वविद् थे अपितु अच्छे चित्रकार भी थे. उन्हें जितनी विशिष्टता पुरातात्विक अनुसंधान में प्राप्त थी वे उतने ही श्रेष्ठ संगठक थे. उनका पूरा जीवन ऋषि परंपपरानुरूप था. उन्होंने अपने शिष्यों की एक विशाल मंडली तैयार की. उनमें श्याम सुंदर सक्सेना, गोमती संकुशल, सचिदा नागदेव , मुजफ्फर कुरैशी, रहीम गुट्टीवाला आदि प्रमुख रहे. अपने शिष्यों की टोली के साथ उन्होंने चंबल और नर्मदा के बीहड़ों की खोज की और इंग्लैड तक यात्रा की. उनका शिष्य मंडल मानों परिवार था, उनके व्यक्तित्व का अंग था. वे सुनते अधिक थे बोलते कम थे. जो बोलते मानों ब्रह्म वाक्य होता. उन्होंने जीवन में कभी विश्राम नहीं किया. उन्होंने निरंतर यात्राएँ कीं, भारत के सभी महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थानों के साथ विश्व के अनेक स्थानों की यात्रा इसमें शामिल है. वे कभी भी एक झोला कंधे पर टाँग कर निकल पड़ते थे. जिस प्रकार उनके जीवन का आरंभ भारतीय परंपरा, संस्कृति और श्रेष्ठता को प्रतिष्ठित करने के अभियान के साथ हुआ था, जीवन का समापन भी कर्मपथ पर हुआ. उन्होंने 4 मई 1988 को सिंगापुर में जीवन की अंतिम श्वाँस ली. यह उनके व्यक्तित्व और कार्य क्षमता और ऊर्जा की विलक्षण विशेषता थी कि पुरातात्विक अन्वेषण में अपने अतुलीय और अथक कार्य के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रकल्पों में भी उनकी सक्रियता निरन्तर रही. वे 1981 में स्थापित संस्कार भारती के संस्थापक महामंत्री रहे. वनक्षेत्र में अपने शोध कार्य के साथ उन्होने संघ की योजनानुसार सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान कार्य भी किये. पुरातात्विक अनुसंधान और सामाजिक कार्यों के साथ वाकणकरजी ने सिक्कों और शिलालेखों का संग्रह भी किया. उन्होंने ईसा पूर्व 5वीं शताब्दी से लेकर अब तक के लगभग 5500 सिक्कों और संस्कृत, प्राकृत, ब्राह्मी आदि भाषाओं के लगभग 250 शिलालेखों का संग्रह किया. उनके योगदान की स्मृति को सजीव रखने के लिये संस्कार भारती ने 4 मई 2019 से 3 मई 2020 के बीच उनकी जन्म शताब्दी वर्ष का आयोजन किया था. उनका शरीर भले आज संसार में नहीं है पर उनके अनुसंधान सजीव हैं. वे पुरातात्विक अनुसंधान के मील के पत्थर थे. उनके द्वारा स्थापित मानदंड आज भी अनुसंधानकर्ताओं का मार्गदर्शन कर रहे हैं.

न्यूज कॉर्नर

कमरे से मिला युवक और युवती का शव, छानबीन में जुटी पुलिस

भागलपुर: जिले में ततारपुर थाना क्षेत्र के सराय स्थित सर्वेंट क्वार्टर में प्रेमी और प्रेमिका ने एक साथ एक कमरे में अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली. आत्महत्या करने से पहले उन्होंने सुसाइड नोट लिखा. उसके बाद प्लास्टिक की रस्सी से दोनों ने गले में फंदा लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली. उक्त सर्वेंट क्वार्टर में आत्महत्या करने वाला कहलगांव निवासी एमएस होटल का कर्मचारी रोशन भारती था. वह एमएस होटल में कैटरिंग का काम किया करता था. उस लड़के के साथ एक लड़की ने भी सुसाइड कर ली है. कयास यह लगाया जा रहा है कि दोनों प्रेमी-प्रेमिका है. हालांकि जब घटना हुई है तो कमरा अंदर से बंद. पुलिस के आने के बाद कमरे का गेट तोड़ा गया. भागलपुर के स्टेशन के पास होटल एमएस मालिक मोहम्मद निजाम के बेटे का हैं. मोहम्मद निजाम खीरी बांध के पूर्व मुखिया थे. घटनास्थल पर तातारपुर थाना पुलिस एवं एफ एस एल की टीम पहुंच गई है और मामले की छानबीन में जुट गई है. दोनों के शव को कमरे से निकाला जा रहा था तो काफी दुर्गंध हो रही थी. ऐसा लग रहा था कि यह घटना कल शाम या देर रात की है. क्योंकि रोशन भारती बीते दोपहर के बाद होटल भी नहीं पहुंचा था.

दहेज के लिए विवाहिता की हत्य, प्राथमिकी के बाद जांच में जुटी पुलिस

पूर्वी चंपारण: जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र के इजरा गांव में एक विवाहिता का शव पुलिस ने बुधवार को उसके कमरे से मृत अवस्था मे बरामद किया,जिसकी पहचान 28 वर्षीय संजीता देवी पति सुमित तिवारी उर्फ छोटन गांव इजरा के रूप हुई. मृतक के पिता नवी नारायण शुक्ल ने थाना में आवेदन देकर बताया है कि वर्ष 2022 में संजीता की शादी सुमित तिवारी उर्फ छोटन से बड़े धूम धाम से की थी. दहेज में कुछ राशि कम होने के कारण उसके ससुर सुरेश तिवारी, सास व जटाशंकर तिवारी हमेशा प्रताड़ित करते थे. बुधवार की सुबह दामाद सुमित का दिल्ली से फोन आया कि संजीता फोन नही उठा रही है. तब इजरा पहुंचकर देखा कि कमरा में नीचे अचेत अवस्था मे पड़ी थी, वही उसका फोन व 2 वर्षीय बच्चा गायब था. इसकी सूचना पुलिस को दिया. थानाध्यक्ष धीरज कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया गया है. आवेदन के आधार पर प्राथमिक दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है.

अररिया के बोची बकरा गांव में मिला तीन जिंदा देशी बम, पुलिस ने किया निष्क्रिय

अररिया: जिला में बैरगाछी थाना क्षेत्र के बोची पंचायत के बकरा टोला गांव में बुधवार को तीन देसी बम मिला है. गांव में बम बरामदगी की सूचना से गांव में हड़कंप मच गया. बैरगाछी थानाध्यक्ष कुमारी जूली पुलिस अधिकारियों के साथ गांव पहुंचकर अलग अलग स्थानों पर मिले तीन जिंदा बम को बरामद कर उसे निष्क्रिय करते हुए थाना लेकर आई है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है. दरअसल स्थानीय लोगों ने बताया कि बीती रात दो पक्षों में मारपीट की घटना हुई थी और इस मारपीट की घटना में दोनों पक्षों की ओर से आपस में पथराव भी किया गया था. जिसमें कई लोगों की जख्मी होने की भी बात कही जा रही है. ग्रामीणों ने बताया कि देर रात को भी मारपीट के दौरान बम फटने जैसी तेज धमाका हुआ था. मामले को लेकर बैरगाछी पुलिस ने जांच भी की थी. लेकिन इसी बीच बुधवार दोपहर अलग अलग स्थानों पर जूट की रस्सी से बंधा तीन देशी बम मिलने की सूचना के बाद बैरगाछी थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर तीनों बम को जब्त करते हुए उसे निष्क्रिय कर थाना लेकर आई है और मामले की तफ्तीश में जुट गई है. मामले में एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि बैरगाछी थाना क्षेत्र के बोची बकरा गांव में तीन देशी बम मिले हैं,जिसे डिफ्यूज कर दिया गया है.बम कैसे और कहां से आया है, पुलिस इसकी पड़ताल कर रही है.

शराब के पैसे न मिलने पर पति ने पत्नी की ईंट से कूचकर की हत्या

जौनपुर: रामपुर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक युवक ने शराब के लिए पैसे न देने पर अपनी पत्नी की ईंट से कूचकर हत्या कर दी. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जांच शुरू कर दी है. कोटीगांव निवासी बच्चन गौतम शराब पीने का आदी है. वह रोजाना शराब पीकर घर आने पर अपनी पत्नी मंजू देवी से झगड़ा करता था. परिजनों के मुताबिक, बुधवार दोपहर मंजू देवी घर से पांच सौ मीटर दूर जीतापुर गांव में गेहूं की कटाई कर रही थी. पति बच्चन खेत पर पहुंचा और पत्नी से शराब पीने के लिए पैसे मांगने लगा. उसने कहा कि वह अभी पैसे लेकर नहीं आई है, घर जाकर दे देगी. इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हो गई. बच्चन ने अपनी पत्नी को ईंट से कूचकर मार डाला. सूचना पर पहुंची पुलिस ने शराबी पति को गिरफ्तार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा. क्षेत्राधिकारी परमानंद कुशवाहा ने बताया कि प्रथम दृष्टया जांच में पता चला है कि युवक ने शराब के लिए पैसे न देने पर अपनी पत्नी की ईंट से कूचकर हत्या कर दी हैं. आरोपी पति को गिरफ्तार कर मामले की जांच की जा रही है.

स्टंटबाज बुलेटरानी का 22 हजार का चालान कटा, वाहन सीज

फिरोजाबाद: स्टंटबाजों के खिलाफ पुलिस अभियान चलाकर भारी जुर्माना और वाहन सीज करने की कार्रवाई की है. इसी कड़ी में बुधवार को पुलिस ने एक युवती स्टंटबाज की बुलेट को सीज करते हुए 22 हजार रुपये का चालान किया है. बुलेटरानी युवती इन दिनों सड़कों पर खतरनाक स्टंट कर सोशल मीडिया में सुर्खियां बटोरने में लगी थी. अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बुधवार को बताया कि इंस्टाग्राम पर खतरनाक स्टंट करते हुये एक वीडियो वायरल हुआ. इसका संज्ञान लेकर जांच की गई तो पता चला कि बुलेटरानी के नाम से इंस्टाग्राम पर कई रील बनी हुई है. इसमें युवती हाथ छोड़कर बुलेट चला रही है. कई स्टंट भी किए हैं. इसमें लाइनपार थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल स्वामी को चिन्हित कर माफीनामा लिखवाया है. इसके साथ ही यातायात प्रभारी महेश यादव ने बुलेट का 22 हजार रुपये का चालान कर उसे एमबी एक्ट में सीज कर दिया है. साथ ही चालक को कड़ी हिदायत दी गई है कि आगे से ऐसा न हो, वरना सख्त कार्रवाई की जाएगी.

कटिहार में शिक्षिका पर जानलेवा हमला, गोली मारकर बदमाश फरार

कटिहार: जिले के कदवा थाना क्षेत्र में एक शिक्षिका पर हमला हुआ है. तीन अज्ञात बदमाश शिक्षिका सोनी भारती को गोली मारकर फरार हो गए. शिक्षिका को पीठ में एक गोली लगी है, जिससे उनकी हालत काफी नाजुक है. घटना के बाद शिक्षिका नाजुक हालत को देखते हुए पूर्णिया ले जाया गया है. घटना की सूचना ग्रामीणों द्वारा कदवा पुलिस को दी गई. थानाध्यक्ष विजय प्रकाश दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है. स्थानीय लोगों ने बताया कि शिक्षिका सोनी भारती पूर्णिया से रोजाना अपने पति के साथ स्कूटी के सहारे कदवा थाना क्षेत्र के गेठौरा पंचायत में अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कचौरा पश्चिम आना-जाना करती थी. आज बुधवार को भी वह अपने पति के साथ स्कूटी पर सवार होकर पूर्णिया से गेठौरा पंचायत में अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय कचौरा पश्चिम आ रही थी, तभी भवनगांव के समीप पूर्व से घात लगाए हुए मोटरसाइकिल पर सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने गोली मार कर फरार हो गए. घटना के बाद कदवा थाना क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और लोगों में दहशत का माहौल हो व्याप्त है. पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है.

मुठभेड़ में पांच पशु तस्कर गिरफ्तार, एक घायल

सोनभद्र: कोन थाना क्षेत्र में पुलिस की पशु तस्करों से मुठभेड़ हो गई. कार्रवाई में एक पशु तस्कर गोली लगने से घायल हो गया, जबकि कुल पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है. पुलिस क्षेत्राधिकारी हर्ष पाण्डेय ने बुधवार को बताया कि बीती मध्य रात्रि में पुलिस को सूचना मिली की कुछ पशु तस्कर गोवंश को लेकर थाना कोन अंतर्गत चकरिया बॉर्डर के पास जंगल के रास्ते से सोमा पहाड़ी, रामपुर बरकोनिया होते हुए बिहार झारखण्ड में बेचने के लिए जा रहे हैं. इस सूचना पर निरीक्षक कोन व थानाध्यक्ष रामपुर बरकोनिया ने पुलिस बल के साथ तस्करों की घेराबंदी की. इस पर उनकी ओर से फायरिंग शुरू कर दी गई. कार्रवाइ के दौरान एक पुलिस की गोली से कुर्बान अली निवासी पनौरा थाना मांची के पैर में गोली जा लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा. उसके साथ मौके से पशु तस्कर रामाधार, राजदेव, वीरभान और मुन्ना अगरिया निवासीगण सोहदार थाना मांची को गिरफ्तार कर लिया गया. मौके से गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से 39 गोवंश, एक तमंचा, एक खोखा कारतूस व एक जिन्दा कारतूस बरामद किए गए हैं. घायल आरोपित को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल लोढ़ी रेफर कर दिया गया है. आरोपितों पर धारा 109 बीएनएस व धारा 3/5ए/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम व धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है.

पुल ढहने की घटना पर शीर्ष न्यायालय ने बिहार सरकार को फटकारा

कहा-अधिकारी निलंबित किये गए, बाद में वापस बुला लिये गए

नई दिल्ली/पटना: उच्चतम न्यायालय ने पुल ढहने की घटनाओं को लेकर बिहार सरकार को आड़े हाथ लेते हुए बुधवार को कहा कि ऐसी घटनाओं के बाद कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था लेकिन हंगामा शांत होने के बाद उन्हें वापस बहाल कर दिया गया. उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को उस जनहित याचिका को पटना उच्च न्यायालय स्थानांतरित कर दिया जिसमें बिहार में हाल के महीनों में कई पुलों के ढह जाने का दावा करते हुए पुलों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी गयी थी. प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कहा कि पटना उच्च न्यायालय बिहार में पुलों के संरचनात्मक और सुरक्षा आडिट को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों की मासिक आधार पर निगरानी कर सकता है. पीठ ने कहा, पुल ढहने की घटना के बाद कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया था, लेकिन घटना पर हंगामा शांत होने के बाद उन्हें वापस बहाल कर दिया गया. शीर्ष अदालत ने वकील एवं याचिकाकर्ता ब्रजेश सिंह की ओर से दायर जनहित याचिका पर राज्य सरकार और उसके प्राधिकारियों द्वारा प्रस्तुत विस्तृत जवाब की भी आलोचना की. पीठ ने जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकर्ता एवं वकील ब्रजेश सिंह, राज्य प्राधिकारियों और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को 14 मई को उच्च न्यायालय में उपस्थित होने को कहा, जब मामले की अगली सुनवाई की तारीख वहां निर्धारित की जाएगी. इस मामले की संक्षिप्त सुनवाई में राज्य सरकार ने कहा कि उसने राज्य में लगभग 10,000 पुलों का निरीक्षण किया है. उच्चतम न्यायालय की पीठ ने कहा, हमने जवाबी हलफनामे का अध्ययन किया है. हम मामले को पटना उच्च न्यायालय में स्थानांतरित कर रहे हैं. जवाबी हलफनामे में उन्होंने (राज्य के प्राधिकारियों ने) विस्तार से बताया है कि वे क्या कर रहे हैं. पिछले साल 18 नवंबर को शीर्ष अदालत ने बिहार सरकार और अन्य को इस मुद्दे पर जनहित याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया था. इससे पहले, याचिकाकर्ता ब्रजेश सिंह ने बिहार में पुलों की जर्जर स्थिति को उजागर करने के लिए विभिन्न खबरों और अतिरिक्त दस्तावेजों को रिकार्ड में लाने की अनुमति मांगते हुए अदालत का रुख किया था. उच्चतम न्यायालय ने 29 जुलाई, 2024 को याचिका पर बिहार सरकार और एनएचएआई सहित अन्य पक्षों से जवाब मांगा था. जनहित याचिका में संरचनात्मक आडिट के लिए निर्देश देने तथा एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का अनुरोध किया था, जो उन पुलों की पहचान करेगा जिन्हें या तो मजबूत किया जा सकता है या ध्वस्त किया जा सकता है. शीर्ष अदालत ने राज्य और एनएचएआई के अलावा, पिछले साल जुलाई में सड़क निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड अध्यक्ष और ग्रामीण कार्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को भी नोटिस जारी किया था. पिछले साल मई से जुलाई तक बिहार के सिवान, सारण, मधुबनी, अररिया, पूर्वी चंपारण और किशनगंज जिलों में पुल ढहने की कुल 10 घटनाएं सामने आई थीं. कई लोगों ने इन घटनाओं के पीछे संभावित कारण भारी वर्षा बताया है. जनहित याचिका में राज्य में पुलों की सुरक्षा और लंबे समय तक उनके टिकाऊ रहने के बारे में चिंता जतायी गई है, जहां आमतौर पर मानसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ आती है. याचिका में उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के अलावा केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार पुलों की वास्तविक समय पर निगरानी का अनुरोध किया गया है. याचिकाकर्ता ने कहा कि बिहार देश में सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित राज्य है, जिसका कुल बाढ़ प्रभावित क्षेत्र 68,800 वर्ग किलोमीटर है, जो इसके कुल भौगोलिक क्षेत्र का 73.06 प्रतिशत है.

राजद प्रमुख लालू यादव की तबियत बिगड़ी, डॉक्टरों ने दिल्ली जाने की दी सलाह

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की तबीयत अचानक बिगड़ गई है. ब्लड शुगर बढ़ने के कारण उनकी स्थिति खराब हो गई, जिसके चलते डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली जाने की सलाह दी है. लालू यादव बीते दो दिनों से ब्लड शुगर बढ़ने की समस्या से जूझ रहे थे. बुधवार सुबह उनकी तबीयत और बिगड़ गई, जिसके बाद डॉक्टरों की एक टीम पटना स्थित राबड़ी आवास पर उनकी निगरानी में लगी हुई है. चिकित्सकों के मुताबिक, उनकी हालत पर लगातार नजर रखी जा रही है और जल्द ही उन्हें दिल्ली भेजा जा सकता है. पटना स्थित 10 सर्कुलर रोड राबड़ी आवास पर डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है. सूत्रों से जो जानकारी मिल रही है, उसके अनुसार एयर एंबुलेंस की व्यवस्था की जा रही है. बहुत जल्द ही लालू प्रसाद यादव को इलाज के लिए एयर एंबुलेंस से दिल्ली ले जाया जा सकता है. फिलहाल डॉक्टरों की टीम लालू यादव की हालत स्थिर बता रही है. राजनीतिक रूप से देखें तो, हाल के दिनों में लालू प्रसाद यादव काफी एक्टिव नजर आ रहे थे. तेजस्वी के लिए माहौल बनाने के लिए वह जिलों का दौरा भी कर रहे थे. यही नहीं पटना में मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के धरना स्थल पर भी नजर आए थे. उन्होंने अल्पसंख्यकों के साथ बैठकर उनका हौसला भी बुलंद किया था. ऐसे में अचानक आज लालू प्रसाद यादव की तबीयत बिगड़ने की खबर आई है, जो उनके समर्थकों के लिए चिंता का विषय है. उल्लेखनीय है कि लालू यादव डायबिटीज के मरीज हैं. उनकी किडनी ट्रांसप्लांट भी हुई है. बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें अपनी एक किडनी दी है. सिंगापुर में लालू यादव का किडनी ट्रांसप्लांट हुई थी.

राम नवमी को दोपहर 12 बजे रामलला का होगा जन्म : चम्पत राय

अयोध्या: राम जन्मभूमि में राम जन्मोत्सव श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट धूमधाम से मना रहा है. जन्मोत्सव पर प्रतिदिन श्री रामलला के सामने सायंकाल बधाई गायन प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा हो रहा है. मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है. राम नवमी के अवसर पर छह अप्रैल को रामलला का जन्म होगा. ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि चैत्र राम नवमी के अवसर पर आगामी छह अप्रैल को दोपहर ठीक 12 बजे रामलला का जन्म होगा. उसी समय से उनके कुल देवता सूर्य अपनी किरणों से अगले चार मिनट तक उनका अभिषेक करेंगे. सूर्य तिलक का सीधा लाइव प्रसारण होगा. राम नवमी को प्रातःकाल भगवान का अभिषेक प्रातः 9 बजकर 30 मिनट से एक घंटे तक किया जाएगा. अभिषेक करने के उपरांत भगवान का श्रृंगार होगा. उसके बाद भगवान को 56 भोग लगाया जाएगा. भगवान श्रीराम ने सूर्यवंश में जन्म लिया है. इसलिए सूर्य तिलक का कार्यक्रम हो रहा है. मंदिर में प्रातः 8 बजकर 30 मिनट से श्रीराम चरित मानस और वाल्मीकि रामायण का राम नवमी तक नवान्ह पाठ किया जा रहा है. राम जन्मभूमि परिसर के अंगद टीला पर सायंकाल राम भक्तों को श्री राम कथा में भगवान राम की लीलाओं का व्याख्यान वृंदावन के चर्चित रामकथा वाचक अतुल कृष्ण भारद्वाज के द्वारा सुनाया जा रहा है. हजारों की संख्या में राम भक्त राम मंदिर में दर्शन कर रहे हैं.

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के बायोटेक की छात्रा ने हॉस्टल में की आत्महत्या, पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी

जौनपुर: वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में बायोटिक विभाग द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाली छात्रा ने मंगलवार रात महिला हॉस्टल मे दुपट्टे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली . सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच पड़ताल में जुटी है.जिले के जलालपुर थाना क्षेत्र के कोतवालपुर निवासी सुभाष मिश्रा की पुत्री शिवांगी मिश्रा (23) विश्वविद्यालय के बायोटेक विभाग के दितीय वर्ष की छात्रा थी और 25 सितंबर को इसकी शादी होने वाली थी. विश्वविद्यालय के महिला लक्ष्मीबाई महिला छात्रावास के कमरा नम्बर 35 में रहती थी. रात में करीब 11 बजे किसी से तेज आवाज में बात कर रही थी. आसपास की लड़कियां बरामदे में टहल रही थी. लोगों ने कुछ देर बाद आवाज शांत हो गई. अन्य छात्राओ ने टहलने के लिए उसे भी बुलाया,जवाब न मिलने पर दरवाजा पीटा तब भी बोली नहीं,न ही उसका मोबाइल उठा ,तो आसपास कमरो में रहने वाली लड़कियों ने वार्डेन को खबर किया वार्डन पहुंचे और वह सूचना अधिकारियों को दी. अधिकारी भी पहुंचे दरवाजा खुलवाया गया. उसकी लाश पंखे पर दुपट्टे से लटक रही थी. आनन फानन में मृतका के शव को उतरवा कर एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. सूचना पर परिजन व पुलिस पहुंच गई. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मर्चरी हाउस में रखवा दिया. घटना को लेकर तरह-तरह की बातें हैं, चर्चा है कि वह मोबाइल की लास्ट काल उसके मंगेतर से बात हुई थी. चर्चा है कि वह अपनी शादी को लेकर ही अवसाद में थी.इस मामले में बुधवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने बताया कि घटना की सूचना देर रात मिली. वार्डन और सहपाठियों ने जब शिवांगी ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसे तोड़कर अंदर गए. छात्रा को फांसी से उतारकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.जांच में सामने आया कि घटना से पहले शिवांगी की अपने होने वाले पति आकाश से फोन पर बात हुई थी. उसकी शादी नवंबर में होनी थी. आकाश ने शिवांगी की सहपाठी को फोन कर बताया कि वह फोन नहीं उठा रही है. इस मामले में आकाश से भी पूछताछ की जाएगी. अंतिम बार उसकी बात अपने होने वाले पति से हुई है.पुलिस परिजनों की शिकायत के आधार पर मामले की जांच कर रही है. पोस्टमार्टम वीडियोग्राफी के साथ डॉक्टरों के पैनल द्वारा कराया जाएगा.

बिहार को वर्ष 2070 तक कार्बन-फ्री बनाने का लक्ष्य, जलवायु परिवर्तन से निपटने को मास्टर प्लान तैयार

पटना: जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए बिहार सरकार तेजी से सराहनीय कदम उठा रही है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की विशेष पहल पर राज्य में हरित आवरण को बढ़ाने के लिए खासतौर से कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए थे. इसे लेकर संबंधित विभाग ने खासतौर से योजना तैयार की है. ग्रामीण विकास विभाग के स्तर से जल-जीवन-हरियाली योजना संचालित की जा रही है, जिसके तहत जल संरक्षण और हरियाली बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है. इसके अलावा सरकार क्लाइमेट रेसिलिएंट एंड लो-कार्बन डेवलपमेंट पाथ-वे नामक रणनीति दस्तावेज तैयार कर रही है. इस दस्तावेज में वर्ष 2030 और 2050 तक किए जाने वाले कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई है. ताकि विकास कार्यों से समझौता किए बगैर वर्ष 2070 तक बिहार कार्बन-फ्री बन सके. बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) ने वर्ष 2021 में एक समझौता (एमओयू) किया था. इसके तहत जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन किया गया. तीन वर्षों की विभिन्न बैठकों के बाद इस एक्शन प्लान को अंतिम रूप दिया गया है, जिसे अब राज्य कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा. बिहार में कुल 4,316 आर्द्रभूमियां (वेटलैंड) हैं, जिनका संरक्षण एवं प्रबंधन आर्द्रभूमि (संरक्षण एवं प्रबंधन) नियम, 2017 के तहत किया जाता है. सरकार का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य की कितनी जल निकायों को आर्द्रभूमि के रूप में चिह्नित किया जा सकता है. बिहार सरकार मनरेगा के तहत जल निकायों के निर्माण को प्रोत्साहित कर रही है. साथ ही कृषि विभाग पानी की खपत को कम करने के लिए मोटे अनाज, ड्रिप इरिगेशन और स्प्रिंकलर तकनीक को बढ़ावा दे रहा है. हालांकि भूमिगत जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है और कई जिलों में आर्सेनिक और अन्य प्रदूषण की समस्याएं बढ़ रही हैं. इसके समाधान के लिए सरकार कृषि वानिकी को बढ़ावा दे रही है. इसके तहत मुख्यमंत्री कृषि वानिकी योजना और मुख्यमंत्री निजी पौधशाला योजना चलाई जा रही है, जिससे अधिक से अधिक पौधे लगाए जा सकें.

शौर्य और संस्कृति का संगम, संघ के 100 वर्षों का भव्य जश्न

आरएसएस के पथ संचलन पर पुष्प वर्षा, सैकड़ों स्वयंसेवकों ने निकाली शोभायात्रा

मीरजापुर: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्वावधान में नव वर्ष प्रतिपदा उत्सव एवं संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर आद्य सरसंघचालक प्रणाम कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को अहरौरा में किया गया. इस अवसर पर नगर के नई बाजार स्थित एक विद्यालय से भव्य पथ संचलन निकाला गया. घोष वादन के साथ स्वयंसेवकों ने आद्य सर संघ चालक डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार को सामूहिक रूप से प्रणाम किया. तत्पश्चात भगवा ध्वज आरोहण कर कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इस दौरान मुख्य वक्ता डॉ. राकेश (सह प्रांतीय कार्यवाह, काशी), गोविंद श्रीवास्तव (विभाग पर्यावरण प्रमुख), आलोक कुमार (जिला प्रचारक) एवं रामबालक सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्पार्चन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम में स्वयंसेवकों को प्रांतीय कार्यवाह राकेश द्वारा पाथेय प्राप्त हुआ. उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि किसी भी देश की शक्ति समाज और संस्कृति से आंकी जाती है. उन्होंने सोवियत संघ का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि वहां भी आरएसएस जैसा संगठन होता तो शायद उसका अस्तित्व बना रहता. उन्होंने संघ की 100 वर्ष की यात्रा को देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह संगठन व्यक्ति निर्माण का कार्य करता है, जहां साधारण को योग्य बनाया जाता है. इसके बाद स्वयंसेवकों ने अमृत वचन और एकल गीत का गायन किया. पथ संचलन नई बाजार से प्रारंभ होकर चुंगी, सरकारी अस्पताल, कोइरान बाजार, कसरहट्टी मोहल्ला, चौक बाजार, तकिया, खरंजा, गोला सहुवाईन, सम्मेत्तर, त्रिमुहानी, नगर पालिका कार्यालय, गोला कन्हैया लाल, टिकरा खरंजा, सत्यानगंज बैंक, पोखरा सहुवाईन, रवानी टोला, बूढ़ादेई होते हुए पुनः नई बाजार विद्यालय में सम्पन्न हुआ. इस आयोजन में रमाशंकर सिंह पटेल (मड़िहान विधायक), ओमप्रकाश केशरी (नगर पालिका अध्यक्ष), महेंद्र सिंह अग्रहरि, आनंद कुमार, कृष्णा तिवारी, मयंक जायसवाल सहित सैकड़ों स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

केंद्र से मिले 2,638.17 करोड़ विशेष सहायता राशि पर उपमुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को दिया धन्यवाद

पटना: उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना 2024-25 के तहत बिहार को 2,638.17 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया है. उन्होने कहा कि यह विशेष सहायता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आग्रह पर प्राप्त हुई है, जिससे विकास योजनाओं को लागू करने में तेजी आएगी. उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि सिंचाई विभाग की 35 विभिन्न योजनाओं के लिए 2,340.61 करोड़ रुपये की विशेष सहायता की मांग की गई थी, जिसमें अधिकांश राशि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए थी. उन्होंने कहा कि प्राप्त राशि से कोसी मेची अंतर-राज्यीय लिंक परियोजना, पश्चिमी कोसी नहर परियोजना, सुल्तानगंज में अजगैबीनाथ मंदिर में गंगा नदी के दाहिने किनारे पर पुराने उत्तरवाहिनी धार में सीधी घाट और चैनल का निर्माण होगा. सम्राट चौधरी ने बताया कि पथ निर्माण विभाग की 14 विभिन्न योजनाओं के लिए 237.46 करोड़, भवन निर्माण विभाग के एसडीआरएफ बिहटा (पटना) के निर्माण एवं बिहार के 17 जिलों में आपातकालीन रिस्पांस सुविधा सह प्रशिक्षण केन्द्र के निर्माण हेतु 187.93 करोड़ की मांग की गई. राज्य सरकार ने तीन महत्वपूर्ण विभागों की विभिन्न योजनाओं के लिए कुल 2,766 करोड़ की विशेष सहायता मांगी थी.

ज्ञानवापी परिसर स्थित श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु, शोभायात्रा निकाली

वर्ष में एक बार खुलता है दरबार, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से पूरा धाम परिक्षेत्र गुंजायमान

वाराणसी: चैत नवरात्र के चौथे दिन बुधवार को उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर स्थित माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन के लिए विभिन्न संगठनों के साथ श्रद्धालु महिलाओं का हुजूम उमड़ पड़ा. वर्ष में सिर्फ एक दिन के लिए खुलने वाले माता के दरबार में दर्शन पूजन के लिए मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी महिलाओं व हिंदू पक्ष के पैरोकार, अधिवक्ताओं के साथ ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के कार्यकर्ता भी पहुंचे. दरबार में श्रद्धालु महिलाओं ने विधि विधान से माता का दर्शन कर श्रृंगार सामग्री अर्पित कर उनसे सौभाग्य का आर्शीवाद मांगा. इसके पहले वादिनी महिलाओं के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन के नेतृत्व में मैदागिन स्थित गोरखनाथ मठ मां श्रृंगार गौरी की पूजा के लिए शोभायात्रा यात्रा निकाली गई. इसमें चारों वादिनी महिलाएं भी शामिल हुई. श्रृंगार गौरी केस के मुख्य अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने पत्रकारों को बताया कि हम मां श्रृंगार गौरी के दर्शन के लिए जा रहे हैं. उनके चरणों में हम कामना करेंगे कि जो न्यायालय में संघर्ष चल रहा है, उसमें विजय प्रदान करें. इसी क्रम में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के जत्थे ने भी माता रानी की आरती उतारी. इस दौरान ज्ञानवापी परिसर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए. श्रद्धालुओं को सत्यनारायण मंदिर और विश्वनाथ मंदिर के गेट नंबर चार-बी से सुबह 8.30 बजे से प्रवेश दिया गया. दर्शन पूजन में महिला दर्शनार्थियों को वरीयता दी गई, जिससे उनकी लाइन आगे रही. ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद के बैनर तले श्रद्धालुओं का दल कलश में गंगा जल लेकर मंदिर में पहुंचा. 'हर-हर महादेव' के गगनभेदी उद्घोष, शंखनाद, डमरू वादन और मंत्रोच्चार से पूरा धाम परिक्षेत्र गुंजायमान रहा. श्रद्धालुओं ने मां श्रृंगार गौरी की प्राचीन प्रतिमा के टूटे पत्थरों पर सिंदूर और चंदन का लेपन किया. इसके बाद पुष्प और नैवेद्य अर्पित किया. पुजारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ माता की आराधना की. इसी क्रम में चौक चित्रा सिनेमा के पास से भी श्रद्धालुओं की भीड़ गुलशन कपूर के नेतृत्व में दर्शन पूजन के लिए ज्ञानवापी पहुंचा. श्रद्धालु हाथों में पूजन सामग्री, माला फूल, ध्वज लेकर दरबार में पहुंचे. श्रद्धालुओं ने ज्ञानवापी कूप के जल से माता के विग्रह को स्नान कराया. फिर गुलाब, अड़हुल, बेला के फूलों से श्रृंगार कर माता को सिन्दूर अर्पित किया. इसके बाद माता रानी से भव्य मंदिर बनने की गुहार लगाई. माता श्रृंगार गौरी के दर्शन के बाद दल ने ज्ञानवापी कूप के जल से काशी विश्वनाथ का जलाभिषेक किया. माता अन्नपूर्णा और ढुढ़ीराज गणेश का दर्शन कर जत्थे ने ज्ञानवापी परिसर में सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर दर्शन पूजन यात्रा को विराम दिया और वापस अपने घरों को लौटे. इसके पहले मंगलवार शाम को श्री काशी विश्वनाथ धाम के सभागार में ज्ञानवापी मुक्ति महापरिषद की बैठक हुई. इसमें माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन कार्यक्रम, ज्ञानवापी व्यास जी तहखाना और बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन की रूप रेखा बनी.

न्यूज कॉर्नर

फोर्ब्स की सूची में शीर्ष पर आए एलन मस्क, इतनी संपत्ति के हैं मालिक

वाशिंगटनः एक्स, टेस्ला, स्पेसएक्स के मालिक एलन मस्क दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए है. एलन मस्क को फोर्ब्स की सूची में सबसे अमीर व्यक्ति बताया गया है. उन्होंने अपना अधिकांश समय अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के रूप में बिताया है. फोर्ब्स की एक रिपोर्ट की मानें तो एलन मस्क की संपत्ति में बीते वर्ष कुल 147 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है.यहां तक कि उनकी ईवी कंपनी टेस्ला भी, हालिया विरोध प्रदर्शनों और शेयर बाजार में बिकवाली के बावजूद, एक साल पहले की तुलना में अभी भी अधिक कीमत पर कारोबार कर रही है. एलन मस्क ने पिछले वर्ष बर्नार्ड अर्नाल्ट से विश्व के सबसे अमीर व्यक्ति का खिताब फिर हासिल कर लिया है. उनके बाद दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति, मेटा के मार्क जुकरबर्ग हैं, जिनकी अनुमानित कुल संपत्ति 216 बिलियन डॉलर है, पर 126 बिलियन डॉलर की बढ़त भी बना ली है.इस बीच, रिपोर्ट के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प की तुलना में कुछ ही अरबपतियों के लिए यह वर्ष बेहतर रहा है, उनकी कुल संपत्ति अनुमानित 2.3 बिलियन डॉलर से दोगुनी होकर 5.1 बिलियन डॉलर हो गई है. यह तब हुआ जब उन्होंने क्रिप्टो में एक आकर्षक कदम उठाया और उनका ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप सार्वजनिक हो गया.रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में रिकॉर्ड 902 अरबपतियों के साथ, किसी भी अन्य स्थान की तुलना में सबसे अधिक अरबपति हैं. इसके अलावा, चीन, हांगकांग सहित 516 अरबपतियों के साथ दूसरे स्थान पर है, तथा भारत, 205 अरबपतियों के साथ तीसरे स्थान पर है.इस बीच, 215 बिलियन डॉलर की नेटवर्थ के साथ अमेज़न के जेफ बेजोस तीसरे स्थान पर और 192 बिलियन डॉलर के साथ ओरेकल के लैरी एलिसन चौथे स्थान पर रहे. इस बीच, अरनॉल्ट 178 बिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर खिसक गए, जो 2017 के बाद से उनकी सबसे कम रैंकिंग है. रिपोर्ट के अनुसार, यह उनके लक्जरी समूह के शेयरों में गिरावट के कारण हुआ.

रुपया शुरुआती कारोबार में 23 पैसे की गिरावट के साथ 85.73 प्रति डॉलर पर

नयी दिल्लीः कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और अमेरिकी शुल्क को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 23 पैसे टूटकर 85.73 प्रति डॉलर पर आ गया.विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी सत्र में बुधवार को रुपया कमजोर रुख के साथ खुला. अमेरिका की जवाबी शुल्क की चिंताओं के कारण निवेशक इसके प्रभाव को लेकर सतर्क हैं.अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.65 पर खुला. इसके बार और लुढ़ककर 85.73 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे की गिरावट दर्शाता है.रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.50 पर बंद हुआ था. यह वित्त वर्ष 2025-26 का पहला कारोबारी सत्र है. एक अप्रैल को बैंकों की वार्षिक खाता बंदी के कारण मंगलवार को मुद्रा व बॉण्ड बाजार बंद थे.31 मार्च को ईद-उल-फित्र के अवसर पर शेयर, मुद्रा, जिंस और वायदा-विकल्प बाजार बंद रहे थे. इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.19 पर रहा. अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 74.51 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा.शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मंगलवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 5,901.63 करोड़ रुपये के शेयर बेचे.

ट्रम्प टैरिफ डे पर घबराया नहीं बाजार, 3 कारणों से आई बड़ी तेजी

वाशिंगटनः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आज दुनियाभर में रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की घोषणा करेंगे. ट्रंप आज शाम रोज गार्डन में 'मेक अमेरिका वेल्दी अगेन इवेंट में भाषण देंगे. इसी इवेंट में रेसिप्रोकल टैरिफ को लेकर घोषणा होगी. टैरिफ को लेकर अस्पष्टता के बीच एक अप्रैल को भारतीय शेयर बाजार में भारी बिकवाली देखने को मिली. ट्रंप का मानना है कि इस फैसले से अमेरिका के ट्रेड डेफिसिट को कम करने और मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी. घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सत्र की गिरावट के बाद आज शुरुआती कारोबार में तेजी लौटी. शेयर बाजार में आई तेजी के कारणों को आइए विस्तार से जानते हैं. एशियाई बाजारों में तेजी देखने को मिली है. घबराए हुए निवेशक डोनाल्ड ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने के फैसले का इंतजार कर रहे हैं, हालांकि इस बात की अटकलें लगाई जा रही हैं कि उनके पास क्या है, जिससे ट्रेडिंग फ्लोर पर अनिश्चितता बढ़ रही है. वॉल स्ट्रीट पर, एसएंडपी 500 21.22 अंक या 0.38 प्रतिशत बढ़कर 5,633.07 पर बंद हुआ, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 150.60 अंक या 0.87 प्रतिशत बढ़कर 17.449.89 पर बंद हुआ. व्यापार नीतियों में पिछली अनिश्चितता को देखते हुए अस्थिरता बनी रह सकती है.

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में खरीदारी के कारण पिछले सत्र में तेज गिरावट के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार के बेंचमार्क सूचकांकों में उछाल आया. सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, जोमैटो और अदानी पोर्ट्स शामिल हैं. नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाटा मोटर्स पिछड़ गए. . इसके अलावा भारतीय रिजर्व बैंक की अगली मॉनिटरी पॉलिसी मीटिंग जल्द होने वाली है, जिससे बाजार को संकेत मिल सकते हैं. शेयर बाजार में डर का संकेत देने वाला इंडिया वोलेटिलिटी इंडेक्स आज कारोबार के दौरान 0.89% गिरकर 13.66 पर आ गया, जिससे संकेत मिलता है कि बाजार में घबराहट कम हो रही है. अमेरिका के भारतीय उत्पादों पर रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने से कृषि, बहुमूल्य पत्थर, रसायन, औषधि, चिकित्सकीय उपकरण, इलेक्ट्रिकल व मशीनरी सहित क्षेत्रों के सामान प्रभावित हो सकते हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि इन क्षेत्रों में उच्च शुल्क अंतर के कारण अमेरिकी प्रशासन से अतिरिक्त सीमा शुल्क का सामना करना पड़ सकता है. भारत और अमेरिका के बीच संभावित शुल्क अंतर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग है. रसायनों तथा औषधि पर यह अंतर 8.6 प्रतिशत, प्लास्टिक पर 5.6 प्रतिशत, वस्त्र व परिधान पर 1.4 प्रतिशत, हीरे, सोने तथा आभूषणों पर 13.3 प्रतिशत, लोहा, इस्पात व आधार धातुओं पर 2.5 प्रतिशत. मशीनरी व कंप्यूटर पर 5.3 प्रतिशत, इलेक्ट्रॉनिक पर 7.2 प्रतिशत और वाहन तथा उसके घटकों पर 23.1 प्रतिशत है. एक निर्यातक ने कहा शुल्क अंतर जितना अधिक होगा, क्षेत्र उतना ही अधिक प्रभावित होगा.

मारुति सुजुकी की कारें 8 अप्रैल से होंगी महंगी, ग्रैंड विटारा की कीमत में 62 हजार रुपये की बढ़ोतरी

नई दिल्लीः देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने 8 अप्रैल से अपने सभी मॉडलों की कीमतों में इजाफा करने का ऐलान किया है. कंपनी ने इस साल लगातार तीसरी बार अपने वाहनों की कीमतों में वृद्धि की है. इस नए ऐलान के बाद मारुति सुजुकी की कारें 62 हजार रुपये तक महंगी हो जाएंगी. कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजारों बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) को नियामक फाइलिंग में बताया कि बढ़ती इनपुट लागत, परिचालन खर्च, नियामक परिवर्तन और सुविधा परिवर्धन के कारण विभिन्न मॉडल की कीमतों में वृद्धि करनी पड़ रही है. कंपनी के मुताबिक वर्तमान बढ़ोतरी से मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा की कीमत सबसे ज्यादा 62 हजार रुपये तक बढ़ जाएगी.मारुति सुजुकी इंडिया ने ईको की कीमत में 22,500 रुपये, वैगन-आर 14 हजार रुपये, अर्टिगा 12,500 रुपये, एक्सएल6 12,500 रुपये और डिजायर टूर एस 12,500 रुपये तथा फ्रोंक्स की कीमतों में 3,000 रुपये तक का इजाफा किया है.इससे पहले कंपनी ने 17 मार्च को अपने वाहनों की कीमतों में अप्रैल, 2025 से 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी की घोषणा की थी. इससे पहले मारुति ने 1 फरवरी को अपनी कारों के दाम में 32,500 रुपये तक इजाफा किया था. जनवरी में भी कंपनी ने अपने सभी मॉडल्स पर 4 फीसदी तक की बढ़ोतरी की थी. मारुति ने कीमत बढ़ाने की वजह रॉ मटेरियल महंगा होना बताया था.

ट्रंप टैरिफ लागू होने के पहले बेखौफ नजर आया शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी

बाजार की तेजी से निवेशकों को एक दिन में 3.53 लाख करोड़ का फायदा

नई दिल्लीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के मुताबिक आज देर रात से लागू होने वाले रेसिप्रोकल टैरिफ के पहले घरेलू शेयर बाजार पूरी तरह से बेखौफ नजर आया. रेसिप्रोकल टैरिफ की सभी आशंकाओं को नकारते हुए शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा. आज शुरुआती कारोबार के दौरान बाजार में कुछ देर तक उतार-चढ़ाव की स्थिति जरूर बनी रही, लेकिन सुबह 10 बजे के बाद से बाजार में लगातार तेजड़िये हावी बने रहे. पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.78 प्रतिशत और निफ्टी 0.72 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए. आज दिन भर के कारोबार के बाद निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए. पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के दौरान रियल्टी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और ऑटोमोबाइल सेक्टर में सबसे अधिक खरीदारी होती रही. इसके साथ ही बैंकिंग, आईटी, कैपिटल गुड्स, एफएमसीजी, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे. ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1.38 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ. इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया.

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में साढ़े तीन लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई. बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 412.96 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया. पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 409.43 लाख करोड़ रुपये था. इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 3.53 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया.

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,098 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें 2,861 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,092 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 145 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए. एनएसई में आज 2,591 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई. इनमें से 1,951 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 640 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए. इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए. निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए.

बीएसई का सेंसेक्स आज 121.77 अंक उछल कर 76,146.28 अंक के स्तर पर खुला. कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण यह सूचकांक गिर कर 76,064.94 अंक के स्तर पर पहुंच गया. हालांकि पहले 10 मिनट के कारोबार के बाद ही खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई. लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के आधा घंटा पहले यह सूचकांक 655.84 अंक की मजबूती के साथ 76,680.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा. हालांकि, अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से यह सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 60 अंक फिसल कर 592.93 अंक की तेजी के साथ 76,617.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ. सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 26.90 अंक की बढ़त के साथ 23,192.60 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की. बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से यह सूचकांक लुढ़क कर लाल निशान में 23,158.45 अंक तक गिर गया. इसके थोड़ी देर बाद ही खरीदारों में मोर्चा संभाल लिया और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी. खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक शाम 3 बजे के करीब 184.30 अंक उछल कर 23,350 अंक के स्तर तक पहुंच गया. इसके बाद दिन के सौदों के निपटारे के कारण हुई बिकवाली की वजह से निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 166.65 अंक की मजबूती के साथ 23,332.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ.

पूरे दिन के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 7.10 प्रतिशत, जोमैटो 4.96 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 3.73 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 2.89 प्रतिशत और मारुति सुजुकी 2.05 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए. दूसरी ओर, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 3.29 प्रतिशत, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.12 प्रतिशत, नेस्ले 1.04 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 0.88 प्रतिशत और लार्सन एंड टूब्रो 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए.

सर्राफा बाजार में तेजी का दौर जारी, 93 हजार पर पहुंचा सोना

चांदी 1.05 लाख के स्तर से ऊपर

नई दिल्लीः घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का सिलसिला लगातार जारी है. आज सोना और चांद दोनों चमकीली धातुओं ने जोरदार छलांग लगाई है. आज सोना 850 रुपये से लेकर 930 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है. इस तेजी के कारण दिल्ली समेत कई शहरों में 24 कैरेट सोना पहली बार 93 हजार रुपये के स्तर पर पहुंच गया है. वहीं 22 कैरेट सोना भी 85 हजार रुपये के स्तर के ऊपर पहुंच कर कारोबार कर रहा है.

देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 92,850 रुपये से लेकर 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 85,110 रुपये से लेकर 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. इसी तरह चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,05,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है.

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 92,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 92,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 85,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 92,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 85,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है. इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 92,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 92,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 85,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 93,000 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 85,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में उछाल आया है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 92,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है. इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 85,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है.

एटीसी एनर्जीज ने आईपीओ निवेशकों को किया निराश, कम भाव पर लिस्टिंग के बाद लोअर सर्किट पर पहुंचे शेयर

आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 13.86 प्रतिशत का नुकसान

नई दिल्लीः लिथियम आयन बैटरी बनाने वाली कंपनी एटीसी एनर्जीज ने आज अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया. आज कंपनी के शेयर स्टॉक मार्केट में डिस्काउंट पर लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए.

आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 118 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे. आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 9.32 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 107 रुपये के भाव पर हुई. लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव से ये शेयर लुढ़क कर कुछ ही देर में 101.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया. इस तरह पहले कारोबारी दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 13.86 प्रतिशत का नुकसान हो गया.

एटीसी एनर्जीज का 63.76 करोड़ रुपये का आईपीओ 25 से 27 मार्च के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था. इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.61 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.81 गुना सब्सक्रिप्शन आया था. इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.49 गुना सब्सक्राइब हुआ था. इस आईपीओ के तहत 51.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं. इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10.80 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं. आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, नोएडा में अपनी फैक्ट्री का रिफर्बिशमेंट और सिविल अपग्रेडेशन करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी.

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार-चढ़ाव होता रहा है. वित्त वर्ष 2021-22 में कंपनी को 11.86 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में गिर कर 7.76 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. हालांकि अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़कर 10.89 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया. पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की बात करें, तो इस साल की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के बीच कंपनी को 5.77 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था. इसी तरह इस अवधि में कंपनी 22.57 करोड़ रुपये का रेवेन्यू हासिल करने में सफल रही थी.

केंद्र सरकार ने पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया

नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने प्रतिष्ठित शोध संस्थान नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लॉयड इकनॉमिक रिसर्च (एनसीईआर) की महानिदेशक पूनम गुप्ता को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) का डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है. उनका कार्यकाल तीन साल के लिए होगा.

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि कैबिनेट (एसीसी) की नियुक्ति समिति ने तीन साल के कार्यकाल के लिए आरबीआई के डिप्टी गवर्नर के तौर पर पूनम गुप्ता की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है. माइकल देबव्रत पात्रा के जनवरी में अपना पद छोड़ने के बाद आरबीआई में डिप्टी गवर्नर का यह पद खाली हो गया था.

पूनम गुप्ता वर्तमान में देश की सबसे बड़ी आर्थिक नीति थिंक टैंक, नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीईआर) के महानिदेशक हैं. वह प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य भी हैं. इसके अलावा 16वें वित्त आयोग की सलाहकार परिषद के संयोजक के रूप में कार्यरत हैं.

पूनम गुप्ता के पास अमेरिका के मैरीलैंड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री और पीएचडी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री है. उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अर्थशास्त्र पर पीएचडी के लिए 1998 में एक्जिम बैंक पुरस्कार जीता था. इसके साथ ही वाशिंगटन में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष और विश्व बैंक में लगभग दो दशक तक वरिष्ठ पदों पर काम करने के बाद वह 2021 में एनसीईआर में शामिल हुईं. इसके अलावा गुप्ता राष्ट्रीय लोक वित्त एवं नीति संस्थान (एनआईपीएफपी) में आरबीआई चेयर प्रोफेसर और आईसीआरआईईआर में प्रोफेसर भी रही हैं.

जीईएम ने वित्त वर्ष 2024-25 में बनाया रिकॉर्ड, 10 लाख से ज्यादा लोगों को मिला रोजगार

नई दिल्लीः डिजिटल खरीद मंच गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) ने वित्त वर्ष 2024-25 में सरकारी संगठनों के लिए 10 लाख से अधिक जनशक्ति संसाधनों की भर्ती करके एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने बुधवार को एक बयान में बताया कि जीईएम की यह उपलब्धि पारदर्शिता, अनुपालन और दक्षता के माध्यम से सार्वजनिक खरीद को बदलने के लिए उसकी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है.

जीईएम की इस उपलब्धि पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 'एक्स' पोस्ट पर एक बयान में जीईएम प्लेटफॉर्म की सफलता और इसके माध्यम से रोजगार के अवसरों पर अपनी बात साझा की. उन्होंने इस प्लेटफार्म के जरिए 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती के आंकड़े को ऐतिहासिक बताया.

पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट में लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जीईएम विशाल रोजगार सृजन में सहायक बन रहा है और श्रमिकों की भर्ती के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है. यह प्लेटफॉर्म वित्त वर्ष 2024-25 के तहत 10 लाख से अधिक कर्मचारियों की भर्ती का महत्वपूर्ण मील का पत्थर पार कर चुका है, जो इसकी व्यापक स्वीकृति और सरकारी संगठनों में प्रभाव को दर्शाता है.

इस उपलब्धि पर जीईएम के सीईओ अजय भादू ने कहा, जीईएम ने डिजिटल क्षमताओं का दोहन किया है और प्रशासन के विभिन्न स्तरों पर सरकारी खरीदारों द्वारा आवश्यक सभी संभावित सेवाओं की खरीद के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में उभरा है. हमारी मैनपावर आउटसोर्सिंग सेवा न केवल सरकारी संगठनों के लिए भर्ती प्रक्रिया को सरल बनाती है, बल्कि हमारे व्यापक सेवा स्तर समझौते के माध्यम से सख्त श्रम अनुपालन भी सुनिश्चित करती है.

जीईएम की मैनपावर आउटसोर्सिंग सरकारी खरीदारों को आउटसोर्स संसाधनों को काम पर रखने के लिए एक सहज समाधान प्रदान करती है. इस प्लेटफॉर्म पर 33 हजार से ज्यादा सेवा प्रदाता खरीदारों को न्यूनतम वेतन और निश्चित पारिश्रमिक सहित विभिन्न मानदंडों के आधार पर मैनपावर को शामिल करने में सक्षम बनाते हैं. इस प्लेटफॉर्म पर सुरक्षाकर्मी, बागवानी कर्मचारी, मल्टी-टास्किंग स्टाफ, डेटा एंट्री ऑपरेटर और सुविधा प्रबंधन पेशेवरों जैसी विभिन्न कुशल और अकुशल भूमिकाओं को पोर्टल के माध्यम से काम पर रखा जा सकता है.

उल्लेखनीय है कि 2016 में स्थापित जीईएम सरकारी खरीदारों को लागत प्रभावी दरों पर सार्वजनिक खरीद करने के लिए एक एंड-टू-एंड डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है. वित्त वर्ष 2019-20 में इस प्लेटफॉर्म ने एक अलग सेगमेंट के रूप में सेवाओं को शामिल करने के लिए विस्तार किया. इस प्लेटफॉर्म ने शुरुआत में मैनपावर हायरिंग, कैब हायरिंग, सुरक्षा सेवाएं और सफाई और स्वच्छता सेवाएं जैसी बुनियादी सेवाएँ प्रदान कीं. पिछले पांच वर्षों में जीईएम ने अपने पोर्टफोलियो का विस्तार 330 से अधिक सेवाओं तक किया है, जिसमें ड्रोन सेवाएं, एआर/वीआर सेवाएं, क्लाउड सेवाएं और साइबर सुरक्षा सेवाएं जैसी जटिल पेशकश शामिल हैं.

भारत में मार्च में जीएसटी संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा

नयी दिल्लीः घरेलू लेन-देन से राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से संग्रह 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया, जैसा कि पीटीआई ने बताया. सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 38,145 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 49,891 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) से 95,853 करोड़ रुपये शामिल थे.

भारत का सकल जीएसटी संग्रह मार्च में 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई है. मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से ये जानकारी मिली है. भारत का सकल जीएसटी संग्रह मार्च में 9.9 प्रतिशत बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया, जो रिकॉर्ड पर दूसरा सबसे अधिक मासिक राजस्व है. यह वृद्धि मजबूत घरेलू लेनदेन और आयात से प्राप्त उच्च राजस्व के कारण हुई.

घरेलू लेन-देन से राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से संग्रह 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये हो गया, जैसा कि पीटीआई ने बताया. सकल जीएसटी संग्रह में केंद्रीय जीएसटी (सीजीएसटी) से 38,145 करोड़ रुपये, राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) से 49,891 करोड़ रुपये और एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) से 95,853 करोड़ रुपये शामिल थे. इसके अतिरिक्त, माह के दौरान उपकर राजस्व 12,253 करोड़ रुपये रहा.

मार्च में जारी कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये हो गया. रिफंड के बाद, इस महीने के लिए शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो पिछले साल की इसी अवधि से 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है. अब तक का सर्वाधिक जीएसटी संग्रह अप्रैल 2024 में 2.10 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया. डेलॉइट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने सकल जीएसटी राजस्व में 9.9 प्रतिशत की वृद्धि का श्रेय वित्तीय वर्ष के अंत में बिक्री बढ़ाने वाले व्यवसायों को दिया.

आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा बैठक 7-9 अप्रैल को, रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती संभव

नई दिल्लीः रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों का शेड्यूल जारी कर दिया है. चालू वित्त वर्ष में एमपीसी की कुल 6 बैठकें होंगी, जिनमें से पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी. रिजर्व बैंक इस बार भी नीतिगत दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती कर सकता है.

आधिकारिक सूत्रों ने बुधवार को बताया कि रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति की दो दिवसीय समीक्षा बैठक 7 अप्रैल को शुरू होकर 9 अप्रैल, 2025 तक चलेगी. आरबीआई गवर्नर 9 अप्रैल को एमपीसी के निर्णय की जानकारी देंगे. आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक मे रेपो रेट को 0.25 फीसदी घटाकर 6.5 फीसदी से 6.25 फीसदी कर दिया था.आर्थिक मामलों के जानकारों का कहना है कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति चालू वित्त वर्ष की 7-9 अप्रैल की होने वाली पहली बैठक में रेपो रेट में 25 आधार अंकों यानी 0.25 फीसदी तक की कटौती कर सकता है. इसके अलावा कुछ रेटिंग एजेंसियों ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एमपीसी अप्रैल में होने वाली बैठक में आरबीआई रेपो रेट में 25 आधार अंकों की और कटौती कर सकता है.

मौद्रिक नीति समिति क्या है

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति में 6 सदस्य होते हैं. इनमें से 3 सदस्य रिजर्व बैंक के होते हैं, जबकि बाकी 3 सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं. छह सदस्यीय इस समिति को मूल्य स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए मौद्रिक पॉलिसी बनाने के अलावा प्रमुख नीतिगत ब्याज दरें निर्धारित करने का काम सौंपा गया है. ये बैठक आमतौर पर प्रत्येक दो महीने में होती है.

क्या होता है रेपो रेट

रेपो रेट वह नीतिगत ब्याज दर होता है जिस पर भारत के बैंक, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) से पैसे उधार लेते हैं. आरबीआई जब इस दर को कम करता है, तो बैंक भी कम ब्याज दरों पर ग्राहकों को लोन दे सकते हैं. इसका मतलब है कि लोन लेने वाले लोगों को कम ब्याज देना होगा. अगर रेपो रेट कम होती है तो होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो जाएंगी. इसके साथ ही कारोबारियों के लिए लोन लेना भी आसान हो जाएगा.

वर्तमान में एमपीसी के सदस्य

रिजर्व बैंक के वर्तमान में छह सदस्य हैं. इनमें आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा, केंद्रीय बैंक के कार्यकारी निदेशक डॉ. राजीव रंजन, रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव, डॉ. नागेश कुमार, डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव, औद्योगिक विकास अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के सौगता भट्टाचार्य, अर्थशास्त्री प्रोफेसर राम सिंह, डायरेक्टर, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय हैं.उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एमपीसी की बैठकों का कार्यक्रम जारी कर दिया है. केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए छह मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठकें निर्धारित की हैं. इसमें पहली बैठक 7-9 अप्रैल को होगी. इससे पहले आरबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी एमपीसी बैठक में नीतिगत ब्याज दरों में 0.25 फीसदी की कटौती की थी, जो 6.5 फीसदी से घटकर 6.25 फीसदी हो गया था. आरबीआई ने ये कटौती करीब 5 साल के बाद की थी.

ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत टाइटंस ने आरसीबी को आठ विकेट से हराया

बेंगलुरुः मोहम्मद सिराज और साई किशोर की उम्दा गेंदबाजी के बाद जोस बटलर के तूफानी अर्धशतक से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आठ विकेट की आसान जीत दर्ज की. आरसीबी के 170 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए टाइटंस ने जोस बटलर की 39 गेंद में छह छक्कों और पांच चौकों से नाबाद 73 रन की पारी के अलावा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (49) के साथ उनकी दूसरे विकेट की 75 और शेरफान रदरफोर्ड (नाबाद 30, 18 गेंद, तीन छक्के, एक चौका) के साथ तीसरे विकेट की 63 रन की अटूट साझेदारी से 17.5 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर जीत हासिल की. सिराज ने इससे पहले 19 रन देकर तीन जबकि किशोर ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए जिससे आरसीबी ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए. लिविंगस्टोन ने 40 गेंद में पांच छक्कों और एक चौके से 54 रन की पारी खेलने के अलावा जितेश शर्मा (33) के साथ पांचवें विकेट के लिए 52 और टिम डेविड (32) के साथ सातवें विकेट के लिए 46 रन जोड़कर आरसीबी का स्कोर आठ विकेट पर 169 रन तक पहुंचाया. मेजबान टीम एक समय 42 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद संकट में थी लेकिन लिविंगस्टोन और डेविड की पारी की बदौलत अंतिम पांच ओवर में 64 रन जोड़ने में सफल रही. लक्ष्य का पीछा करने उतरे टाइटंस ने पावर प्ले में कप्तान शुभमन गिल (14) का विकेट गंवाकर 42 रन बनाए. गिल को भुवनेश्वर कुमार (23 रन पर

एक विकेट) ने लिविंगस्टोन के हाथों कैच कराया. सुदर्शन अच्छी लय में नजर आए. उन्होंने जोश हेजलवुड की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका मारा. उन्होंने यश दयाल और रसिख सलाम की गेंद को भी बाउंड्री के दर्शन कराए. बटलर ने भी तेवर दिखाते हुए रसिख के ओवर में दो छक्के और एक चौका मारा. बटलर ने 12वें ओवर में कृणाल पंड्या का स्वागत छक्के के साथ किया जबकि सुदर्शन ने लगातार दो चौकों के साथ टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया. सुदर्शन हालांकि अगले ओवर में हेजलवुड की गेंद पर विकेटकीपर जितेश को कैच दे बैठे. उन्होंने 36 गेंद की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का मारा. रदरफोर्ड ने हेजलवुड पर चौके से खाता खोला और फिर कृणाल पर छक्का जड़ा. बटलर ने लिविंगस्टोन के लगातार गेंदों पर चौके और छक्के के साथ 31 गेंद में अर्धशतक पूरा किया. टाइटंस को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 36 रन की दरकार थी और बटलर तथा रदरफोर्ड ने दो-दो छक्के जड़कर टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया. इससे पहले गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसे उनके गेंदबाजों ने सही साबित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी. विराट कोहली (07) ने सिराज पर चौके से खाता खोला लेकिन अरशद खान (17 रन पर एक विकेट) की गेंद को लॉन्ग लेग पर प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों में खेल गए. सिराज ने देवदत्त पडिक्कल (04) और सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (14) को लगातार ओवरों में बोल्ड किया. आरसीबी ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 38 रन बनाए. कप्तान रजत पाटीदार (12) ने इशांत शर्मा (27 रन पर एक विकेट) की पहली ही गेंद पर चौका जड़ा लेकिन अगली गेंद को पूरी तरह से चूककर पगबाधा हो गए जिससे टीम का स्कोर चार विकेट पर 42 रन हो गया. जितेश ने इशांत पर चौके से खाता खोला और फिर इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में दो चौके और एक छक्का मारा. लिविंगस्टोन नौ रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब किशोर की गेंद पर राहुल तेवतिया ने उनका कैच टपका दिया. लिविंगस्टोन ने जीवनदान का फायदा उठाते हुए राशिद खान पर छक्का जड़ा. जितेश ने भी राशिद पर चौका मारा लेकिन साई किशोर की गेंद पर तेवतिया को कैच दे बैठे. उन्होंने 21 गेंद का सामना करते हुए पांच चौके और एक छक्का मारा. कृणाल पंड्या (05) ने राशिद पर चौके के साथ 14वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में किशोर को उन्हीं की गेंद पर कैच दे बैठे जिससे आरसीबी का स्कोर छह विकेट पर 104 रन हो गया. लिविंगस्टोन ने राशिद जबकि टिम डेविड ने किशोर पर छक्के के साथ रन गति में इजाफा करने का प्रयास किया. लिविंगस्टोन ने 18वें ओवर में राशिद को निशाना बनाते हुए तीन छक्के जड़े और 39 गेंद में अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले ओवर में सिराज की गेंद पर विकेटकीपर जोस बटलर को कैच दे बैठे. डेविड ने अंतिम ओवर में प्रसिद्ध की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा लेकिन अंतिम गेंद पर बोल्ड हो गए. उन्होंने 18 गेंद का सामना करते हुए तीन चौके और दो छक्के मारे.

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 84 रनों से हराकर जीती सीरीज

तीसरे वनडे में क्लीन स्वीप का मौका

हैमिल्टन: न्यूजीलैंड ने बुधवार को पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे वनडे में शानदार प्रदर्शन करते हुए 84 रनों की जीत दर्ज की और तीन मैचों की सीरीज अपने नाम कर ली. अब कीवी टीम शनिवार को माउंट माउंगानुई में होने वाले तीसरे और आखिरी वनडे में क्लीन स्वीप करने उतरेगी. मैच में न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी सफलता तेज गेंदबाज बेन सियर्स को मिली, जिन्होंने अपने तीसरे वनडे में ही पांच विकेट झटककर पाकिस्तान की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर दिया. सियर्स ने अपने पहले दो वनडे में कोई विकेट नहीं लिया था, लेकिन इस मुकाबले में उन्होंने 59 रन देकर 5 विकेट झटके और टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई. 293 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही. विल ओ'रूर्के ने पहले ही ओवर में अब्दुल्ला शफीक (1) को आउट कर दिया. इसके बाद बाबर आजम भी सिर्फ 1 रन बनाकर जैकब डफी का शिकार बने. इमाम-उल-हक (0) भी डफी की गेंद पर आउट हुए,जिससे पाकिस्तान 5.3 ओवर में ही 9/3 के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था. इसके बाद भी टीम की हालत नहीं सुधरी. सलमान आगा (9) के रूप में चौथा विकेट गिरा, जबकि कप्तान मोहम्मद रिजवान भी 27 गेंदों पर सिर्फ 5 रन बनाकर पवेलियन लौट गए. तैयब ताहिर (13), मोहम्मद वसीम (1) और अकिफ जावेद भी जल्दी आउट हो गए, जिससे पाकिस्तान की हार लगभग तय हो गई थी. हालांकि, फहीम अशरफ और नसीम शाह ने 60 रनों की साझेदारी कर कुछ संघर्ष दिखाया. अशरफ ने 80 गेंदों में 73 रन बनाए, जबकि नसीम शाह ने 44 गेंदों पर 51 रनों की पारी खेली. लेकिन उनकी ये पारियां न्यूजीलैंड की जीत को रोकने के लिए काफी नहीं थीं. न्यूजीलैंड के लिए बेन सियर्स ने 5 विकेट (5/59) लिए, जबकि जैकब डफी ने 3/35 का शानदार प्रदर्शन किया. विल ओ'रूर्के और नाथन स्मिथ को भी एक-एक विकेट मिला, जिससे पाकिस्तान 43.4 ओवर में 208 रन पर ऑलआउट हो गया और न्यूजीलैंड को 84 रनों की बड़ी जीत मिली. इससे पहले न्यूजीलैंड ने 292/8 का

मजबूत स्कोर खड़ा किया था. राइस मारियू (18) और निक केली (31) ने टीम को तेज शुरुआत दिलाई. हालांकि, 6.2 ओवर में 54/1 पर पहला विकेट गिरा. टीम ने 15.3 ओवर में 100 रन पूरे किए, लेकिन इसी ओवर में डेरिल मिचेल (18) आउट हो गए. इसके बाद हेनरी निकोल्स (22) और कप्तान माइकल ब्रेसवेल (17) के आउट होने से न्यूजीलैंड 132 रन पर 5 विकेट खोकर मुश्किल में आ गया. इसके बाद मोहम्मद अब्बास और मिशेल हे ने 77 रनों की साझेदारी कर पारी को संभाला. अब्बास 41 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन मिशेल हे ने अंत तक बल्लेबाजी की और 78 गेंदों में नाबाद 99 रन बनाए. उन्होंने 7 चौके और 7 छक्के लगाए और शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए. पाकिस्तान की ओर से सुफियान मुकीम (2/33) और मोहम्मद वसीम (2/78) ने सबसे ज्यादा विकेट लिए. सीरीज पहले ही जीत चुकी न्यूजीलैंड की टीम अब शनिवार को होने वाले तीसरे वनडे में पाकिस्तान को हराकर 3-0 की क्लीन स्वीप पूरी करने के इरादे से उतरेगी. पाकिस्तान के लिए यह आखिरी मौका होगा कि वह इस दौरे पर कोई जीत दर्ज कर सके.

जदुमणि सिंह विश्व मुक्केबाजी कप के सेमीफाइनल में, तीन अन्य भारतीय बाहर

नई दिल्लीः भारतीय मुक्केबाज जदुमणि सिंह मांडेंगबाम ने ब्राजील के फोज डो इगुआकु में चल रहे विश्व मुक्केबाजी कप के 50 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है लेकिन भारत के तीन अन्य खिलाड़ी

पहले दौर में ही बाहर हो गये. मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन 20 वर्षीय जदुमणि ने मंगलवार देर रात 50 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में पिछले साल के विश्व मुक्केबाजी कप के रजत पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के एलिस ट्रोब्रिज को कड़े मुकाबले में 3-2 के विभाजित निर्णय से हराया. सेमीफाइनल में उनका मुकाबला पूर्व एशियाई अंडर-22 चैंपियन उज्बेकिस्तान के असिलबेक जालिलोव से होगा.
इस बीच एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक), निखिल दुबे (75 किग्रा) और जुगनू (85 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में हार के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए. हांगझोउ एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र ने कजाकिस्तान के सपरबे डेनियल को कड़ी चुनौती दी, लेकिन पहले राउंड में सर्वसम्मति से जीत के बावजूद उन्हें आखिर में करीबी मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा.
निखिल स्थानीय खिलाड़ी काउ बेलिनी से 0-5 से हार गए जबकि जुगनू को फ्रांस के अब्दुलाये ट्राओरे के खिलाफ 1-4 के विभाजित फैसले में हार का मुंह देखना पड़ा. भारत का अभियान बुधवार को भी जारी रहेगा, जिसमें मनीष राठौड़ (55 किग्रा) को ऑस्ट्रेलिया के पेरिस ओलंपियन युसुल्फ चोथिया से, हितेश (70 किग्रा) को इटली के गैब्रिएल गाइडी रोंटानी से और अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) को जर्मनी के डेनिस ब्रिल से भिड़ना है. भारत ने टूर्नामेंट में 10 सदस्यीय पुरुष टीम उतारी है, जिसमें लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) पहले दिन बाहर हो गये थे.

जीत के साथ फार्म में वापसी पर होगी केकेआर और एसआरएच की निगाह

कोलकाताः कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 15वें मैच में ईडन गार्डन्स में आमने-सामने होंगे, जिसमें दोनों टीमें जीत के साथ फॉर्म में वापसी करना चाहेंगी. इस सीजन केकेआर की बल्लेबाजी एक बड़ी चिंता का विषय रही है, जिसमें उनका मध्यक्रम विफल रहा है. क्विंटन डी कॉक एकमात्र लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी रहे हैं, जबकि सुनील नरेन अभी भी सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी भूमिका के साथ तालमेल बिठा रहे हैं. वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल प्रभावशाली पारी खेलने के लिए संघर्ष कर रहे हैं. मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम की हालिया हार, जहां वे सिर्फ 116 रन पर ढेर हो गए, ने उनकी कमजोरियों को और उजागर कर दिया है. दूसरी ओर, एसआरएच के पास एक शक्तिशाली बल्लेबाजी इकाई है जो कुछ ही ओवरों में खेल को अपने कब्जे में ले सकती है. हालांकि, पिछले दो मैचों में उनके आक्रामक रवैये ने उलटा असर दिखाया है. ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा की भूमिका इस मैच में महत्वपूर्ण होगी, जबकि हेनरिक क्लासेन और अनिकेत वर्मा ने मध्य और निचले क्रम में तेजी लाने की अपनी क्षमता दिखा चुके हैं. एसआरएच

आईपीएल 2024 के फाइनल में केकेआर से अपनी दिल तोड़ने वाली हार के बाद हिसाब चुकता करने के लिए उत्सुक होगा. उस हार की याद पैट कमिंस की टीम के लिए अतिरिक्त प्रेरणा का काम करेगी, जो शुरू से ही मैच पर हावी होने की कोशिश करेगी.
अपनी बल्लेबाजी की समस्याओं के बावजूद, केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण एक मजबूत पक्ष बना हुआ है. सुनील नरेन और वरुण चक्रवर्ती बीच के ओवरों में महत्वपूर्ण होंगे. ईडन गार्डन्स में नरेन का रिकॉर्ड 6.33 की इकॉनमी से 60 मैचों में 71 विकेट उन्हें एक दुर्जेय खतरा बनाता है. स्पेंसर जॉनसन, वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा की तेज गेंदबाजी तिकड़ी ने भी विपक्षी बल्लेबाजों को रोकने में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि एसआरएच की बल्लेबाजी उनकी सबसे बड़ी ताकत रही है, उनके गेंदबाजी आक्रमण में निरंतरता के लिए संघर्ष करना पड़ा है. मोहम्मद शमी और पैट कमिंस को केकेआर के बल्लेबाजों को रन बनाने से रोकने के लिए जल्दी ही अपनी लय हासिल करनी होगी. पिछले मैच में प्रभावित करने वाले युवा लेग स्पिनर जीशान अंसारी ईडन गार्डन्स की पिच पर अहम खिलाड़ी साबित हो सकते हैं.
हर्शल पटेल एकमात्र लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले गेंदबाज रहे हैं, जिन्होंने डेथ ओवरों में अपनी विविधता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया है. ईडन गार्डन्स में पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों को तरजीह मिलती है, जहां पहली पारी में औसत स्कोर 167 रन रहा है. हालांकि, हाल के उच्च स्कोर वाले मैचों से पता चलता है कि पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को 190-200 के बीच स्कोर बनाने का लक्ष्य रखना चाहिए. छोटी बाउंड्री पावर हिटर्स के लिए अतिरिक्त लाभ प्रदान करती हैं. बारिश की रुकावट के बिना मौसम गर्म रहने की उम्मीद है.
दोनों टीमें जीत के लिए बेताब हैं, इसलिए मुकाबला काफी करीबी होने की उम्मीद है. अगर केकेआर हेड, अभिषेक शर्मा और क्लासेन को जल्दी रोक लेता है, तो उनके पास वापसी करने का एक अच्छा मौका है. हालांकि, अगर एसआरएच की बल्लेबाज़ी लय में आ जाती है, तो वे जीत सकते हैं.

अहमदाबाद, कोलकाता, दिल्ली, गुवाहाटी में होंगे टेस्ट मैच

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2025 के घरेलू सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की जिसके अनुसार अहमदाबाद, कोलकाता, नयी दिल्ली और गुवाहाटी इस सत्र में घरेलू धरती पर होने वाले चार टेस्ट मैचों की मेजबानी करेंगे. भारत इस साल अक्टूबर में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की मेजबानी करेगा, जिसके मैच अहमदाबाद और कोलकाता में खेले जाएंगे. इसके बाद नवंबर में दक्षिण अफ्रीका की टीम दो टेस्ट मैच खेलने के लिए भारत आएगी जिसके मैच नयी दिल्ली और गुवाहाटी में होंगे. गुवाहाटी में पहली बार टेस्ट मैच खेला जाएगा.

चक्रवर्ती टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसके, पंड्या ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष पर

दुबई : भारत के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पुरुष टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में एक स्थान गिरकर तीसरे स्थान पर खिसक गए जबकि हार्दिक पंड्या बुधवार को जारी ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं. चक्रवर्ती 706 रेटिंग अंक के साथ न्यूजीलैंड के जेकब डफी (723) और वेस्टइंडीज के

अकील हुसैन (707) से पीछे हैं. लेग स्पिनर रवि बिश्नोई (674) और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह (653) क्रमशः सातवें और 10वें स्थान के साथ शीर्ष 10 में शामिल अन्य दो भारतीय गेंदबाज हैं. अक्षर पटेल 13वें स्थान पर हैं. भारत के बाएं हाथ के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर हैं. ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड शीर्ष पर हैं जबकि इंग्लैंड के फिल सॉल्ट तीसरे स्थान पर हैं. दो अन्य भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव क्रमश: चौथे और पांचवें स्थान पर हैं. पंड्या 252 रेटिंग अंक के साथ ऑलराउंडर की सूची में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं. उनके बाद नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और ऑस्ट्रेलिया के मार्कस स्टोइनिस का नंबर आता है.

निशानेबाजी विश्व कप: पहले दिन सौरभ चौधरी पर टिकी रहेंगी निगाहें

ब्यूनस आयर्स : भारतीय निशानेबाजी दल गुरुवार को यहां पुरुषों की 10 मीटर पिस्टल और स्कीट स्पर्धाओं के साथ आईएसएसएफ (अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी महासंघ) विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगा जिसमें राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले निशानेबाज सौरभ चौधरी पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी. टिरो फेडरल अर्जेंटीनो डी ब्यूनस आयर्स शूटिंग रेंज में प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुषों और महिलाओं की स्कीट स्पर्धाओं में भारतीय निशानेबाज अपना भाग्य आजमाएंगे. प्रतियोगिता में कुल 15 फाइनल होंगे जिनकी शुरुआत गुरुवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल से होगी. इस स्पर्धा में तीन भारतीय सौरभ चौधरी, रविंदर सिंह और वरुण तोमर भाग लेंगे जो वर्ष के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में देश को स्वर्णिम शुरुआत देने का प्रयास करेंगे. पुरुषों और महिलाओं की स्कीट स्पर्धा के पहले दिन दो क्वालीफाइंग राउंड होंगे, जिनमें से प्रत्येक में निशानेबाज 25-25 निशाने लगाएंगे. इस प्रतियोगिता में 45 देशों के 400 से अधिक निशानेबाज भाग देंगे जिनमें मौजूदा और पूर्व ओलंपिक चैंपियन तथा विश्व चैंपियन शामिल हैं. निशानेबाज वर्ष की शानदार शुरुआत करने के लिए 15 स्वर्ण पदकों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे. प्रतियोगिता में 23 निशानेबाज व्यक्तिगत तटस्थ खिलाड़ी (एआईएन) के रूप में भाग लेंगे. ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के बाद आईएसएसएफ विश्व कप चरण निशानेबाजी की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है. भारतीय राष्ट्रीय निशानेबाजी संघ (एनआरएआई) ने अर्जेंटीना में होने वाले इस विश्व कप के लिए 35 सदस्यीय टीम का चयन किया है. इनमें ओलंपिक में दो कांस्य पदक जीतने वाली मनु भाकर भी शामिल है.

क्रिस्टी कोवेंट्री बनीं आईओसी की पहली महिला अध्यक्ष

ओलंपिक खेलों को देंगी नई मोड़

स्विटजरलैंड : अंतर्राष्ट्रीय घुड़सवारी महासंघ (एफईआई) के अध्यक्ष इंगमार डी वोस ने मंगलवार को क्रिस्टी कोवेंट्री के नए अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) अध्यक्ष के रूप में चुनाव की सराहना करते हुए इसे दुनिया के लिए एक स्पष्ट संदेश बताया. दो दिवसीय एफईआई फ़ोरम के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डी वोस ने कहा, पहले दौर में चुनाव जीतने के लिए क्रिस्टी कोवेंट्री को बधाई, जो मुझे लगता है कि यह बाहरी दुनिया को एक बहुत ही स्पष्ट संदेश देता है कि आईओसी में एक तरह की आम सहमति है. जिम्बाब्वे की ओलंपियन कोवेंट्री 20 मार्च को ग्रीस में 144वें आईओसी सत्र में अपने चुनाव के बाद आईओसी की पहली महिला अफ्रीकी अध्यक्ष बनीं. डी वोस ने कहा कि उन्होंने मतदान से पहले कोवेंट्री के साथ व्यापक चर्चा की. हमने नए अध्यक्ष के लिए हमारी प्राथमिकताओं के बारे में बात की. वह मूल रूप से इस बात पर सहमत थीं कि ध्यान फिर से खेल पर आना चाहिए. आईओसी का मुख्य पेशा ओलंपिक खेलों का आयोजन करना है और हमारा मानना

है कि लोगों को इस दिशा में और अधिक आगे बढ़ना चाहिए. 2025 एफईआर फ़ोरम ने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए योग्यता प्रणाली, जंपिंग, इवेंटिंग, ड्राइविंग और पैरा-ड्राइविंग के लिए नियम अपडेट और एक रणनीतिक ड्रेसेज एक्शन प्लान सहित प्रमुख विषयों को संबोधित किया. लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक और पैरालिंपिक टीम और व्यक्तिगत स्पर्धाओं के लिए योग्यता अवधि जर्मनी के आचेन में 2026 एफईआर विश्व चैंपियनशिप के साथ शुरू होगी और 31 दिसंबर, 2027 को समाप्त होगी. एफईआई महासचिव सबरीना इबानेज़ ने कहा, हमने इस बारे में अपने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महासंघों के साथ स्पष्ट परामर्श किया है, और फिर हम इस वर्ष योग्यता के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे.

कोपा डेल रे सेमीफाइनल: रूडिगर बने हीरो, रियल मैड्रिड ने रियल सोसिएदाद को हराकर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिडः रियल मैड्रिड ने मंगलवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ रोमांचक 4-4 के ड्रॉ के साथ कोपा डेल रे के फाइनल में जगह बनाई, जिससे उसने कुल 5-4 के स्कोर के साथ सेमीफाइनल जीत लिया. एंटोनियो रूडिगर ने 115वें मिनट में हेडर के जरिए निर्णायक गोल किया, जिससे मैड्रिड अब फाइनल में बार्सिलोना या एटलेटिको मैड्रिड का सामना करेगा. पहले चरण में 1-0 से पिछड़ रही रियल सोसिएदाद ने एंडर बार्रेनचेया के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन एंड्रिक के शानदार चिप शॉट से रियल मैड्रिड ने बराबरी कर ली. डेविड अलाबा के आत्मघाती गोल और मिकेल ओयारज़ाबल के डिफ्लेक्टेड शॉट से सोसिएदाद को बढ़त मिली, लेकिन मैड्रिड ने जूड बेलिंघम और ऑरेलियन चुआमेनी के गोलों से वापसी की.
ओयारज़ाबल ने स्टॉपेज टाइम में दूसरा गोल कर मुकाबले को अतिरिक्त समय तक खींचा, लेकिन सोसिएदाद पेनल्टी तक मुकाबला नहीं ले जा सकी. अंततः रूडिगर के हेडर ने मैड्रिड को फाइनल में पहुंचा दिया. मैड्रिड के

कोच कार्लो एंसेलोटी ने विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो को शुरुआती लाइनअप में रखा, जबकि काइलियन एम्बाप्पे को आराम दिया और उनकी जगह एंड्रिक को मौका मिला. 18 वर्षीय एंड्रिक, जिन्होंने पहले चरण में एकमात्र गोल किया था, शुरूआती मिनटों में सक्रिय दिखे और एक शानदार ओवरहेड किक से गोल करने के करीब पहुंचे. बेलिंघम ने भी गोल करने की कोशिश की, लेकिन बढ़त रियल सोसिएदाद ने ली. बार्रेनचेया ने पाब्लो मारिन के पास पर बढ़त बनाते हुए गोल किया. हालांकि, मैड्रिड ने जल्द ही बराबरी कर ली. विनीसियस ने बाएं फ्लैंक से बेहतरीन थ्रू बॉल दी, जिस पर एंड्रिक ने शानदार लोब्ड फिनिश करते हुए गोल किया. सोसिएदाद ने पहले हाफ के अंत में पेनल्टी की मांग की, जब ताकेफुसा कुबो बॉक्स में विनीसियस से टकरा गए, लेकिन रेफरी ने इसे खारिज कर दिया. दूसरे हाफ में एंसेलोटी ने एंड्रिक की जगह एम्बाप्पे को मैदान पर उतारा, लेकिन मौके बनाने में सोसिएदाद अधिक सफल दिखी. गोलकीपर आंद्रिय लूनिन ने मार्टिन जुबिमेंडी का शानदार बचाव किया, लेकिन 72वें मिनट में मारिन के क्रॉस पर अलाबा का आत्मघाती गोल हुआ, जिससे सोसिएदाद को बढ़त मिली. इसके बाद ओयारज़ाबाल का डिफ्लेक्टेड शॉट लूनिन को छकाते हुए गोल में चला गया, जिससे सोसिएदाद की बढ़त और मजबूत हो गई. लेकिन इसके बाद मैड्रिड ने जोरदार वापसी की. 82वें मिनट में विनीसियस के पास पर बेलिंघम ने गोल किया और चार मिनट बाद चुआमेनी के हेडर पर गोलकीपर रेमिरो की गलती से स्कोर 4-4 हो गया.90+3वें मिनट में ओयारज़ाबाल के हेडर से मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया, लेकिन सोसिएदाद अंतिम क्षणों तक बढ़त नहीं बचा सकी. अंततः 115वें मिनट में अरदा गुलर के कॉर्नर पर रूडिगर के बेहतरीन हेडर ने मैड्रिड को फाइनल में पहुंचा दिया. अब बुधवार को एटलेटिको मैड्रिड और बार्सिलोना के बीच दूसरे सेमीफाइनल का मुकाबला होगा. दोनों टीमें पहले चरण में 4-4 की बराबरी पर हैं.

न्यूज कॉर्नर

संजू सैमसन को एनसीए से मिली हरी झंडी, राजस्थान रॉयल्स की कप्तानी के लिए तैयार

बेंगलुरु : संजू सैमसन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में विकेटकीपिंग करने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी मिल गई है और वह राजस्थान रॉयल्स के कप्तान के रूप में वापसी करने के लिए तैयार हैं. भारत और इंग्लैंड के बीच फरवरी में खेली गई टी20 श्रृंखला के दौरान तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की गेंद पर सैमसन के

दाहिने हाथ की बीच की उंगली पर चोट लग गई थी जिसकी उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी. वह राजस्थान रॉयल्स के आईपीएल में पहले तीन मैच में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेले थे तथा रियान पराग ने उनकी जगह कप्तानी का दायित्व संभाला था. राजस्थान रॉयल्स ने विज्ञप्ति में कहा, राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन को विकेटकीपिंग करने के लिए राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से मंजूरी मिल गई है. वह टीम के पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले अगले मैच में कप्तान के रूप में वापसी करेंगे. राजस्थान रॉयल्स को पहले तीन मैच में से दो मैच में हार का सामना करना पड़ा था.

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एआईएफएफ महासचिव के रूप में प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगाई

नई दिल्लीः दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव के रूप में अनिलकुमार प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगा दी. यह रोक उस याचिका के आधार पर लगाई गई है जिसमें कहा गया है कि उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय खेल संहिता का उल्लंघन है. न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने कहा कि इस मामले की अगली सुनवाई अगले सप्ताह होगी. अदालत ने दिल्ली फुटबॉल क्लब के निदेशक रंजीत बजाज की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि इस बीच प्रभाकरन की नियुक्ति पर रोक लगनी चाहिए. न्यायाधीश ने कहा, हम अगले सप्ताह सुनवाई जारी रखेंगे लेकिन इस बीच रोक लगानी होगी. मैं अंतरिम रोक (आदेश) पारित करूंगा. मामले की अगली सुनवाई आठ अप्रैल को होगी. बजाज की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राहुल मेहरा और शिवम सिंह ने प्रभाकरन को पद से हटाने की मांग की और तर्क दिया कि वह पहले एआईएफएफ कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए थे और इसलिए उन्हें नियुक्त नहीं किया जा सकता था. एआईएफएफ ने पिछले साल जुलाई में केरल के रहने वाले प्रभाकरन को अपना महासचिव नियुक्त किया था.

दिग्वेश सिंह पर लगा मैच फीस का 25% जुर्माना

नई दिल्लीः मंगलवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी)और पंजाब किंग्स के बीच खेले गए आईपीएल 2025 मैच के दौरान एलएसजी के तेज गेंदबाज दिग्वेश सिंह को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन का

दोषी पाया गया है. इसके चलते उन्हें उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना भरना होगा और साथ ही उनके खाते में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है. दिग्वेश ने पंजाब किंग्स के बल्लेबाज प्रियांश आर्य को शार्दुल ठाकुर के हाथों कैच आउट कराया, आर्या डग-आउट की ओर जा रहे थे, तो दिग्वेश ने उनका पीछा किया और एक काल्पनिक नोटबुक पर लिखना शुरू कर दिया. हालांकि बल्लेबाज ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की. गौरतलब है कि पिछले साल दिल्ली प्रीमियर लीग में दोनों ने एक ही टीम का प्रतिनिधित्व किया था. दिग्वेश की इस हरकत को आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन माना गया. दिग्वेश ने लेवल 1 अपराध के तहत अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करना स्वीकार किया और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा को स्वीकार कर लिया. आचार संहिता के अनुसार, लेवल 1 के उल्लंघन के मामलों में मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होता है, जिसे चुनौती नहीं दी जा सकती. आईपीएल के नियमों के अनुसार, यदि किसी खिलाड़ी के चार डिमेरिट पॉइंट जुड़ जाते हैं, तो उन्हें एक मैच के लिए निलंबित किया जा सकता है. हालांकि, दिग्वेश पर अभी सिर्फ एक डिमेरिट पॉइंट लगा है, इसलिए उन्हें किसी निलंबन का सामना नहीं करना पड़ेगा. लेकिन अगर आगे भी इस तरह की कोई घटना दोहराई जाती है, तो उन पर सख्त कार्रवाई हो सकती है.

गोवा के लिए डोमेस्टिक क्रिकेट खेलेंगे यशस्वी

नई दिल्लीः भारत ही नहीं दुनियाभर के दिग्गज इस समय आईपीएल के 18वे आयोजन में अपनी अपनी टीम की तरफ से जलवा दिखा रहे हैं. इस बीच अब ये खबर आ रही है कि 23 वर्षीय युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल अपनी टीम की तरफ से नहीं खेलेंगे. वह ऐसा बदलाव आईपीएल के लिए नहीं

बल्कि डोमेस्टिक क्रिकेट के लिए करने जा रहे हैं. बता दें कि यशस्वी मुंबई की तरफ से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं. लेकिन अब यह युवा बल्लेबाज गोवा के लिए खेलता नजर आएगा. जी हां मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यशस्वी जयसवाल ने मुंबई क्रिकेट ऐसोसिएशन से अनापत्ति प्रमाण छजउभी ले ली है. अचानक से लिए इस फैसले से सभी को हैरान कर दिया हैं. रिपोर्ट में ये भी दावा किय गया है कि यशस्वी गोवा के कप्तान भी हो सकते हैं. गोवा क्रिकेट ऐसोसिएशन की तरफ से उन्हें ये प्रस्ताव मिला है. डोमेस्टिक क्रिकेट में मुंबई के लिए कई बड़े दिग्गज खिलाडी हैं जो इसे खेलते हैं. वहीं मुंबई कि कप्तानी अजिंक्य रहाणे करते हैं और उनकी गैर मौजूदगी में श्रेयस अय्यर का नाम सबसे आगे होता है. वो कई बार टीम कि कमान भी संभल चुके है. अब ऐसे में यशस्वी जायसवाल के लिए मुंबई के कप्तान बनाना काफी मुश्किल भी है. जबकि यशस्वी गोवा टीम की अगुवाई जरते नजर आ सकते हैं. अपने गुहावटी में आईपीएल मैच के दौरान ही यशस्वी ने मुंबई क्रिकेट ऐसोसिएशन को चिठ्ठी लिखकर एनओसी ले ली.

न्यूज कॉर्नर

राज्य सरकार ने अवैध खनन पर कसी नकेल, मुख्यालय स्तर पर संयुक्त टास्क फोर्स गठित

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण के लिए राज्य सरकार की सख्त नीति की घोषणा की है. उन्होंने कहा कि अब आकस्मिक संयुक्त अभियान चलाए जाएंगे ताकि खनन माफियाओं पर कड़ी कार्रवाई हो सके. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करें और राज्यहित को सर्वोच्च प्राथमिकता दें. मुख्यमंत्री बुधवार को अपने निवास पर अवैध खनन पर नियंत्रण के लिए की गई कार्रवाई की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे. उन्होंने कहा कि राजस्थान में खनिज संसाधनों की अपार संभावनाएं हैं, जिससे लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलता है. राज्य के राजस्व में खनन क्षेत्र की अहम भूमिका को देखते हुए सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि खनिज संपदा का उचित दोहन हो और राजस्व में वृद्धि हो. मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि अवैध खनन रोकने के लिए पुलिस, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग और खनन विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें. उन्होंने जिला कलेक्टरों को खनन माफियाओं पर सख्त कार्रवाई करने के आदेश दिए और कहा कि कानून का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने से ही अवैध खनन करने वालों में भय पैदा होगा. मुख्यमंत्री ने खनन विभाग को जिला स्तरीय एसआईटी की नियमित मॉनिटरिंग करने और प्रतिदिन की बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध खनन पर निगरानी के लिए ड्रोन और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाए. ड्रोन के माध्यम से फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कर अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकता है. इसके अलावा, अवैध खनन की रोकथाम के लिए मुख्यालय स्तर पर संयुक्त टास्क फोर्स गठित करने के निर्देश भी दिए गए हैं. मुख्यमंत्री ने लंबित प्रकरणों के त्वरित निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि इससे अवैध खनन पर लगाम लगाने की प्रक्रिया को गति मिलेगी. मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-सैंड नीति के तहत बजरी के विकल्प के रूप में एम-सैंड को प्रोत्साहन दिया जाए. प्रदेश में एम-सैंड इकाइयों की स्थापना और इसके उपयोग को बढ़ावा देने से बजरी के दोहन में कमी आएगी. साथ ही, खान विभाग में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने का आश्वासन भी दिया गया. मुख्यमंत्री ने टोंक, नागौर, भीलवाड़ा, सवाई माधोपुर, डीग, कोटपूतली, राजसमंद और चित्तौड़गढ़ के जिला कलेक्टरों से अवैध खनन पर चल रही कार्रवाई की जानकारी ली और आवश्यक निर्देश दिए. बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता वैध खनन को बढ़ावा देना और अवैध खनन पर अंकुश लगाना है ताकि राजस्व में वृद्धि के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ सकें. प्रमुख शासन सचिव खान एवं पेट्रोलियम टी. रविकांत ने अवैध खनन के संभावित खनिज क्षेत्रों, संवेदनशील जिलों और अवैध खनन के विरुद्ध की गई कार्रवाइयों की जानकारी दी.

राजौरी में मादक पदार्थ के तस्कर की संपत्ति कुर्क

जम्मू: जम्मू कश्मीर के राजौरी जिले में प्राधिकारियों ने बुधवार को मादक पदार्थ की तस्करी के एक आरोपी की चल और अचल संपत्ति को कुर्क कर दिया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि राजौरी तहसील निवासी हारून रशीद के आवासीय एवं व्यावसायिक भवनों और कार को स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 की धाराओं के तहत जब्त कर लिया गया है. यह कार्रवाई क्षेत्र में मादक पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए किए जा रहे प्रयासों के तहत की गई. रशीद पहले से ही मादक पदार्थ की तस्करी के कई मामलों में संलिप्त है.

परिजनों की हत्या करने के बाद व्यक्ति ने आत्महत्या की

चिकमगलूरु (कर्नाटक): कर्नाटक के चिकमगलूरु जिले के मगलू गांव में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने अपने परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी और फिर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. पुलिस ने बुधवार को इस बारे में जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि स्कूल में ड्राइवर के तौर पर काम करने वाले रत्नाकर गौड़ा ने अपनी सास ज्योति (50), साली नादिनी सिंधु (24) और बेटी मौल्या (6) की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी. पुलिस के मुताबिक सिंधु के पति अविनाश (38) के पैर में भी गोली लगी है और उसका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है. पुलिस के मुताबिक, घटना मंगलवार रात करीब 10 बजे हुई. अपने परिवार के सदस्यों की हत्या करने के बाद गौड़ा ने एसबीबीएल (सिंगल बैरल ब्रीच लोडिंग) पिस्तौल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली. तीन लोगों की हत्या में भी इसी पिस्तौल का इस्तेमाल किया गया था. पुलिस के अनुसार अपराध करने से पहले आरोपी ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था, जिसमें उसने आरोप लगाया था कि उसके परिवार ने उसे धोखा दिया है. पुलिस के मुताबिक उसने अपनी पत्नी पर यह भी आरोप लगाया कि वह उसे छोड़कर दो साल से घर से दूर रह रही थी. पुलिस को संदेह है कि पारिवारिक विवाद के कारण लोगों की हत्या की गई. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हमने यहां बालेहोन्नूर पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज कर लिया है और शस्त्र अधिनियम की धाराएं भी लगायी गयी हैं. आगे की जांच जारी है.

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 74.17 लाख की ठगी करने वाला शातिर को महाराष्ट्र से पकड़ा

जयपुर: साइबर थाना पुलिस ने 74 लाख रुपए से अधिक की साइबर ठगी के मामले का खुलासा कर एक आरोपी को महाराष्ट्र से पकड़ा है. आरोपी को जयपुर लाकर पूछताछ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है. वह लोगों को वाट्सएप पर मैसेज भेजकर शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट का झांसा देता और अलग-अलग बैंक खातों में रुपए जमा करवाकर ठगी की वारदात को अंजाम देता था. वारदात के लिए शातिर अपराधी अलग-अलग मोबाइल सिम का इस्तेमाल करता था.

पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुंदन कंवरिया ने बताया कि 74.17 लाख रुपए की साइबर ठगी के मामले में आरोपी तुषार वासुदेव पुस्तके निवासी दहिवडी तालुका मान जिला सातारा (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया गया है. उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है. आरोपी ने इन्वेस्टमेंट के नाम पर करीब 40-50 बैंक खातों में रुपए ट्रांसफर करवाए. पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी के द्वारा ऑनलाइन शेयर मार्केट में इन्वेस्ट के नाम पर लोगों के साथ साइबर धोखाधड़ी के लिए पहले एक फर्जी व्हाट्सएप नम्बर पर सम्पर्क किया जाकर अपने व्हाट्सएप ग्रुप में इन्वेस्टमेंट करने के लिये जोड़ा जाता है. फिर फर्जी लुभावने विज्ञापनों के बारे में जानकारी दी जाती है. जिसमें मोटे मुनाफे का लालच दिखाया जाता. उसके बाद एक वेब पेज का लिंक भेजकर रजिस्ट्रेशन करवा कर शेयर मार्केट में इन्वेस्टमेंट के नाम से रुपए जमा करवाकर धोखाधडी की जाती है. बदमाश धोखाधडी की राशि अलग-अलग बैंक खातों में डिपोजिट करवाते थे. डिपोजिट राशि का लेन देन वेब पेज पर दर्शाते है. शुरुआत में पीड़ित से छोटे-छोटे अमाउण्ट इन्वेस्ट करवाते है और उसका फर्जी मुनाफा उसके मोबाइल पर वेब पेज पर दर्शा कर पीडित का विश्वास जीत लिया जाता था. इसके बाद खाते में मोटा अमाउण्ट इन्वेस्ट करने के लिए प्रेरित किया जाता और उसके पेज पर अधिक मुनाफा दिखाया जाता. इसके बाद विभिन्न प्रकार के टैक्स (इन्कम टैक्स, सर्विस टैक्स, मेम्बर एवं वीआईपी चार्जेज) लगा कर विड्रो करने से पीडित को रोकते और जब पीडित व्यक्ति अपनी राशि निकालने के लिए दबाव डालता है तो मोबाइल बन्द कर लेते है या ग्रुप से हटा देते है. पुलिस उपायुक्त (अपराध) ने बताया कि परिवादी ने 15 जनवरी को साइबर ठगी का मामला साइबर अपराध थाने में दर्ज करवाया था कि शेयर मार्केट में ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर उससे अलग-अलग ट्रांजेक्शन कर 74.17 लाख रुपए की ठगी की गई. पुलिस ने तकनीकी रूप से अनुसंधान किया तो सामने आया कि आरोपी ने अलग-अलग खातों में 23 लाख रुपए से अधिक राशि का ट्रांजेक्शन किया गया. मोबाइल नंबर की पड़ताल में सामने आया कि आरोपी महाराष्ट्र के सतारा जिले का निवासी है. जांच पड़ताल में आरोपी का जो पता मिला, पुलिस वहां पहुंची तो आरोपी नहीं मिला.

इजराइल गाजा में बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करने के उद्देश्य से अभियान का विस्तार कर रहा: रक्षा मंत्री

यरूशलम: गाजा पट्टी में बड़े क्षेत्रों पर कब्जा करने के उद्देश्य से इजराइल अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है. रक्षा मंत्री ने बुधवार को यह जानकारी दी. रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने बुधवार को एक लिखित बयान में कहा कि फलस्तीनी क्षेत्र में इजराइल अपने सैन्य अभियान का उग्रवादियों को खदेड़ने के उद्देश्य से विस्तार कर रहा है.

इजराइल सरकार ने लंबे समय से गाजा के अंदर सुरक्षा बाड़ के साथ एक बफर जोन बनाए रखा है और 2023 में युद्ध शुरू होने के बाद से इसका काफी विस्तार किया है. इजराइल का कहना है कि बफर जोन उसकी सुरक्षा के लिए जरूरी है, जबकि फलस्तीनियों का मानना है कि यह एक भूमि हड़पने जैसा कृत्य है जो संकीर्ण तटीय क्षेत्र को और छोटा कर देता है. काट्ज ने यह स्पष्ट नहीं किया कि विस्तारित अभियान में गाजा के किन क्षेत्रों पर कब्जा किया जाएगा.

वक्फ संशोधन विधेयक के नाम पर विपक्षी दल देश में माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे : ललन सिंह

नई दिल्ली: जनता दल-यूनाइटेड (जद-यू) के सांसद एवं पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को उनकी पार्टी के पूर्ण समर्थन की घोषणा करते हुए लोकसभा में बुधवार को कहा कि विपक्षी दल इस विधेयक को लेकर एक अलग तरह का विमर्श गढ़ने की और देश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं. सिंह ने वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 पर सदन में जारी चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश में ऐसा विमर्श गढ़ा जा रहा है कि यह विधेयक मुसलमान विरोधी है, जबकि हकीकत यह है कि इसके पारित होने के बाद मुस्लिम समुदाय के हर वर्ग के हितों की रक्षा होगी. उन्होंने कहा कि वक्फ कोई मुस्लिम संस्था नहीं, बल्कि एक न्यास है, जिसे मुस्लिम हितों की रक्षा के लिए बनाया गया था. उन्होंने कहा, यह कोई धार्मिक संस्था नहीं है, बल्कि एक निकाय है. मंत्री ने कहा कि कुछ लोग देश का माहौल खराब करने में लगे हैं और उनकी बेचैनी सिर्फ इसलिए है कि उनका वक्फ पर से परोक्ष या प्रत्यक्ष नियंत्रण समाप्त हो जाएगा. उन्होंने कहा कि वक्फ की संपत्तियों और उससे होने वाली आमदनी को मुसलमानों के हक में खर्च करने के प्रावधान किये जा रहे हैं. उन्होंने कहा, फिर आपके विरोध का आधार क्या है? यदि आप विमर्श गढ़ रहे हैं तो बस अपने लाभ के लिए.

सिंह ने कहा कि विपक्षी दल पूछ रहे हैं कि संशोधन से क्या फायदा मिलेगा? उनके जवाब में वह कहना चाहते हैं कि पसमांदा समाज के लोग भी मुस्लिम समुदाय का हिस्सा हैं, लेकिन वक्फ में उनकी कोई

हिस्सेदारी नहीं है. उन्होंने कहा कि वह संशोधन विधेयक को लेकर तूफान खड़ा करने वाले लोगों को बताना चाहते हैं कि संशोधन विधेयक में वैसे प्रावधान किये गये हैं जिनके जरिये पसमांदा समाज भी वक्फ का हिस्सा बनेगा और इस समाज के लोग इस अच्छे काम के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का गुणगान करेंगे. उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को मोदी जी का चेहरा पसंद नहीं है. उन्होंने कहा, यदि मोदी जी का चेहरा पसंद नहीं है तो उनकी ओर देखने के बजाय उनके अच्छे कामों की ओर देखिए. वर्ष 2013 में आपने (विपक्ष ने सत्ता पक्ष में रहकर) जो पाप किये हैं उसे प्रधानमंत्री धो रहे हैं.

सिंह ने कहा कि भागलपुर का दंगा कांग्रेस की सरकार के कार्यकाल में ही हुआ था. उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने हमेशा वोट के लिए लोगों को बांटकर रखा. उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के एक घटक ने कहा है कि जदयू धर्मनिरपेक्ष पार्टी है, और उनकी पार्टी को किसी से धर्मनिरपेक्षता का प्रमाण-पत्र नहीं चाहिए. उन्होंने कहा, ''हमारी राजनीति वोट के लिए बांटने वाली राजनीति नहीं है. उन्होंने कहा कि महिलाओं के नाम पर राजनीति करने वाले विपक्षी दल क्या यह बता सकते हैं कि क्या मुसलमानों में महिलाएं नहीं हैं और यदि उन्हें भी वक्फ में शामिल किया जाएगा तो क्या वे लाभान्वित नहीं होंगी? सिंह ने कहा कि ऐसा कैसे संभव है कि वक्फ ने जिस संपत्ति पर हाथ रख दिया, वह उसकी हो गयी. उन्होंने कहा कि अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने संसद भवन और राष्ट्रपति भवन को वक्फ की संपत्ति होने से बचा लिया. उन्होंने कहा कि जद (यू) विधेयक का पूर्ण समर्थन करता है.

सिंगापुर में आंतरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत दो किशोरों को हिरासत में लिया गया

सिंगापुर: सिंगापुर ने आंतरिक सुरक्षा अधिनियम के तहत दो किशोरों को हिरासत में लिया है. इनमें 15 वर्षीय लड़की को इस्लामिक स्टेट (आईएस) का समर्थक होने के कारण तथा 17 वर्षीय लड़के को ईस्ट एशियन सुपरमेसिस्ट'का समर्थक होने तथा दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधाराओं से जुड़े होने के कारण पकड़ा गया है. आंतरिक सुरक्षा विभाग (आईएसडी) ने बुधवार को यह जानकारी दी. खबर के अनुसार, लड़की ऐसी पहली महिला और दूसरी सबसे कम उम्र की किशोरी है जिसके खिलाफ आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (आईएसए) के तहत प्रतिबंध आदेश लगाए जाएंगे. हिरासत में लिए गए किशोर की पहचान 18 वर्षीय निक ली जिंग किउ के ऑनलाइन संपर्क के रूप में की गई है. निक ली जिंग किउ हिंसक दक्षिणपंथी विचारधाराओं के संपर्क में आकर कट्टरपंथी बन गया था और पिछले साल दिसंबर में उसे हिरासत में लिया गया था.

होटल की आड़ में चल रहा था देह व्यापार, महिला व तीन युवक काबू

हिसार: हांसी सदर पुलिस ने जींद रोड स्थित एक होटल पर छापा मारकर देह व्यापार का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने एक महिला व तीन युवकों को मौके से गिरफ्तार किया. चारों को पुलिस पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई. पुलिस की दबिश से पहले ही होटल मालिक व मैनेजर दोनों मौके से फरार हो गए.

होटल में दबिश के दौरान एक युवती व तीन युवकों के संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़े जाने पर पुलिस ने होटल को सील कर दिया.हांसी सदर थाना प्रभारी प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई के नेतृत्व में पुलिस ने बुधवार को शहर के विभिन्न होटलों व कैफे सैंटरों पर सर्च अभियान चलाया. सर्च अभियान के दौरान पुलिस ने जींद रोड स्थित एक होटल में दबिश देकर एक कमरे में एक महिला व तीन युवकों को काबू किया. प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि जींद रोड स्थित अनाज मंडी के सामने स्थित एक होटल में अनैतिक कार्य हो रहा है. सूचना के बाद होटल पर दबिश दी गई तो यहां एक कमरे में एक युवती और तीन युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में पाया गया. युवकों व युवती को पुलिस हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई ने बताया कि पुलिस को पिछले कई दिनों से सूचना मिल रही थी कि जींद रोड स्थित होटल गुड लक में देह व्यापार की प्रतिबंधित गतिविधियां चल रही है. सूचना के आधार पर पुलिस ने बुधवार दोपहर को अनाज मंडी चौकी व महिला पुलिस की टीम संयुक्त कार्रवाई करते हुए होटल की आड़ में अनैतिक देह व्यापार करने के आरोप एक महिला के साथ तीन युवकों काबू किया है.

उन्होंने कहा कि पुलिस की यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी और हांसी शहर में देह व्यापार करने वाले लोगों को यह शहर छोड़ना पड़ेगा. शहर में किसी स्थान पर देह व्यापार करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा. जींद रोड स्थित होटल गुडलक पर इससे पहले भी कई बार पुलिस दबिश देकर देह व्यापार के आरोप में कई युवक व युवतियों को पकड़ चुकी है.

चीनी सेना ने ताइवान के आसपास बड़े पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया

ताइपे: चीनी सेना ने मंगलवार को ताइवान के आसपास के जलक्षेत्र और हवाई क्षेत्र में व्यापक पैमाने पर सैन्य अभ्यास किया. पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के ईस्टर्न थिएटर कमान के प्रवक्ता शी यी के अनुसार इस सैन्य अभ्यास में नौसेना, वायु सेना और रॉकेट बल शामिल थे और इसका उद्देश्य ताइवान की स्वतंत्रता को गंभीर चेतावनी देना'' था. ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, चीन की जबरदस्त सैन्य उकसावेबाजी न केवल ताइवान

जलडमरूमध्य में शांति के लिए खतरा है बल्कि पूरे क्षेत्र में सुरक्षा को कमजोर करती है. हम चीन के आक्रामक व्यवहार की कड़ी निंदा करते हैं. ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा, मैं कहना चाहता हूं कि ये कार्रवाई क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के विनाश को प्रतिबिंबित करती हैं. कू ने कहा कि ताइवान ने इस तरह के अभ्यासों की निगरानी के लिए एक केंद्रीय समूह स्थापित किया है.

सरकार अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए वक्फ विधेयक लाई : अखिलेश

नई दिल्ली: समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद अखिलेश यादव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि अपनी नाकामी पर पर्दा डालने के लिए सरकार वक्फ (संशोधन) विधेयक लाई और यह सत्तारूढ़ भाजपा का सियासी हठ है तथा उसकी सांप्रदायिक राजनीति का एक नया रूप है. उन्होंने विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि वक्फ से जुड़े जिन मुद्दों पर फैसला लिया जाना था उन्हें इस विधेयक में अहमियत नहीं दी गई है. अखिलेश ने नोटबंदी के केंद्र के फैसले पर तंज कसते हुए कहा, बहुत तैयारी के साथ आये थे, फैसला लिया था कि आधी रात के बाद नोट नहीं चलेंगे, लेकिन अभी भी कितनी जगह से कितना रुपया

निकल रहा. उन्होंने सवाल किया कि केंद्र की भाजपा सरकार ने बेरोजगारी दूर करने, किसानों की आय दोगुनी करने के वादे किये थे, उनका क्या हुआ? उन्होंने कहा, क्या गंगा नदी साफ हो गई, यमुना नदी साफ हो गई. क्या गोद लिये गए गांव गोद से उतार दिये गए? उनकी आज क्या दशा है?

सपा प्रमुख ने कहा, नाकामी का पर्दा इस बार बार वक्फ विधेयक बना है. उन्होंने कहा कि क्या रेलवे और रक्षा मंत्रालय की जमीन नहीं बेची जा रही? उन्होंने कहा, वक्फ की जमीन से बड़ा मुद्दा वह जमीन है जिस पर चीन ने अपने गांव बसा लिए हैं. लेकिन कोई भी इस बाहरी खतरे पर सवाल-बवाल न करे, इसलिए यह विधेयक लाया गया. अखिलेश ने कहा, मंत्री जी (किरेन रीजीजू) उसी सीमावर्ती राज्य, अरूणाचल प्रदेश से आते हैं. वह बतायें कि कितनी जमीन पर चीन ने गांव बसा लिए हैं. उन्होंने कहा, वक्फ विधेयक भाजपा का सियासी हठ है और यह भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति का एक नया रूप है. सपा सांसद ने कहा कि वे चाहते हैं कि मुस्लिम समुदाय उद्वेलित हो और ध्रुवीकरण हो, ताकि वे इसका राजनीतिक लाभ उठा सकें.

सपा सांसद ने दावा किया, भाजपा मुसलमान भाइयों की जमीन चिह्नित करने की कोशिश कर रही है, ताकि महाकुंभ में मरने वाले या खो गए लोगों पर पर्दा पड़ जाए. उन्होंने कहा, कुंभ में सबकी आस्था है, यह कोई पहली बार नहीं (आयोजित) हो रहा था, लेकिन भाजपा के लोगों ने यह प्रचार किया कि 144 वर्षों के बाद पहली बार ऐसा होने जा रहा, लोग निकल पड़े इसके लिए. उन्होंने उल्लेख किया, वहां (उत्तर प्रदेश) की सरकार ने कहा था कि हमारी तैयारी 100 करोड़ लोगों के लिए है, लेकिन वे 30 लोग कौन थे जिनकी (महाकुंभ में) जान चली गई. सरकार बताये कि जो 1,000 हिंदू (कुंभ मेले में) खो गए, जो अभी तक नहीं खोजे जा सके हैं, उसकी सूची कहां है?अखिलेश ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नाम लिये बिना कहा कि वह 30 के आंकड़े में उलझे हुए हैं. उनसे पूछा गया कि (महाकुंभ मेले में) कितने का कारोबार हुआ तो उन्होंने 30 से गुना कर उसका आंकड़ा बताया था. सपा सांसद ने सवाल किया, क्या कुंभ कारोबार की जगह है?

वक्फ धार्मिक संस्था नहीं वैधानिक संस्था है, पिछड़े मुसलमानों को इसमें जगह दिया जाएगा: रविशंकर प्रसाद

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद रविशंकर प्रसाद ने वक्फ को धार्मिक संस्था के बजाय वैधानिक संस्था करार देते हुए बुधवार को लोकसभा में कहा कि मौजूदा कानून में संशोधन के जरिये यदि पिछड़े मुसलमानों को भी इसमें जगह देने की बात कही जा रही है तो इसमें विपक्षी दलों को क्या परेशानी है. उन्होंने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि देश में वक्फ की आठ लाख संपत्ति है, लेकिन इनमें से कितने पर स्कूल, अस्पताल बने, कौशल विकास केंद्र खोले गए, अनाथालय बने और विधवाओं या बेटियों को सिलाई-कढ़ाई सिखाने की व्यवस्था की गई? भाजपा सांसद ने विपक्षी दलों पर हमला करते हुए सवाल किया, वक्फ की फंडिंग बढ़ने पर उस जमात का कल्याण होगा तो उन्हें क्या परेशानी है. उन्होंने कहा, आप इस विधेयक का विरोध क्यों कर रहे हैं? आपको इस विधेयक से क्या परेशानी है? क्या आप नहीं चाहते कि वक्फ की संपत्ति गरीबों, पसमांदा मुसलमानों और बेटियों के काम आए. पूर्व कानून मंत्री ने कहा, मैं जिस प्रदेश, बिहार से आता हूं वहां पिछड़े मुसलमान भी हैं. उत्तर प्रदेश में भी बड़ी संख्या में ये लोग हैं. लेकिन पसमांदा (पिछड़े) मुसलमानों को वक्फ में अधिकार नहीं मिलता. यदि पिछड़े मुसलमानों को भी वक्फ में जगह देने की बात की जा रही, तो उन्हें क्या परेशानी है? उन्होंने विपक्षी दलों के कुछ नेताओं पर तंज कसते हुए कहा, आजकल लाल किताब लेकर बहुत से लोग घूमते हैं, जब भी कोई बात होती है इसे दिखाया जाता है.

उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें लिखा है कि सरकार महिलाओं के विकास के लिए कानून बना सकती है, अब वक्फ में उनकी भूमिका के लिए कानून लाया जा रहा तो यह गैर कानूनी कैसे हो गया. प्रसाद ने कहा कि इसी अनुच्छेद में यह भी लिखा है कि सरकार सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के कल्याण के लिए काम कर

सकती है और वक्फ अधिनियम में संशोधन की अनुमति अनुच्देद 15 से मिलती है. उन्होंने कहा, सदन में कांग्रेस के उपनेता (गौरव गोगोई) ने अनुच्छेद 25 का जिक्र किया. मैं कहना चाहता हूं कि वक्फ की जमीन यदि बर्बाद हो रही, लूटी जा रही, हड़पी जा रही, तो संविधान का अनुचछेद 25 इसपर कानून बनाने का अधिकार देता है. वक्फ कोई धार्मिक संस्था नहीं है, बल्कि यह सिर्फ वैधानिक संस्था है.भाजपा सांसद ने एक किताब का हवाला देते हुए कहा, मुतवल्ली 'मैनेजर (प्रबंधक)' होता है और मुतवल्ली को वक्फ से जुड़ी संपत्तियों पर कोई अधिकार नहीं है बल्कि वह महज एक 'मैनेजर' है लेकिन विपक्ष को परेशानी इस बात की है कि मुतवल्ली के उपर 'कंट्रोल (नियंत्रण)' नहीं होना चाहिए.प्रसाद ने कहा कि वक्फ की आठ लाख संपत्ति है, यह दुनिया की सबसे बड़ी संपत्ति है और मुतवल्ली उनका प्रबंधन करते हैं. उन्होंने सवाल किया, क्या मुतवल्ली की जवाबदेही होती है? उन्होंने कहा, अगर 'वक्फ' देने वालों की संपत्ति लूटी जा रही तो क्या खामोशी चलेगी? उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि राजीनितक मजबूरी इनके पैर पीछे खींचती है और बहुत सालों से उनका राग, सुर तीखापन और भाषा वही है.प्रसाद ने कहा कि याद करिये शाहबानो मामले को, जब उच्चतम न्यायालय के फैसले पर हो-हल्ला किया गया. उन्होंने उल्लेख किया कि उस समय राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, लेकिन मात्र एक बेवा मुस्लिम महिला को शीर्ष अदालत के फैसले में कुछ सौ रूपये दिये जाने का आदेश सुनाये जाने पर देश में हंगामा खड़ा कर दिया गया था. उन्होंने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए कहा कि 'तीन तलाक' की प्रथा पर दो साल तक इनकी सरकार ने उच्चतम न्यायालय में जवाब नहीं दाखिल किया, ताकि मामला लटका रहे.प्रसाद ने कहा कि जब 'तीन तलाक' पर कानून बना तो ऑल इंडिया मुस्लिम पसर्नल लॉ बोर्ड ने पूरे देश में आंदोलन खड़ा करने कोशिश की. उन्होंने कहा, नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पर क्या-क्या तूफान खड़ा किया गया. उन्होंने कहा, मुस्लिम जमात के आदर्श कौन होंगे? यदि वे वोटों की दलाली और सौदागरी करने वाले लोग होंगे, तो यह स्वीकार्य नहीं होगा.

सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर परिवार से आठ लाख की ठगी में फर्जी सैन्य अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली: खुद को सैन्य अधिकारी बता सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर दिल्ली में एक परिवार से आठ लाख रुपये से अधिक की ठगी के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है. एक पुलिस अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी.

अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुमित सिंह (28) के रूप में की गई है, जो दिल्ली के उत्तम नगर इलाके का निवासी है. उन्होंने कहा कि सुमित लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए लेफ्टिनेंट कर्नल की वर्दी पहननता था, फर्जी बैज एवं रबड़ की मुहर का इस्तेमाल करता था तथा उसने सेना के फर्जी दस्तावेज भी बनवा रखे थे. पुलिस के मुताबिक, सुमित दिल्ली और उत्तर प्रदेश में भी इसी तरह की धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल रह चुका है. पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ लखनऊ में बलात्कार और धोखाधड़ी, जबकि हरदोई में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है. पुलिस के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जौनपुर के मूल निवासी सुमित ने कथित तौर पर कैंटीन का कार्ड खरीदा था और उसने रक्षा मंत्रालय के तहत फर्जी नियुक्ति पत्र भी जारी किए थे. एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 30 साल की एक महिला वकील की शिकायत के आधार पर गुलाबी बाग पुलिस थाने मेंमामला दर्ज किया गया है.

सुडोकू–91

	4		8	1			2	
8		7	4			3		
					3	5	4	8
			5	3	8			2
3								6
9			7	6	4			
4	9	5	3					
		2			7	8		5
	8			5	2		3	

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.

उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -90 का उत्तर

1	4	7	5	3	8	2	6	9
2	3	6	9	4	7	1	8	5
5	8	9	6	1	2	4	3	7
7	1	4	2	6	3	9	5	8
9	5	3	8	7	1	6	4	2
6	2	8	4	9	5	7	1	3
4	7	1	3	8	9	5	2	6
8	6	5	7	2	4	3	9	1
3	9	2	1	5	6	8	7	4

युवा शक्ति माथापच्ची- 196

1	2		3	4		5	6	■
7		■	8		■	9		10
11		12	■	■	13	■	■	
	■		■	14		15	16	
■	17		■		■	18		■
19			20		■		■	21
	■	■		■	■	22	23	
24	25	26	■	27	28	■	29	
■	30							

● **बाएं से दाएं**

1. चलाने की विधि, संचालन के नियम, 7. हमला, आक्रमण, 8. अपशब्द, गारी, 9. दाता, देने वाला, 11. धवल, चांदी, 14. प्रासाद, राजा का निवास, 17. धूल, मिट्टी, राख, 18. दशा, वृतांत, विवरण, 19. चमकता हुआ, प्रसिद्धि, 22. पकड़, बंधन, 24. काठी में लगा पायदान, 27. मूल्य, 29. अधम, गिरा हुआ, 30. मसाला मिला खाद्य, चटपटा खाना,

● **उपर से नीचे**

1. आना, पहुंचना, 2. प्रथा, चलन, 3. जुड़ा, साथ वाला, 4. छोटा नल, बंदूक का भाग जहां से गोली निकलती है, 5. जब, जहां, 6. एक प्रत्यय, दैत्य जो शिल्पी था, 10. नीरज, पंकज, 12. तूणीर, तीर रखने का चोंगा, 13. काम, धंधा, बटन के लिए बना छेद, 14. खाने-पीने की सामग्री, 15. बड़ा राजा, ब्राह्मण, भोजन पकाने वाला, 16. समाधान, 17. नक्शा, ढ़ांचा, रुपरेखा, कच्चा चिट्ठा, 19. भेद, किस्म, 20. आक्रमण, दिन, 21. रुकावट, अवरोध, 23. दासी, 25. कार्य, मतलब, व्यवसाय, 26. टिका, ठहरा, बना, आबाद, 27. पितामह, गुंडा, 28. मृत्यु, संसार.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 195 का हल

न	य	न	■	■	प्र	भा	वि	त
क	था	■	बि	स्वा	■	ट	क	■
ल	क	ड़ी	■	भा	स	क	र्ण	■
क	र्म	■	■	वि	द	■	क	ल
र	■	अ	धि	क	र	ण	■	ह
ना	र	■	म	रु	■	■	क	र
■	प	द	चा	प	■	सु	दा	मा
■	ट	ल	■	से	ना	■	चा	र
प	न	प	ना	■	■	हा	र	ना

कोलकाता में णमोकार दिवस की गूंज, जैन समाज ने किया भव्य आयोजन

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: बुधवार को पूरे विश्व में णमोकार दिवस की धूम रही और इसी कड़ी में कोलकाता के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर (पी-43, सी.आई.टी. रोड, स्कीम 6एम, कोलकाता-700 054) में एक भव्य आम सभा का आयोजन किया गया. इस सभा में जीतो कोलकाता चैप्टर के अधिकारियों एवं जैन समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई. इस अवसर पर जीतो कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष धर्मेंद्र जैन ने विचार-विमर्श किया और समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध किया कि वे इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु अपने सुझाव और मार्गदर्शन प्रदान करें. सभा में प्रमुख रूप से नरेंद्र बरड़िया, चंद्रेश मेघानी, निर्मल जी बिंदायका, रतन दुगड़,जे के काला, भागचंद काला, अजित सेठी, संजय काला (हिंदमोटर), सुनील पहाड़िया, संजय सिंघी, जयसिंह जी डागा, बुधमल जी लूनिया, अजय भंसाली, अनिता गंगवाल, विजय बावलिया और शांति पाटनी ने अपने विचार रखे. सभा का संचालन जीतो संयोजक दिनेश जैन गंगवाल द्वारा किया गया. इस आयोजन में 250 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया और जैन समाज की एकता और धार्मिक समर्पण का परिचय दिया. इस अवसर पर जैन धर्म के अनुयायियों ने णमोकार मंत्र का जप कर विश्व शांति और समाज के कल्याण की कामना की. कार्यक्रम में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों में सक्रिय भागीदारी का संकल्प लिया.

हेरिटेज स्कूल ने नेक्सस ऑफ गुड कोलकाता चैप्टर का शुभारंभ किया

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: हेरिटेज स्कूल ने नेक्सस ऑफ गुड कोलकाता चैप्टर का शुभारंभ किया. नेक्सस ऑफ गुड' एक ऐसा आंदोलन है, जो अच्छे लोगों को समाज में किए जा रहे अच्छे कामों की पहचान करने, उन्हें समझने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है. इसका उद्देश्य लोगों, खासकर युवा दिमागों के विचारों और कार्यों को प्रभावित करने वाली नकारात्मकता के लिए एक वैकल्पिक कथा विकसित करना है. यह पहल आईएएस और पूर्व कोयला सचिव अनिल स्वरूप के दिमाग की उपज है. इस उद्देश्य के लिए श्री स्वरूप के जुनून ने देश भर में 17 अध्याय खोले हैं और 30 मार्च को कोलकाता के हेरिटेज स्कूल में आयोजित एक कार्यक्रम में 'नेक्सस ऑफ गुड' के 18वें अध्याय का शुभारंभ किया गया. इसमें सभी क्षेत्रों के प्रतिष्ठित अतिथि शामिल हुए. अतिथि सूची में कई आईएएस अधिकारी और कोल इंडिया के चेयरमैन भी शामिल थे. कोलकाता चैप्टर के संयोजक हर्ष खेमका हैं. तीन प्रतिष्ठित एनजीओ ने भी प्रस्तुतियां दीं. इंडियन कैंसर सोसाइटी, फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी और संदेशली मां सरोदा महिला एवं ग्रामीण कल्याण सोसाइटी ने अतिथियों के समक्ष अपने अनुकरणीय कार्यों को प्रस्तुत किया.

विश्व नवकार मंत्र दिवस पर राज्य के पुलिस महानिदेशक डॉ राजीव कुमार को आमंत्रित करने पहुंचे जीतो के कोलकाता चैप्टर के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन, संयोजक दिनेश गंगवाल एवं साथ में जैन समाज में प्रतिष्ठित तुलसी दूगड़, कमल दूगड़, प्रदीप पटवा, नरेन्द्र बरड़िया आदि. इस आयोजन को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है.

श्री श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल का दो दिवसीय सेवा शिविर संपन्न

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: प्रत्येक वर्ष की भांति इस बार भी माँ गवरजा की शोभा यात्रा में कोठारी पार्क नींबुतला में शीतल जल और केसरिया शर्बत की व्यवस्था श्री श्री सिद्धि विनायक भक्त मंडल द्वारा की गई. बड़ाबाजार दो दिन मिनी राजस्थान के रूप में नजर आता है. 9 गवरजा मंडलियों द्वारा जगह जगह पर गायन की प्रस्तुति की जाती हैं, जिसका आनंद सभी भक्त भरपूर लेते हैं. तरह तरह के रथ में माँ गवरजा बिराजमान रहती है. सरंक्षक अशोक द्वारकानी. संस्थापक जनार्दन अग्रवाल, चेयरमैन सुशील कोठारी, सभापति अमरनाथ सिंह, महेंद्र पुरोहित, अभिषेक तापड़िया, मधुसूदन सफर ने सेवा कार्य में सफल भूमिका निभाई.

गवरजा मंडलियों का नागरिक स्वास्थ्य संघ ने किया स्वागत

युवा शक्ति न्यूज / कोलकाता: महानगर में गवरजा मंडलियों का स्वागत कलाकार स्ट्रीट, संघ चौक पर परम्परा अनुसार नागरिक स्वास्थ्य के अध्यक्ष कुंज बिहारी अग्रवाल, मैनेजिंग ट्रस्टी सुरेन्द्र अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विजय दमानी के मार्गदर्शन में किया जा रहा है . महोत्सव में सहयोगी समाजसेवी श्याम अग्रवाल (मीनू साड़ी), राज्य की मंत्री डॉ. शशि पांजा, पूर्व विधायक संजय बक्शी, स्मिता बक्शी, पार्षद महेश शर्मा, मीना पुरोहित, विजय ओझा, समाजसेवी नंदकिशोर भूतड़ा, प्रकाश केडिया, बुलाकी दास मिमानी, गणेश मिमानी, तापस राय, प्रदीप मजुमदार, सौम्य बक्शी, कॉमेडियन मुकेश सोनी, ज्योतिषाचार्य राजेन्द्र व्यास (मनु), चांद रतन लखानी एवम् अतिथियों का स्वागत संस्था के उपाध्यक्ष इन्द्र कुमार डागा एवम् सचिव विकास चन्द चांडक, नरेन्द्र अग्रवाल, गोरधन मूंधड़ा, आलोक दमानी, विकास जयसवाल सहित कार्यकर्ताओं ने किय. संघ चौक में महोत्सव में श्री श्री मनसापूर्ण गवरजा माता सेवा ट्रस्ट, श्री श्री गवरजा माता पारख कोठी, श्री बलदेवजी गवरजा माता सेवा ट्रस्ट, श्री निम्बुतल्ला पंचायत गवरजा सेवा ट्रस्ट, श्री श्री गवरजा माता गांगुली लेन, श्री श्री गवरजा माता कलाकार स्ट्रीट, श्री श्री गोवर्धन नाथजी मन्दिर गौरी माता, श्री श्री बांसतल्ला गवरजा माता कमेटी, श्री श्री गवरजा माता हंसपुकुर मंडल का स्वागत कार्यकर्ताओं ने किया. भजन मंडलियों के गायन से वातावरण भक्तिमय हो गया. बसंत (झबरू) दुजारी, श्रीबल्लभ दुजारी, बिमल बालासिया, संजय मोहता, हरी प्रकाश सोनी, सुरेश राठी, गणेश प्रसाद लाखोटिया, महेश आचार्य, वर्षा डागा, सुनीता दुजारी, अनीता दुजारी, कृष्णा बागड़ी, रेणु गुप्ता, वीणा लोहिया एवम संघश्री महिला समिति की सदस्याएं सक्रिय हैं .

प्रकाश पारख एंड संस द्वारा 49 लोगों को मिली नेत्र ज्योति

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: प्रकाश पारख एंड संस द्वारा आज बुधवार को प्रेम मिलन (कोलकाता) के सयुंक्त तत्वावधान प्रकाश पारख चरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से नेत्र ओपरेशन का आयोजन किया गया. इस अवसर पर चेयरमैन डॉ चंद्रकांत सराफ, डॉ प्रकाश, श्री पवन जी भाटिया, राजकुमार बोथरा मौजूद थे. अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन किया. प्रकाश पारख ने कहा कि प्रेम मिलन द्वारा किए जा रहे सेवाकार्यों की प्रशंसा की, ओर कहा कि लोगों को आंखों के प्रति लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए, समय-समय पर आंखों की जांच कराते रहना चाहिए. राजकुमार बोथरा ने प्रेम मिलन के सेवाकार्यों की प्रशंसा की ओर कहा कि प्रेम मिलन कोलकाता पूरे पश्चिम बंगाल में निशुल्क आंख ऑपरेशन ओर निःशुल्क हाइड्रोसिल - हर्निया ऑपरेशन करने वाली एक मात्र संस्था है. प्रेम मिलन (कोलकाता) के चेयरमैन चंद्रकांत सराफ ने बताया कि आज डॉ. सुप्रतीम बिस्वास ने रेणु सिंह, प्रसेनजीत सेन की सहयोग से 49 नेत्र रोग से पीड़ित जरूरतमंद लोगों का निःशुल्क व सफल आंख ऑपरेशन किया गया. शिविर को सफल बनाने में महेंद्र टिबेड़वाल, मनोज जैसवाल , कल्याण घोष, नीतीश चौधरी ने सक्रिय भूमिका निभाई.

श्यामलीन कमला देवी काकांणी के महाप्रयाण पर भजनांजलि

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: बाबा श्याम की परम साधिका व आराधिका, कमला देवी काकांणी, जिन्हें लोग मौसी जी भी कहते थे, के श्याम प्रस्थान पर भजनांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया. यह आयोजन बीते मंगलवार को बालीगंज पार्क रोड के पास किया गया जहां सभी श्याम प्रेमी एकत्रित हुए और मौसी जी को श्रद्धांजलि दी. सभी ने मौसी जी की प्रशंसा की और कहा कि मौसी जी वास्तव में इस युग की मीरा थीं. मौसी जी के सुपुत्र घनश्याम दास काकांणी ने बताया कि पिताजी की मृत्यु के बाद उनकी माताजी बाबा श्याम में लीन हो गई थीं और चौबीसों घंटे श्याम की ही सेवा किया करती थीं. श्याम बाबा की एक परम भक्त कमला देवी काकांणी (मौसी जी) की भक्ति उनका खाटू श्याम के प्रति समर्पण उन्हें मीरा और सूरदास जैसे भक्तों की श्रेणी में ले आता है. मौसी जी श्याम भक्ति में ऐसी लीन थीं की 55 वर्ष से अन्न त्याग कर सिर्फ जल और फलाहार सेवन करके प्रभु सेवा में समर्पित थीं. भारत के कई राज्यों में श्याम मित्र मंडल द्वारा उन्होंने खाटू श्याम की भक्ति जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया. मौसी जी प्रतिदिन 3 घंटे श्याम कीर्तन करती थीं. यात्रा के दौरान भी उनकी यह दिनचर्या कभी बाधित नहीं हुई. प्रतिदिन श्याम बाबा की एक तस्वीर बनाकर वहीं सहज और सरल रूप से कुछ भक्तों के साथ श्याम कीर्तन करती थीं. वह तस्वीर वहीं अन्य भक्तों की सेवा के लिए छोड़ जाती थीं. उनका नियम था श्याम बाबा की तस्वीर बनाकर नित्य कीर्तन करना. इस नियम का पालन वह जीवन पर्यंत तक करती रहीं और श्याम लीन हो गईं. श्याम भक्त मौसी जी के तीन पुत्र सुशील काकांणी, घनश्याम दास काकांणी, राजकुमार काकांणी एवं समस्त काकांणी परिवार ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए भजन संध्या का आयोजन किया. संदीप सुल्तानिया और अन्य गायकों ने भजनों द्वारा कार्यक्रम में समा बांधा. कार्यक्रम में संजय मित्तल, श्रीमती झंवर, लव अग्रवाल, गोविंद पसारी की उपस्थिति रही. युवा शक्ति से बातचीत के दौरान उनके सुपुत्र घनश्यामदास ने अपनी माता को याद करते हुए बताया पिताजी की मृत्यु के पश्चात उन्होंने अपना जीवन श्याम सेवा में समर्पित कर दिया. संदीप सुल्तानिया ने बताया कि मौसी जी में उन्हें मीरा, सूरदास और कर्माबाई जैसे श्रेष्ठ भक्तों की झलक मिलती है. मौसी जी ने तीन बार कोलकाता से खाटू श्याम पदयात्रा भी की. मौसी जी के श्रद्धांजलि स्वरूप काकांणी परिवार द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्याम भक्त तथा मौसी जी के शिष्य सभी भारी संख्या में उपस्थित रहे.

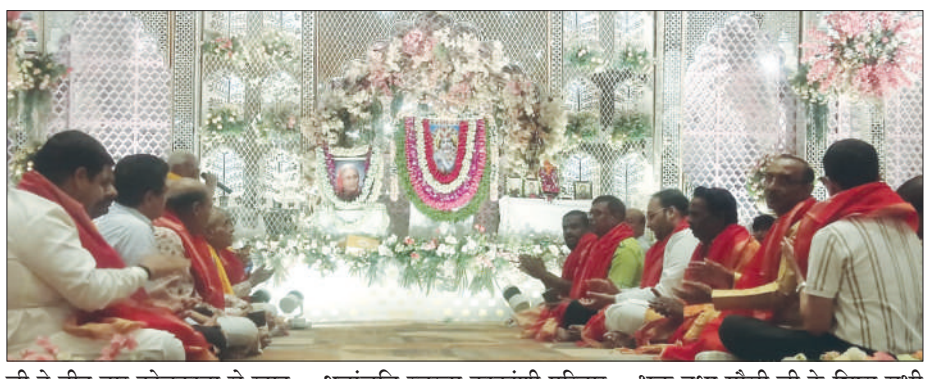

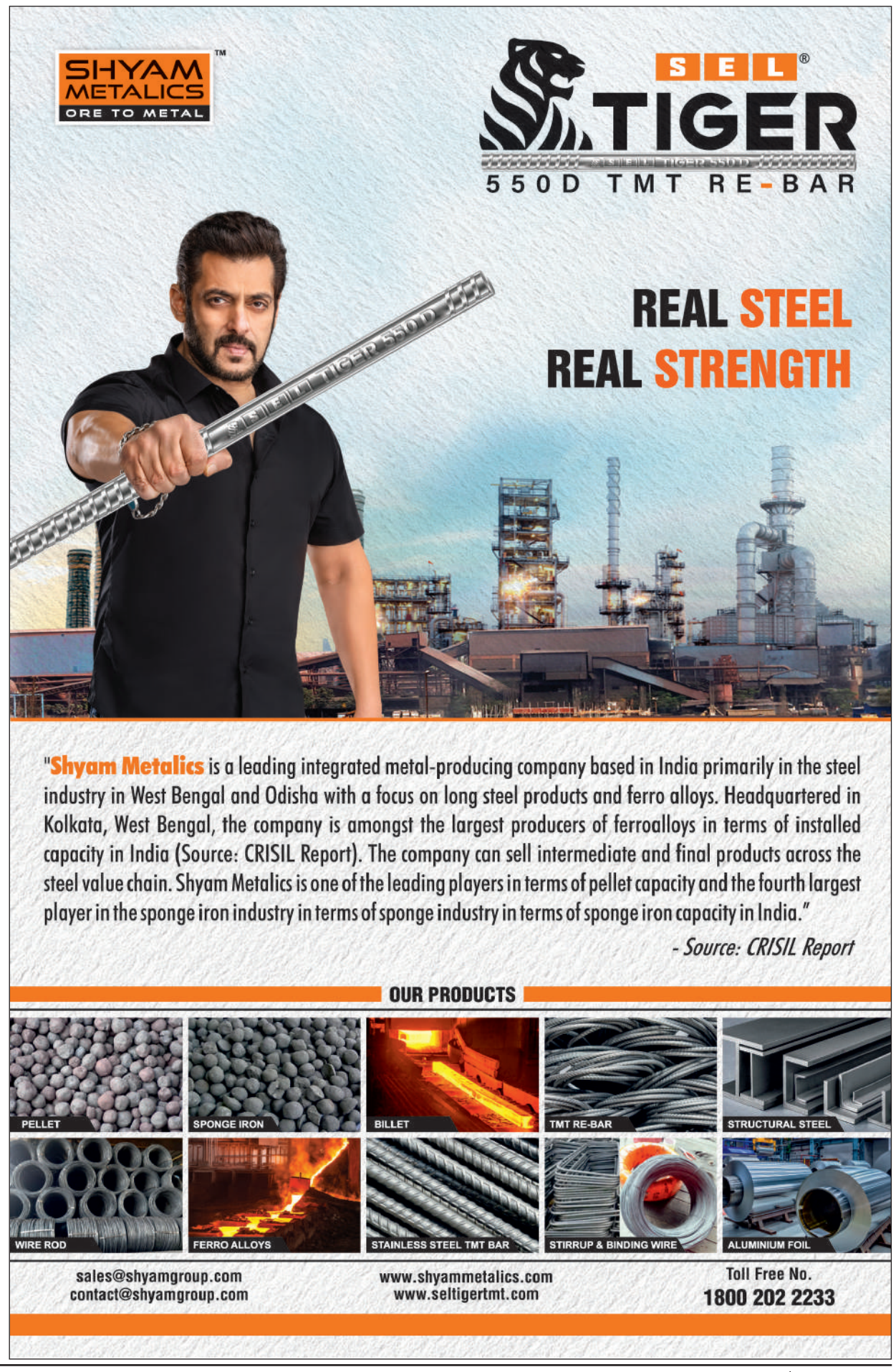

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा-प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट- सलप, थाना-डोमजूर, जिला-हावड़ा-711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता-700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई-मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन